{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 25 अप्रैल 2026
वैशाख शुक्ल 08 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 210
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स	76,664.21
निफ्टी	23,897.95
सोना	1,52,950
चांदी	2,59,900
डॉलर	94.20

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

आप में बड़ा सियासी भूचाल : राघव चड्ढा समेत 7 राज्यसभा सांसद भाजपा में शामिल

भाजपा के हुए राघव

22 दिन में आप में टूट, दो-तिहाई सांसदों ने किया बीजेपी में विलय का ऐलान, आप को झटका : घायल हूं, इसलिए घातक हूं - राघव चड्ढा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के भीतर चल रहा सियासी संकट अब बड़े राजनीतिक भूचाल में बदल गया है। पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने शुक्रवार को इस्तीफा देते हुए भाजपा में शामिल होने का ऐलान कर दिया। उनके साथ संदीप पाठक, अशोक मित्तल समेत कुल सात राज्यसभा सांसदों ने पार्टी छोड़ने का निर्णय लिया है।

राघव चड्ढा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आप के 10 राज्यसभा सांसदों में से दो-तिहाई यानी सात सांसदों ने संविधान के प्रावधानों के तहत भाजपा में विलय का फैसला किया है। उनके साथ हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, राजेंद्र गुप्ता और विक्रमजीत साहनी भी भाजपा में शामिल होंगे।

इस घटनाक्रम की शुरुआत 2 अप्रैल 2026 को हुई थी, जब पार्टी ने राघव चड्ढा के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें राज्यसभा में डिप्टी लीडर पद से हटा दिया था। इसके बाद से ही पार्टी के भीतर असंतोष की खबरें सामने आने लगी थीं। राघव ने उस समय बयान दिया था कि ‘मैं घायल हूं, इसलिए घातक हूं’ और ‘मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझना’, जिसने इस पूरे घटनाक्रम को और अधिक रहस्यमय बना दिया था। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी नेतृत्व को राघव चड्ढा की सक्रियता में कमी और कुछ मुद्दों पर उनकी चुप्पी को लेकर आपत्ति थी। वहीं, चड्ढा समर्थक इसे अंदरूनी खींचतान और नेतृत्व संकट का परिणाम बता रहे हैं। अशोक मित्तल का पार्टी छोड़ना भी चर्चा में है, क्योंकि उनके यहां हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई हुई थी। इसके बाद उनका इस्तीफा राजनीतिक हलकों में कई सवाल खड़े कर रहा है। आप के लिए यह घटनाक्रम खासतौर पर पंजाब में बड़ा झटका माना जा रहा है, जहां पार्टी की मजबूत स्थिति रही है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि 2027 के विधानसभा चुनावों में इस राजनीतिक बदलाव का क्या असर पड़ेगा। भाजपा के लिए यह घटनाक्रम राज्यसभा में मजबूती बढ़ाने के रूप में देखा जा रहा है, जबकि आप को अपने संगठन और नेतृत्व को लेकर गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

बंगाल में बन रही बीजेपी की सरकार, पहले चरण में 110 सीटें जीतेगी- शाह

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने जा रही है। कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमित शाह ने कहा कि 152 सीटों में से बीजेपी 110 से ज्यादा सीटें जीतेगी। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने बताया कि बीजेपी की बंगाल टीम ने अपना आकलन किया है। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण को भी ध्यान में रखते हुए बीजेपी बंगाल में सरकार बनाने जा रही है। बंगाल में रिकॉर्ड मतदान को लेकर शाह ने कहा कि गुरुवार को बंगाल विधानसभा 2026 के चुनाव के प्रथम चरण में मतदान के सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए बंगाल की जनता ने अभूतपूर्व उत्साह और जोश के साथ बंगाल में परिवर्तन के लिए वोट डाला है।

उन्होंने कहा कि मतदान का जो प्रतिशत सामने आया है, वह पूरे देश के लोकतंत्र में भरोसा करने वाले लोगों का उत्साह बढ़ाने वाला है। मैं प्रथम चरण में वोट डालने वाले बंगाल के सभी मतदाताओं का अभिनंदन और धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने भय से भरोसे की यात्रा को बहुत अच्छे से शुरू किया है और दूसरे चरण के मतदाता भी भय से भरोसे की यात्रा को आगे बढ़ाएंगे। बंगाल की जनता के नाम संदेश में साह ने कहा कि देश का एक बहुत बड़ा हिस्सा पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत की यात्रा से जुड़ चुका है। आपका प्यार, आपका उत्साह और आपका भरोसा, पूरे प्रचार अभियान में मोदीजी के लिए सामने से दिखाई दे रहा है। मैं मानता हूं कि ये भरोसा वोट में परिवर्तित होकर बीजेपी की विजय कराएगा।

अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में सीएम यह कहती हैं कि महिलाओं को शाम 7 बजे के बाद बाहर निकलने की कोई जरूरत नहीं है, वहां उन्हें सत्ता में नहीं होना चाहिए। बीजेपी की सरकार बनने के बाद, रात के 1 बजे भी एक युवा लड़की बेझिझक अपना स्कूटर चला पाएगी और किसी भी अपराधी की हिम्मत नहीं होगी कि वह उस पर बुरी नजर डाल सके।

खास खबर

प्रेस काउंसिल अध्यक्ष के रूप में रंजना देसाई की नियुक्ति

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने रंजना प्रकाश देसाई को तीन वर्ष के लिए प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया का अध्यक्ष नियुक्त किया है। 24 अप्रैल 2026 की अधिसूचना के अनुसार यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। देसाई सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रही हैं और 1996 में बॉम्बे हाई कोर्ट में जज नियुक्त हुई थीं। उन्होंने कई महत्वपूर्ण फैसलों में भूमिका निभाई और सेवानिवृत्ति के बाद विभिन्न आयोगों का नेतृत्व किया।

इशरत जहां को हाईकोर्ट से मिली राहत

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पूर्व कांग्रेस पार्षद इशरत जहां की जमानत के खिलाफ दिल्ली पुलिस की अपील खारिज कर दी। यह मामला 2020 के दिल्ली दंगों की कथित बड़ी साजिश से संबंधित है। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति रविंदर दूडेजा की खंडपीठ ने यह फैसला सुनाया। पीठ ने पाया कि जमानत मिलने के बाद चार साल से अधिक समय बीत चुका है। इस दौरान जमानत की किसी भी शर्त का उल्लंघन करने का कोई आरोप नहीं है। अदालत ने कहा कि वह पहले के जमानत आदेश में हस्तक्षेप करने को इच्छुक नहीं है।

बुलंदशहर में पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार

बुलंदशहर। बुलंदशहर में अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली नगर पुलिस के हाथ बड़ी सफलता लगी है। पुलिस ने नुमाइश पुल के नीचे से एक पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार किया है, जो फर्जी नाम-पते पर तैयार किए गए भारतीय दस्तावेजों के सहारे यहां रह रहा था। आरोपी के कब्जे से फर्जी आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और पाकिस्तानी पासपोर्ट बरामद किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन और एसपी सिटी अभिषेक प्रताप अजेय के नेतृत्व में पुलिस टीम संदिग्धों की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर बासिद इरशाद को दबोच लिया।

पवन खेड़ा की जमानत याचिका खारिज

गुवाहाटी। गुवाहाटी हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत की याचिका को खारिज कर दिया। यह मामला असम सीएम सरमा की पत्नी के पास 3 विदेशी पासपोर्ट और अमेरिका में 50 हजार करोड़ की कंपनी होने के आरोप से जुड़ा है। खेड़ा ने यह आरोप 5 अप्रैल को दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए थे। इसके बाद असम सीएम की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा ने पवन के खिलाफ गुवाहाटी में एफआईआर दर्ज कराई थी।

कुछ ना कहना

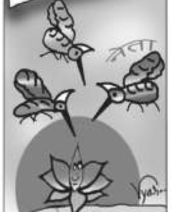

टीएमसी का दीया बुझने वाला...पीएम मोदी ने दमदम रैली से विपक्ष पर साधा निशाना

-बंगाल को ‘कष्टों से मुक्ति’ का वादा

दमदम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दमदम में आयोजित जनसभा में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। दूसरे चरण के मतदान से पहले उन्होंने कहा कि ‘टीएमसी का दीया अब बुझने वाला है’, और राज्य में बदलाव की लहर स्पष्ट दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया कि पहले चरण के मतदान ने भाजपा के पक्ष में माहौल बना दिया है और यह ‘विजय का शंखनाद’ है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी ने लोकतंत्र को कमजोर किया है, जबकि जनता अब उसे फिर से स्थापित करने के लिए आगे आ रही है। उन्होंने कहा कि ‘हर बुझता हुआ दीपक अंत में फड़फड़ाता है, वैसे ही टीएमसी भी बौखलाई हुई है।’ पीएम मोदी ने जनता से भाजपा को समर्थन देने की अपील करते हुए कहा कि उनकी सरकार बंगाल को ‘भय, भ्रष्टाचार और सिंडिकेट राज’ से मुक्त कराएगी। उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए सुभाष चंद्र बोस के आह्वान का जिक्र किया और इसे ‘नई क्रांति का समय’ बताया, जिसमें जनता का एक-एक वोट निर्णायक होगा।

महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को प्रमुख मुद्दा बनाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने टीएमसी पर महिलाओं के प्रति असंवेदनशील होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास मॉडल पर काम करती है और हर बेटी के सपनों की रक्षा का संकल्प लेती है। उन्होंने संदेशखाली की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा ने पीड़ित महिलाओं को नेतृत्व का अवसर दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कई योजनाओं का जिक्र करते हुए वादा किया कि राज्य में भाजपा सरकार बनने पर आयुष्मान भारत योजना लागू की जाएगी, जिसके तहत लोगों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को घर और महिलाओं के नाम पर संपत्ति का अधिकार देने की बात कही। ऊर्जा क्षेत्र में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इससे लोगों का बिजली बिल शून्य हो सकता है और सोलर पैनल लगाने के लिए आर्थिक सहायता दी जाएगी।

मध्यम वर्ग को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कर राहत, शिक्षा और आवास सुविधाओं में सुधार का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज 12 लाख रुपये तक की आय पर टैक्स नहीं है और मेडिकल सीटों में वृद्धि से छात्रों को फायदा मिला है। अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद करते हुए उनके विजन को आगे बढ़ाने की बात कही। उन्होंने दावा किया कि भाजपा की विचारधारा में बंगाल की सोच और परंपरा की गहरी झलक है।

सुप्रीम कोर्ट सख्त : छत्तीसगढ़ सरकार को फटकार, कोरबा एसपी को व्यक्तिगत पेशी के निर्देश

-अदालत के आदेश की अनदेखी पर नाराजगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम मामले में छत्तीसगढ़ सरकार के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कोरबा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। अदालत ने एक आपराधिक मामले में बरी किए गए व्यक्ति को निर्धारित तिथि पर पेश न करने को ‘अस्पष्ट और जानबूझकर उल्लंघन’ करार दिया है। अदालत ने कोरबा एसपी को निर्देश दिया है कि वे 24 अप्रैल को सुबह व्यक्तिगत रूप से पेश हों।

जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने यह सख्त रुख अपनाते हुए एसपी से पूछा है कि 20 अप्रैल 2026 को प्रतिवादी संख्या-2 की उपस्थिति सुनिश्चित न कराने पर उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए। यह मामला एक विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) से जुड़ा है, जिसमें हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसके तहत आरोपी को आईपीसी की धारा 376 और एससीएसटी एक्ट 1989 के तहत दर्ज मामले में बरी कर दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि प्रतिवादी संख्या-2 को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश किया जाए। 23 मार्च 2026 को कोर्ट ने आदेश दिया था कि अगली सुनवाई 15 अप्रैल को होगी और उस दिन उसकी उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। हालांकि, उस दिन संबंधित पीठ उपलब्ध न होने के कारण सुनवाई टल गई थी। बाद में राज्य सरकार ने जानकारी दी कि 15 अप्रैल को प्रतिवादी को पेश कर दिया गया था और 20 अप्रैल की सुनवाई से छूट मांगी गई थी। लेकिन 20 अप्रैल को जब मामला दोबारा सूचीबद्ध हुआ, तब प्रतिवादी अदालत में मौजूद नहीं था। इस पर कोर्ट ने सख्त नाराजगी जताई और कहा कि स्पष्ट निर्देशों के बावजूद आदेश का पालन नहीं किया गया।

अदालत ने कोरबा एसपी को निर्देश दिया है कि वे 24 अप्रैल को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हों और साथ ही प्रतिवादी संख्या-2 की भी उपस्थिति सुनिश्चित करें। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि आदेशों की अवहेलना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी।

1984 सिख दंगों के दोषी सज्जन को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देने से किया इनकार

नई दिल्ली। 1984 दिल्ली सिख दंगों के दोषी कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया है। सज्जन की ओर से कोर्ट में दलील दी गई थी कि वह पिछले 7 साल 4 महीने से जेल में हैं। उनकी पत्नी गंभीर रूप से बीमार हैं और चल-फिर नहीं सकती हैं, वह अपनी पत्नी से एक बार भी नहीं मिल पाए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल जमानत देने से इनकार करते हुए कहा कि अगली सुनवाई जुलाई में होगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली हाईकोर्ट ने 2013 में सज्जन कुमार को निचली अदालत द्वारा बरी किए जाने के फैसले को पलट दिया था। इससे पहले 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े जनकपुरी, विकासपुरी हिंसा मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सज्जन कुमार को बरी कर दिया था। इस हिंसा में दो लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले के फिर से उजागर होने के बाद एसआईटी ने फरवरी 2015 में सज्जन कुमार और अन्य आरोपियों के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की थी। इन मामलों में 7 जुलाई 2025 को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार ने अपना बयान दर्ज कराया था। उन्होंने कहा था कि वह कभी भी 1984 के सिख विरोधी दंगों में शामिल नहीं थे, उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है। जांच एजेंसी पर उन्होंने निष्पक्ष जांच नहीं करने का आरोप लगाया था। सज्जन पहले से ही 1984 दंगों के एक अन्य मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने उन्हें दिल्ली कैंट और पालम कॉलोनी क्षेत्र में पांच सिखों की हत्या और एक गुरुद्वारे को जलाने के मामले में दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

सात महीने प्रेग्नेंट नाबालिग को अबॉर्शन की इजाजत

सुप्रीम कोर्ट बोला-महिला की इच्छा का सवाल, उसे डिलीवरी के लिए मजबूर नहीं कर सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अपने एक अहम फैसले में सात महीने से ज्यादा समय से प्रेग्नेंट 15 साल की नाबालिग लड़की को मेडिकल टर्मिनेशन (अबॉर्शन) की इजाजत दी। लड़की ने साफ तौर पर कहा था कि वह प्रेग्नेंसी जारी नहीं रखना चाहती। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने कहा कि यह जन्म लेने वाले बच्चे का सवाल नहीं है। जरूरी यह है कि महिला क्या चाहती है। अगर महिला बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती तो उसे मजबूर नहीं किया जा सकता। भले ही बच्चे को जन्म के बाद गोद देने का ऑप्शन मौजूद हो।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मेडिकल रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि इस स्टेज पर अबॉर्शन करना मां और बच्चे दोनों के लिए जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने डिलीवरी के बाद बच्चा गोद देने का सुझाव दिया था। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि बच्चे को सेंट्रल अडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी के जरिए गोद दिलाने की व्यवस्था की जा सकती है, जिससे लड़की और उसके परिवार की पहचान सुरक्षित रहे। उन्होंने नाबालिग को आर्थिक मदद की पेशकश भी की। हालांकि जस्टिस नागरत्ना ने इस तर्क पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि कोर्ट महिलाओं को मेडिकल टर्मिनेशन के बजाय किसी व्यक्ति की आर्थिक मदद या गोद लेने जैसे विकल्पों पर निर्भर रहने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। याचिकाकर्ता की ओर से वकील ने कहा कि इस प्रेग्नेंसी ने नाबालिग को गंभीर मानसिक तनाव दिया है और उसकी पढ़ाई पर भी असर पड़ा है। कोर्ट को बताया गया कि नाबालिग में पहले से ही गंभीर मानसिक तनाव के संकेत दिख रहे हैं। वह आत्महत्या की कोशिश भी कर चुकी है। कोर्ट ने कहा कि किसी महिला, खासकर नाबालिग, को इच्छा के खिलाफ प्रेग्नेंसी पूरा करने के लिए मजबूर करना उसके मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकता है।

27 को भारत-न्यूजीलैंड एफटीए पर करेंगे हस्ताक्षर, पीएम लक्सन ने दी जानकारी

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड 27 अप्रैल को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर हस्ताक्षर करेंगे। यह जानकारी न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने शुक्रवार को दी। लक्सन ने एक्स पर कहा कि हम सोमवार को भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करेंगे। इसके साथ ही लक्सन ने एक वीडियो भी पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे यह एफटीए न्यूजीलैंड के लिए फायदेमंद होगा। इस दौरान उन्होंने एक फैक्ट्री का भी दौरा किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीडियो में लक्सन ने कहा कि मैं क्राइस्टचर्च में मौजूद हैमिल्टन जेट के प्लांट में हूं। यह कंपनी 70 से ज्यादा देशों में बोट में इस्तेमाल होने वाले जेट इंजन का निर्यात करती है। फिलहाल इस कंपनी को टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है। इस डील से अब वाटर जेट पर 8.25 फीसदी का टैरिफ भारत को होने वाले निर्यात पर लगेगा। इससे कई हाई-स्किल रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

इस हफ्ते की शुरुआत में न्यूजीलैंड के ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट मंत्री टोड मैक्ले ने कहा था कि भारत-न्यूजीलैंड फ्री ट्रेड एग्रीमेंट एफटीए में लीगल वेरिफिकेशन का काम पूरा हो

बीआरएस ने आत्मा खो दी : के. कविता ने तेलंगाना में नई पार्टी का ऐलान किया

हैदराबाद। तेलंगाना की राजनीति में एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है, जहाँ तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता के. कविता ने एक नई क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा की। यह घोषणा तब हुई है, जब उन्होंने दावा किया कि उन्हें और उनके समर्थकों को कल्वाकुंतला चंद्रशेखर राव की पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से निष्कासित किया गया था। कविता ने स्पष्ट किया कि उन्होंने पार्टी को स्वेच्छा से नहीं छोड़ा, बल्कि उन्हें बाहर किया गया है। उन्होंने कहा कि बीआरएस का गठन तेलंगाना के आंदोलन और राज्य की क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए किया गया था, लेकिन समय के साथ पार्टी अपने मूल उद्देश्य से भटक गई। उनके अनुसार, नाम, काम और मूल विचारों में बदलाव आने के कारण जनता और पार्टी के बीच का संबंध कमजोर हुआ है। कविता ने कहा कि जब कोई राजनीतिक दल अपने मूल मुद्दों से दूर हो जाता है, तो वह लंबे समय तक टिक नहीं सकता। इसकारण उन्होंने एक नई पार्टी बनाने का निर्णय लिया है, जो तेलंगाना के अधूरे एजेंडे और जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने पर केंद्रित होगी। उन्होंने कहा कि उनके जीवन के पिछले 20 वर्ष तेलंगाना आंदोलन और राज्य के विकास

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए राज्यसभा में नोटिस

इस पर 73 सांसदों के दस्तखत, मार्च में दोनों सदनों में खारिज हो चुका प्रस्ताव

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए विपक्ष ने शुक्रवार को राज्यसभा में नोटिस दिया। इस पर 73 सांसदों के दस्तखत हैं। इससे पहले मार्च में विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में नोटिस दिया था। हालांकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इन नोटिसों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगाए

लोकसभा में मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के प्रस्ताव के लिए कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। राज्यसभा में इसके लिए कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त को उसी तरीके से हटाया जा सकता है जैसे सुप्रीम कोर्ट के जज को हटाया जाता है। अन्य चुनाव आयुक्तों को हटाने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त की सिफारिश जरूरी होती है। जजेज

जांच समिति तभी बनेगी जब दोनों सदनों में प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाएगा। इसके बाद लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा चेयरमैन मिलकर एक संयुक्त जांच समिति बनाएंगे।

महाभियोग की मांग के प्रमुख बिंदु

सांसदों द्वारा सौंपे गए नोटिस में मुख्य चुनाव आयुक्त पर सिद्ध कदाचार का आरोप लगाया गया है। यह कदाचार 15 मार्च 2026 को या उसके बाद किए गए कार्यों और चूक से संबंधित है। इस आरोप को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 (5) के साथ-साथ अनुच्छेद 124 (4) के तहत, मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 की धारा

कलेक्टर के निरीक्षण के 24 घंटे बाद जिला अस्पताल की नई लापरवाही आयी सामने

डायलिसिस यूनिट में पावर बैकअप नहीं होने से मरीजों की बढ़ी चिंता, परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप, वीडियों बनाकर किया वायरल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला चिकित्सालय की डायलिसिस यूनिट इन दिनों अव्यवस्थाओं का सामना कर रही है, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि डायलिसिस यूनिट में पर्याप्त पावर बैकअप की व्यवस्था नहीं है, जिसके कारण बिजली कटौती होने पर उपचार प्रक्रिया प्रभावित हो जाती है। मरीजों के परिजनों ने जिला चिकित्सालय प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि जब डायलिसिस के दौरान अचानक बिजली चली जाती है, तब मशीनें बंद हो जाती हैं। ऐसी स्थिति में मशीन के पाइपों में मौजूद ब्लड को मैन्युअली निकालना पड़ता है, जो बेहद गंभीर और चिंताजनक स्थिति है। परिजनों का कहना है कि इस तरह की लापरवाही मरीजों की जान के लिए खतरा बन सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय से इस समस्या की जानकारी अस्पताल प्रबंधन को दी जा रही है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया है। डायलिसिस जैसे संवेदनशील उपचार में इस प्रकार की अव्यवस्था मरीजों के लिए बड़ा जोखिम साबित हो सकती है। मरीजों और उनके परिजनों ने जिला चिकित्सालय प्रबंधन, स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन से मांग की है कि डायलिसिस यूनिट में तत्काल पावर बैकअप की समुचित व्यवस्था की जाए, ताकि मरीजों को सुरक्षित और बेहतर उपचार मिल सके। जिला चिकित्सालय बालाघाट में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर लापरवाही का एक और गंभीर मामला सामने आया है। खास बात यह है कि यह मामला उस समय उजागर हुआ, जब महज एक दिन पहले ही कलेक्टर मृणाल मीणा ने जिला

अस्पताल का औचक निरीक्षण कर डॉक्टरों की अनुपस्थिति, साफ-सफाई की व्यवस्था और निर्माण कार्यों में लापरवाही को लेकर अधिकारियों को फटकार लगाई थी तथा व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए थे। कलेक्टर के निरीक्षण के 24 घंटे भी पूरे नहीं हुए थे कि जिला अस्पताल की डायलिसिस यूनिट से जुड़ी एक बड़ी खामी सामने आ गई। मरीजों के परिजनों ने डायलिसिस यूनिट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया है, जिसमें अस्पताल की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। परिजनों का आरोप है कि डायलिसिस यूनिट में बिजली चले जाने की स्थिति में किसी प्रकार का पावर बैकअप उपलब्ध नहीं है। ऐसे में जब उपचार के दौरान अचानक बिजली कट जाती है तो मशीनें बंद हो जाती हैं और मशीन के पाइपों में प्रवाहित हो रहा रक्त बाहर निकालकर फेंकना पड़ता है। परिजनों का कहना है कि यह स्थिति मरीजों के स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकती है। डायलिसिस जैसे संवेदनशील उपचार के दौरान इस प्रकार की लापरवाही से किसी मरीज की जान भी जोखिम में पड़ सकती है। मरीजों के परिजनों ने बताया कि बीते तीन दिनों से डायलिसिस यूनिट में लगातार समस्याएं बनी हुई हैं, लेकिन इस ओर अस्पताल प्रबंधन ध्यान नहीं दे रहा है। उनका आरोप है कि मरीजों को जिस स्तर की सुविधा मिलनी चाहिए, वह नहीं मिल पा रही है। हालांकि कुछ मरीजों और उनके परिजनों ने नियमित उपचार प्रभावित होने के डर से मीडिया के सामने खुलकर बोलने से इनकार कर दिया, लेकिन कुछ लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए अपनी समस्या सार्वजनिक की और प्रशासन से व्यवस्था सुधारने की मांग की। गौरतलब है कि जिला चिकित्सालय आए दिन किसी न किसी अव्यवस्था को लेकर सुर्खियों में बना रहता है। एक ओर सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार नए प्रयास कर रही है, वहीं दूसरी ओर जिला अस्पताल में व्यवस्थाएं सुधारने के दावे धरातल पर कमजोर नजर आ रहे हैं। अब सवाल यह उठ रहा है कि कलेक्टर के सख्त निर्देशों के बावजूद अस्पताल प्रबंधन कब तक ऐसी लापरवाहियों को नजरअंदाज करता रहेगा और आखिर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं कब मिल पाएंगी।

26 अप्रैल को राज्य सेवा व राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 का आयोजन

दो सत्रों में होंगी परीक्षा, संभागीय पर्यवेक्षक ने ली परीक्षा केंद्रो के प्राचार्यों की बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर द्वारा आगामी 26 अप्रैल को राज्य सेवा व राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह परीक्षा बालाघाट जिले के 09 परीक्षा केंद्रो पर दो सत्रों में प्रातः 10 से दोपहर 12 बजे एवं दोपहर 2ः15 से 4ः15 तक आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में 3866 परीक्षार्थी शामिल होंगे। लोक सेवा आयोग की इस परीक्षा के लिए नियुक्त संभागीय पर्यवेक्षक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्री चतुरभुज सिंह ने 24 अप्रैल को परीक्षा केंद्रो के प्राचार्यों की बैठक लेकर परीक्षा की तैयारियों के संबंध में निर्देश दिये। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्री राहुल नायक, एवं सभी 09 परीक्षा केंद्र के प्राचार्य उपस्थित थे।

परीक्षा शुरू होने से 90 मिनट पहले परीक्षार्थियों को केंद्र पर पहुंचना होगा

बैठक में बताया गया कि यह परीक्षा निर्विघ्न, सुव्यवस्थित एवं सुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए आयोग द्वारा नवीन प्रक्रिया अपनायी जा रही है। जिसके अंतर्गत परीक्षा केंद्रो पर सीसीटीवी सर्विलेंस, बायोमेट्रिक फिक्सिंग एवं वीओआईपी की व्यवस्था लागू की जा रही है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत समस्त परीक्षा केंद्रो पर परीक्षार्थियों को परीक्षा के 90 मिनट पूर्व अनिवार्य रूप से प्रवेश दिया जाना है। आयोग की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार परीक्षा ओएमआर शीट पर आधारित प्रणाली से कराई जाएगी। बालाघाट जिले में परीक्षा दो सत्रों में आयोजित होगी। पहला सत्र सुबह 10 बजे से 12 बजे तक और दूसरा सत्र दोपहर 2ः15 बजे से शाम 4ः15 बजे तक रहेगा। अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने से पहले 90 मिनट पहले ही केंद्र पर पहुंचने की सलाह दी गई है, ताकि प्रवेश प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहेगी। अभ्यर्थियों की फिस्किंग के बाद ही प्रवेश दिया जाएगा।

परीक्षा कक्ष में वर्जित वस्तुएं

परीक्षार्थियों को मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और अन्य प्रतिबंधित सामग्री परीक्षा कक्ष में ले जाना पूरी तरह वर्जित रहेगा। परीक्षा केंद्र पर प्रवेश के दौरान त्रिस्तरीय जाँच की जायेगी, जिसमें बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, प्रवेश पत्र की स्कैनिंग, एच एच एम डी के माध्यम से तालाशी की जाएगी। साथ मे दोनों सत्रों में frisking की जाएगी। इस प्रक्रिया के बाद ही प्रवेश देने दिया जायेगा। जिसमें पुरुष और महिला दोनों की frisking, जेंडर अनुसार ही की जावेगी। परीक्षा में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस रोकने के लिए जूते-मोजे पहनकर आना पूरी तरह वर्जित है, अभ्यर्थी सिर्फ चप्पल या सैंडल पहनकर ही आ सकते हैं। चेहरा ढँककर प्रवेश नहीं मिलेगा। परीक्षा कक्ष में किसी भी प्रकार की घड़ी, पेंसिल, रबर, व्हाइटनर, स्केल, बैग, मोबाइल, कैलकुलेटर, ब्लूटूथ, बेल्ट, हाथ के बैंड, कफलिंक, धूप का चश्मा, पर्स, टोपी, चाबी, लाइटर और बालों के क्लचर तक ले जाना मना है। अभ्यर्थी केवल ई-प्रवेश पत्र, वैध पहचान पत्र, गोले भरने के लिए निर्धारित स्याही का पेन, पारदर्शी पानी की बोतल और यदि जरूरी हो तो फोटोग्राफ ही साथ ला सकते हैं। हिजाब, पगड़ी, पल्लू, हाथ में बंधे धागे और ताबीज की जांच सम्मानपूर्वक की जाएगी, लेकिन धार्मिक धागे और महिलाओं के आभूषण उतरवाए नहीं जाएंगे। महिला अभ्यर्थियों की तलाशी केवल महिला अधिकारी ही करेंगी और दुपट्टे की जांच के बाद तुरंत वापस कर दिया जाएगा।

09 केंद्रो पर 3866 परीक्षार्थी होंगे शामिल

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिंडिकेट बैंक के पास भरवेली बालाघाट में 250, सरस्वती शिशु मंदिर वार्ड नं. 28 सरस्वती नगर बालाघाट में 300, वीरांगना रानी दुर्गावती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय थाना कोतवाली के सामने बालाघाट में 500, शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट में 500, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में 600, शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज गायखुरी रोड बालाघाट में 400, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में 504, अपूर्व कांवेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल वार्ड नं. 04 फ्रेंड्स कॉलोनी बैहर रोड बालाघाट में 400 एवं शासकीय एमएलबी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालाघाट में 412 परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इस प्रकार बालाघाट के 09 परीक्षा केंद्रो पर कुल 3866 परीक्षार्थी राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 में शामिल होंगे।

किराये पर उपलब्ध

धनराज कॉम्पलेक्स

बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।

महेन्द्र सुराना 94251 38670

ललित बाघरेचा 9424765679

प्रदेश में खनिज के अवैध परिवहन पर नियंत्रण के लिए 40 ई-गेट शुरू

16 अप्रैल 2026 से अधिसूचना जारी

बालाघाट जिले के कंजई में भी हुआ संचालन प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश में खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए खनिज विभाग द्वारा प्रदेशभर में 40 ई-चेक गेट शुरू किए गए हैं। इसी कड़ी में बालाघाट जिले के कंजई में भी ई-गेट का संचालन 16 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हो गया है। इन ई-गेटों के माध्यम से रेत सहित अन्य खनिजों के परिवहन की ऑनलाइन निगरानी की जाएगी।

उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 में आवश्यक संशोधन किए जाने के बाद इन ई-चेक गेटों को संचालित किया गया है। यह पूरी तरह मानव-रहित प्रणाली है, जिससे खनिज परिवहन में लगी गाड़ियों की सतत निगरानी संभव हो सकेगी। उन्होंने बताया कि अब खनिज परिवहन में लगे सभी वाहनों पर रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टैग लगाना अनिवार्य होगा। यह टैग गाड़ी की फ्रंट विंडशील्ड पर लगाया जाएगा, जिससे ई-गेट से गुजरते ही वाहन की पूरी जानकारी स्वतः सिस्टम में दर्ज हो जाएगी। इससे ओवरलोडिंग, नंबर प्लेट छिपाने या अन्य प्रकार की गड़बड़ी पर तत्काल कार्रवाई की जा सकेगी।

ई-चेक गेट में वेरीफोकल कैमरा, ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रीडर एवं ऋऋढ्ढ रीडर जैसे आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं, जो गाड़ी की संख्या, खनिज की मात्रा और वजन का स्वतः मिलान करेंगे। यदि ई-ट्रांजिट पास में दर्ज जानकारी और वास्तविक परिवहन में अंतर पाया जाता है, तो संबंधित वाहन मालिक पर ऑनलाइन कार्रवाई की जाएगी।

उप संचालक सुश्री फरहत जहां ने यह भी बताया कि ई चेक गेट जानकारी के आधार पर नियमों के उल्लंघन पर उस वाहन का पंजीयन निरस्त या निलंबित किया जा सकता है। साथ ही नियमों के उल्लंघन की स्थिति में कलेक्टर द्वारा वाहन जब्त करने के निर्देश भी दिए जा सकेंगे। ई-चेक गेट से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर खनिज परिवहन में अनियमितता पाए जाने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही रॉयल्टी रसीद में दर्ज मात्रा से अधिक खनिज परिवहन पाए जाने पर भी सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। ई-गेट प्रणाली के शुरू होने से खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा तथा पारदर्शिता और राजस्व वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

राजस्व प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 24 अप्रैल को राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर राजस्व प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर श्री एमआर कोल, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, एसडीएम गोपाल सोनी, तहसीलदार सुश्री छवि पंत, श्रीमती मंजुला महोबिया, अधीक्षक भू-अभिलेख कृष्णा नायक उपस्थित थे। इस बैठक में सभी एसडीएम एवं तहसीलदार वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

बैठक में सर्वप्रथम फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सभी तहसीदारों को निर्देशित किया कि जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री नही हो पायी है उनकी शीघ्रता से फार्मर रजिस्ट्री कराए। किसानों को यह भी समझा कि फार्मर रजिस्ट्री होने पर ही उन्हें उनके रकबे के अनुसार उर्वरक प्राप्त हो सकेगा। इस वर्ष से उर्वरक वितरण की प्रक्रिया ई-टोकन के माध्यम से की जाएगी, जिसके लिए फार्मर रजिस्ट्री का होना अनिवार्य है। बालाघाट तहसील में फार्मर रजिस्ट्री कम होने पर नाराजगी जाहिर की गई और इसे शीघ्र ही शत प्रतिशत तक करने के निर्देश दिये गए। नक्शा तरमीम की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 06 लाख नक्शा अपलोड करने का लक्ष्य निर्धारित है। कलेक्टर श्री मीना ने सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया कि नक्शा तरमीम का कार्य सावधानी के साथ करें और इसे शीघ्रता से पूर्ण करें। तिरोडी तहसील में नक्शा तरमीम की प्रगति कम पाए जाने पर विशेष अभियान चलाकर इस कार्य को पूर्ण करने कहा गया।

बैठक में आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा के प्रकरणों की समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज सभी प्रकरणों का समय सीमा में अनिवार्य रूप से निराकरण किया जाए। कोई भी प्रकरण 03 माह से अधिक का लंबित नही रहना चाहिए। किरनापुर तहसील में सीमांकन के अधिक प्रकरण पाए जाने पर इसके कारणों की जांच करने कहा गया। बैठक में रिकॉर्ड दुरूस्ती, स्वामित्व योजना एवं साईबर तहसील के प्रकरणों की समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सडक दुर्घटना राहत के प्रकरणों का त्वरित निराकरण करें और कोई भी प्रकरण भुगतान के लिए लंबित न रखे। इसी प्रकार प्राकृतिक आपदा से मृत्यु के प्रकरणों में सहायता राशि का तत्परता से वितरण करने के निर्देश दिये गए। लोक सेवा गारण्टी अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का नियत समय सीमा में अनिवार्य रूप से निराकरण करने कहा गया। समय सीमा में प्रकरणों का निराकरण नही होने पर जिम्मेदार अधिकारी पर जुर्माना लगाने की चेतावनी दी गई। शासकीय भूमि पर किये गए अतिक्रमण को हटाने के लिए तत्परता के साथ कार्यवाही करने कहा गया।

बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने निर्देशित किया कि आवेदकों की समस्याओं का संतुष्टि के साथ निराकरण किया जाए। सीएम हेल्पलाइन में कोई भी प्रकरण 50 दिन से अधिक का लंबित नही रहना चाहिए। सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का निराकरण करने में लापरवाही बरतने वाले पटवारियों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए। कलेक्टर श्री मीना ने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके क्षेत्र में कोविड के समय से अनुसूचित जनजाति वर्ग के व्यक्ति से उसी वर्ग के व्यक्ति के नाम की गई भूमि हस्तांतरण एवं नामांतरण की सूची तैयार कर सात दिनों के भीतर उनके समक्ष प्रस्तुत करें।

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार संजय तोलानी आयु लगभग 47 वर्ष आ. स्व. श्री संतोष तोलानी निवासी वार्ड क्रमाक 07 वारासिवनी तहः वारासिवनी जिला बालाघाट म.प्र.के निर्देशानुसार एंव उससे अधिकृत होकर सूचित करता हूँ कि मेरा पक्षकार का भाई सन्नी तोलानी आयु 38 वर्ष आ. स्व. श्री संतोष तोलानी जो कि मेरे पक्षकार से वर्ष 2012 से पृथक निवास कर रहा है। सन्नी तोलानी के अन्य लोगो से लेन देन है जिसका भार मेरे पक्षकार पर नहीं है, इस ईश्तेहार के मार्फत यह स्पष्ट किया जा रहा है कि कोई भी मेरे पक्षकार के भाई सन्नी तोलानी से किसी भी प्रकार का वित्तीय लेन देन ना करें जिसकी समस्त जवाबदेही संव्यवहार करने वाले कि रहेगी। इसका उत्तरदायित्व मेरे पक्षकार एवं उसके परिवार का नहीं रहेगा। सन्नी तोलानी के द्वारा यह भी ऐलानिया तौर पर कहा जा रहा कि वह अपने आप को किसी भी प्रकार से शारीरिक क्षति करेगा एंव मेरे पक्षकार को झुठा फसा देगा। इस संबध में भी जवाबदेही मेरे पक्षकार की नहीं रहेगी क्योंकि सन्नी तोलानी के मेरे पक्षकार से वर्ष 2012 से कोई संपर्क नहीं है, लेना देना नहीं है और ना ही बातचीत है। इस प्रकार उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के प्रति मेरा पक्षकार किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नही है।

वारासिवनी

दिनॉक-24/04/2026

भवदीय- संतोष चौहान अधिवक्ता

कार्यालय एंव निवास वार्ड नं.09 वारासिवनी जिला बालाघाट

मों.नं.9893167115

श्री दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर का 14वां स्थापना महोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न

भजन संध्या, हवन-पूजन और महाप्रसादी में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, दो दिवसीय आयोजन रहा आकर्षण का केंद्र

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के गुजरी बाजार स्थित प्रसिद्ध श्री दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर का 14वां स्थापना महोत्सव 23 और 24 अप्रैल को श्रद्धा, भक्ति और उल्लासपूर्ण माहौल में मनाया गया। दो दिवसीय धार्मिक आयोजन को लेकर मंदिर समिति द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई थीं, जिसके चलते पूरे आयोजन में भक्तिमय वातावरण बना रहा। मंदिर समिति के पदाधिकारी पुरुषोत्तम शर्मा ने बताया कि इस मंदिर की स्थापना का सपना उनके दादाजी ने देखा था। उनकी इसी परिकल्पना को साकार करते हुए वर्ष 2012 में मंदिर की स्थापना की गई थी। हालांकि आज उनके दादाजी इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके द्वारा शुरू की गई इस धार्मिक परंपरा को परिवार और मंदिर समिति पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ आगे बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि हर वर्ष मंदिर स्थापना दिवस को विशेष रूप से मनाया जाता है और इस वर्ष भी आयोजन को भव्य स्वरूप दिया गया। महोत्सव के पहले दिन 23 अप्रैल को शाम 7 बजे से भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें मध्यप्रदेश के सुप्रसिद्ध भजन गायकों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और देर रात तक भक्तिमय माहौल बना रहा। वहीं महोत्सव के दूसरे

दिन 24 अप्रैल को सुबह मंदिर परिसर में विधि-विधान के साथ विशेष हवन-पूजन संपन्न कराया गया। धार्मिक अनुष्ठान के पश्चात श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। दो दिवसीय इस आयोजन ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण पैदा किया और पूरे कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर भक्तों की आस्था का केंद्र बना रहा।

बालाघाट में बाघ की संदिग्ध मौत, वन विभाग ने दर्ज किया प्रकरण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के वन क्षेत्र में एक बाघ की मौत का मामला सामने आया है। घटना 23 अप्रैल 2026 को वनमण्डलाधिकारी उत्तर (सामान्य) वनमण्डल बालाघाट के अंतर्गत पूर्व बैहर वन परिक्षेत्र के जत्ता बीट के कक्ष क्रमांक 1618 में हुई। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके को सुरक्षित कर लिया और आसपास के क्षेत्र में सघन जांच शुरू की। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरी प्रक्रिया अपनाई गई। मृत बाघ का पोस्टमार्टम वन्यजीव विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. अमोल रोकडे द्वारा किया गया। प्रारंभिक जांच में बाघ के दांत को छोड़कर शरीर के अन्य सभी अंग सुरक्षित पाए गए हैं, जिससे मामले को संदिग्ध माना जा रहा है। निर्धारित प्रक्रिया के तहत बाघ के शव का अंतिम संस्कार (भस्मीकरण) वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान वनसंरक्षक सुश्री संध्या, वनमण्डल अधिकारी रेशम सिंह धुर्वे, उपवनमण्डल अधिकारी राकेश शाक्यवार, वनक्षेत्रपाल कंदर्भ भट्ट सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे। पूरी कार्रवाई की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी भी कराई गई। वन विभाग ने इस मामले में वन अपराध प्रकरण क्रमांक 2561/82 दिनांक 23 अप्रैल 2026 के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। अधिकारियों का कहना है कि बाघ की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोनः- 07632-243531

मोः- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
शनिवार 25 अप्रैल 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

ऑल ओवर चैंपियन बना इंदौर, सीनियर वर्ग में मीना शर्मा ने मारी बाजी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के नूतन कला निकेतन सभागार में 23 अप्रैल से आयोजित दो दिवसीय राज्यस्तरीय पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में महिला वर्ग की स्पर्धाएं संपन्न हो गई हैं। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए इंदौर कार्पोरेशन ने 36 अंकों के साथ ओवरऑल चैंपियनशिप अपने नाम की। वहीं 21 अंकों के साथ कटनी दूसरे और 12 अंकों के साथ

इंदौर डिस्ट्रिक्ट तीसरे स्थान पर रहा। महिला वर्ग की प्रतियोगिताओं में विभिन्न जिलों की खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। जूनियर वर्ग में जबलपुर की सीमा लोधी ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि इंदौर कार्पोरेशन की ईशा अटोड़े दूसरे और भोपाल कार्पोरेशन की टीनू तिवारी तीसरे स्थान पर रहीं। सीनियर बेस्ट लिफ्टर प्रतियोगिता में इंदौर कार्पोरेशन की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मीना शर्मा ने पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं मानसी सेमर दूसरे और बालाघाट की योगिनी घोरमारे तीसरे स्थान पर रहीं। सब-जूनियर वर्ग में इंदौर कार्पोरेशन की पूर्वी लाशकारी ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि कटनी डिस्ट्रिक्ट की अन्यादा बी दूसरे स्थान पर रहीं। जूनियर वर्ग की अलग-अलग वजन श्रेणियों में ईशा अटोड़े, सीमा लोधी और तनु तिवारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि पल्लवी रिछारिया दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं ओपन वर्ग की विभिन्न वजन श्रेणियों में बालाघाट की योगिनी घोरमारे, इंदौर डिस्ट्रिक्ट की मीना शर्मा और इंदौर कार्पोरेशन की मानसी सेलार ने पहला स्थान हासिल किया। शिवानी जाटव दूसरे स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता में अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और प्रदेश के विभिन्न जिलों से करीब 200 महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया है। जिला पावर लिफ्टिंग एवं वेट लिफ्टिंग एसोसिएशन के बैनर तले आयोजित इस प्रतियोगिता में अब पुरुष वर्ग की स्पर्धाएं शुरू हो चुकी हैं, जिनके परिणाम देर रात तक घोषित किए जाएंगे। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिला खिलाड़ियों को एसोसिएशन अध्यक्ष मधु हरपाल, सचिव सुरेंद्र जायसवाल एवं अन्य अतिथियों ने पुरस्कृत किया। एसोसिएशन के सचिव सुरेंद्र जायसवाल ने बताया कि दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में महिला एवं पुरुष सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग की स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों ने पावर लिफ्टिंग की तीन प्रमुख विधाओं बेंच प्रेस, स्क्वॉट और डेड लिफ्ट में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चयनित खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

वेतन नहीं मिलने पर नपा सफाई कर्मचारियों की हड़ताल, शहर की सफाई व्यवस्था हुई प्रभावित

नगर पालिका कार्यालय के सामने जताया आक्रोश, कार्रवाई की चेतावनी के बाद कुछ कर्मचारी लौटे काम पर

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वेतन भुगतान में देरी से नाराज नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों और सुपरवाइजरों ने 24 अप्रैल की सुबह हड़ताल का ऐलान कर दिया। रोजाना की तरह वार्डों और शहर में सफाई कार्य करने जाने के बजाय कर्मचारी नगर पालिका कार्यालय के सामने एकत्रित हो गए और अपनी नाराजगी जाहिर करने लगे। बताया जा रहा है कि कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन करीब तीन से चार घंटे तक जारी रहा। इस दौरान शहर के कई वार्डों में नियमित सफाई कार्य प्रभावित रहा, जिससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हड़ताल की जानकारी मिलने के बाद नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों से चर्चा करने पहुंचे। सूत्रों के अनुसार अधिकारियों ने इस तरह अचानक काम बंद करने पर नाराजगी जताई और कुछ सुपरवाइजरों सहित कर्मचारियों को नौकरी से हटाने की चेतावनी भी दी। इसके बाद कुछ कर्मचारी नौकरी जाने के डर से वापस काम पर लौटे, लेकिन तब तक अधिकांश सफाई कर्मचारी अपने घर जा चुके थे। जो कर्मचारी लौटे भी, उन्होंने केवल कुछ घंटे ही काम किया और बाद में वापस चले गए। कर्मचारियों का कहना है कि समय पर वेतन नहीं मिलने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द भुगतान नहीं किया गया तो आगे भी आंदोलन किया जा सकता है।

करोड़ों-अरबों रुपए का बजट पेश करने वाली नगर पालिका अपने ही कर्मचारियों को समय पर वेतन देने में असफल नजर आ रही है। इसका सीधा असर अब शहर की सफाई व्यवस्था पर पड़ने लगा है। वेतन नहीं मिलने से नाराज नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों, सुपरवाइजरों, ड्राइवरों और स्वास्थ्य शाखा से जुड़े कर्मचारियों ने शुक्रवार 24 अप्रैल की सुबह काम बंद

कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रतिदिन की तरह नगर पालिका के सफाई कर्मचारी सुबह करीब 5:30 बजे नगर पालिका कार्यालय पहुंचे थे। यहां उन्हें शहर के विभिन्न वार्डों में सफाई कार्य के लिए रवाना होना था, लेकिन काम पर जाने से पहले कर्मचारियों ने अधिकारियों के सामने लंबित वेतन का मुद्दा उठाया। कर्मचारियों का कहना था कि उन्हें कई महीनों से वेतन नहीं मिला है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट गहरा गया है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि वे लगातार शहर की सफाई व्यवस्था संभाल रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उनकी मेहनत का भुगतान समय पर नहीं किया जा रहा है। जब अधिकारियों की ओर से उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो सफाई कर्मियों ने काम पर जाने से इनकार कर दिया और हड़ताल की घोषणा कर दी। सुबह करीब 6 बजे शुरू हुआ यह विरोध प्रदर्शन नगर पालिका कार्यालय के सामने तीन से चार घंटे तक चलता रहा। इस दौरान सफाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित होती नजर आई। जैसे ही मामले की जानकारी नगर पालिका के जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों को लगी, वे मौके पर पहुंचे और कर्मचारियों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि काफी देर तक बातचीत के बावजूद कर्मचारी अपनी मांगों पर अड़े रहे। कुछ कर्मचारी नाराज होकर अपने घर लौट गए, जबकि कुछ कर्मचारियों और सुपरवाइजरों ने आरोप लगाया कि उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी दी गई। उनका कहना था कि अधिकारियों ने कहा कि यदि वे इस तरह हड़ताल करेंगे और काम पर नहीं लौटेंगे तो उन्हें नौकरी से बाहर कर दिया जाएगा। इन परिस्थितियों के चलते कुछ कर्मचारी मजबूरी में वापस काम पर लौटे, जबकि कई कर्मचारी तब तक घर जा चुके थे। कर्मचारियों ने बताया कि लंबे समय से वेतन नहीं मिलने के कारण उनके सामने रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो गया है। बच्चों की स्कूल फीस, शादी-विवाह के खर्च, घरेलू जरूरतें और अन्य जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए उन्हें कर्ज लेना पड़ रहा है। लगातार बढ़ते कर्ज ने उनकी आर्थिक स्थिति और खराब कर दी है। कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि वर्तमान नगर पालिका प्रशासन उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहा है। उनका कहना था कि पूर्व में पदस्थ अधिकारी और जनप्रतिनिधि कर्मचारियों की परेशानियों को समझते थे और समय पर वेतन दिलाने का प्रयास करते थे, लेकिन वर्तमान व्यवस्था में उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। कुछ कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी देना और प्रताड़ित करना गलत है। कर्मचारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनका लंबित वेतन जारी नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में बड़ा आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी नगर पालिका प्रशासन की होगी।

कर्मचारियों को हटाने का प्रस्ताव लाना चाहिए - सुधीर चिले

सत्ता पक्ष के पार्षद सुधीर चिले ने नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि वे अनावश्यक रूप से सफाई कर्मियों को परेशान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जब नगर पालिका के पास करोड़ों-अरबों रुपये का बजट है, तो कर्मचारियों को समय पर वेतन क्यों नहीं मिल रहा है। पार्षद चिले ने कहा कि यदि अध्यक्ष को यह लगता है कि कर्मचारी काम नहीं कर रहे हैं और नगर पालिका में आवश्यकता से अधिक कर्मचारी हैं, तो उन्हें आगामी परिषद बैठक में कर्मचारियों को हटाने का प्रस्ताव लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि तभी यह माना जाएगा कि नगर पालिका अध्यक्ष की कथनी और करनी में समानता है।

शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन जारी

बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग स्थित दुकान पर महिलाओं और आबकारी अमले के बीच हुई बहस, देर रात तक चला विरोध

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहर तक शराब दुकानों के विरोध का सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा है। विभिन्न वार्डों और ग्रामीण इलाकों में महिलाएं शराब दुकानों के स्थान परिवर्तन और बंद किए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही हैं। इसी क्रम में बीती रात बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग के पास संचालित शराब दुकान के बाहर विरोध प्रदर्शन के दौरान महिलाओं और आबकारी विभाग के कर्मचारियों के बीच विवाद की स्थिति बन गई। क्षेत्र की महिलाएं लंबे समय से शराब दुकान को अन्य स्थान पर स्थानांतरित किए जाने की मांग कर रही हैं। उनका कहना है कि रिहायशी क्षेत्र के पास शराब दुकान संचालित होने से माहौल खराब हो रहा है और परिवारों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान कुछ महिलाओं द्वारा शराब खरीदने पहुंचे ग्राहकों को रोकने का प्रयास किया गया। इस दौरान मौके पर मौजूद आबकारी विभाग के कर्मचारियों और पुलिस अमले ने महिलाओं को समझाइश दी कि वे अपनी मांग प्रशासन तक पहुंचाएं, लेकिन शराब खरीदने आने वाले लोगों के साथ विवाद की स्थिति न बनाएं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आबकारी पुलिस कुछ घंटों तक शराब दुकान परिसर में मौजूद रही और ग्राहकों की आवाजाही पर नजर रखती रही। इसे लेकर महिलाओं ने नाराजगी जताई और आरोप लगाया कि प्रशासन उनकी मांगों पर कार्रवाई करने के बजाय शराब खरीदने वालों को सुरक्षा दे रहा है। कुछ समय तक मौके पर तनावपूर्ण माहौल बना रहा, हालांकि बाद में समझाइश के बाद स्थिति सामान्य हुई।

शहर के बुढ़ी क्षेत्र में संचालित लगभग 50 वर्ष पुरानी शराब भट्टी को हटाने की मांग लगातार तेज होती जा रही है। लंबे समय से

स्थानीय महिलाएं शराब दुकान के विरोध में धरना प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन अब इस पूरे मामले में आबकारी विभाग भी सक्रिय हो गया है। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि शराब खरीदने आने वाले लोगों को महिलाओं के विरोध से बचाने के लिए आबकारी विभाग ने दुकान पर अपना सुरक्षा अमला तैनात कर दिया है। 1 अप्रैल से नए शराब ठेकों की शुरुआत होने के बाद से बुढ़ी स्थित यह शराब दुकान लगातार विवादों में बनी हुई है। पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से स्थानीय महिलाएं दुकान हटाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। महिलाओं के आंदोलन के चलते कई दिनों तक दुकान का संचालन प्रभावित हैं । इससे शासन के राजस्व के साथ-साथ ठेकेदार को भी आर्थिक नुकसान होने लगा। गुरुवार रात आबकारी विभाग के अधिकारी शराब ठेकेदार के साथ मौके पर पहुंचे और आंदोलन कर रही महिलाओं से चर्चा की। अधिकारियों ने महिलाओं को समझाने का प्रयास किया और प्रदर्शन समाप्त करने की अपील की, लेकिन महिलाएं अपनी मांग पर अडिग रहीं और शराब दुकान को रिहायशी क्षेत्र से हटाने की बात दोहराती रहीं। जब बातचीत से कोई समाधान नहीं निकला तो आबकारी विभाग ने शराब दुकान पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी। अब शराब खरीदने आने वाले लोगों को सुरक्षा दी जा रही है ताकि प्रदर्शन कर रही महिलाएं उन्हें वापस न लौटा सकें। बताया जा रहा है कि प्रदर्शन के दौरान महिलाएं शराब दुकान पर पहुंचने वाले ग्राहकों को अंदर जाने से रोक रही थीं और उन्हें शराब खरीदने से मना कर रही थीं। इससे मौके पर विवाद की स्थिति बनने लगी थी। आबकारी विभाग का मानना है कि इस तरह ग्राहकों को रोकना न केवल लाइसेंसधारी को आर्थिक नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि इससे कानून व्यवस्था की स्थिति भी प्रभावित हो सकती है।

इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए 23 अप्रैल की शाम करीब 7 बजे आबकारी अधिकारी पुलिसकर्मियों के साथ बुढ़ी क्षेत्र पहुंचे और महिलाओं को समझाने का प्रयास किया। अधिकारियों ने कहा कि यदि उन्हें किसी प्रकार की आपत्ति है तो वे उच्च अधिकारियों और संबंधित विभाग से चर्चा करें, लेकिन ग्राहकों को रोकना उचित नहीं है। हालांकि महिलाओं ने स्पष्ट कहा कि उनका विरोध जारी रहेगा और वे लोगों को शराब खरीदने से रोकती रहेंगी। इस दौरान कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति भी बनी रही। हालात को देखते हुए आबकारी विभाग के कर्मचारी और पुलिसकर्मी शराब दुकान पर मौजूद रहे ताकि कोई अप्रिय स्थिति निर्मित न हो। बुढ़ी शराब दुकान के पास रहने वाली महिला उमा ने बताया कि वह सिलाई का कार्य कर अपने परिवार का पालन-पोषण करती हैं, लेकिन उनके पति की शराब की लत ने परिवार की आर्थिक स्थिति खराब कर दी है। उन्होंने बताया कि उनके पति अपनी अधिकांश कमाई इसी दुकान से शराब खरीदने में खर्च कर देते हैं, जिससे घर चलाना मुश्किल हो गया है।

महिला ने कहा कि कई बार घर में खाने-पीने तक की समस्या खड़ी हो जाती है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि उनका छोटा बेटा रोज अपने पिता को शराब पीते देखता है और उन्हें डर है कि भविष्य में वह भी इसी रास्ते पर न चल पड़े। महिलाओं का कहना है कि यह केवल एक दुकान हटाने की लड़ाई नहीं, बल्कि परिवारों को बचाने का आंदोलन है। उन्होंने प्रशासन से जल्द शराब दुकान को अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की है।

एक हैंडपंप के सहारे बुझ रही आधे गांव की प्यास, एकोड़ी में गहराया पेयजल संकट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक ओर सरकार नल-जल योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। नगर मुख्यालय से महज लगभग 5 किलोमीटर दूरी पर स्थित ग्राम एकोड़ी इन दिनों भीषण पेयजल संकट से जूझ रहा है। स्थिति यह है कि गांव की आधे से अधिक आबादी पीने के पानी के लिए करीब 40 वर्ष पुराने एकमात्र हैंडपंप पर निर्भर है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में कुल 12 हैंडपंप स्थापित हैं, लेकिन इनमें से अधिकांश हैंडपंप लोगों के किसी काम नहीं आ रहे हैं। चार हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़े हुए हैं, जबकि सात हैंडपंपों से निकलने वाला

पानी अत्यधिक खारा है, जिससे वह पीने योग्य नहीं रह गया है। ऐसे में पूरे गांव को सिर्फ एक पुराने हैंडपंप से ही मीठा पानी मिल पा रहा है। यही कारण है कि सुबह से लेकर देर शाम तक इस हैंडपंप के पास पानी भरने वालों की लंबी कतार लगी रहती है। ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि कई बार उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ता है। गर्मी बढ़ने के साथ पानी की मांग भी बढ़ गई है, जिससे परेशानी और अधिक गंभीर हो गई है। कई परिवारों को अपनी दैनिक जरूरतों के लिए भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। जिन लोगों के निजी बोरवेल हैं, वे मानवीय संवेदनाओं के चलते आसपास के लोगों को पानी उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे कुछ हद तक राहत मिल रही है, अन्यथा हालात और अधिक खराब हो सकते थे। ग्रामीणों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित विभाग और पंचायत स्तर पर शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। दूसरी ओर संबंधित विभाग का दावा है कि जांच के दौरान गांव के आठ हैंडपंपों का पानी उपयोग योग्य पाया गया है, लेकिन ग्रामीण इस दावे को पूरी तरह गलत बता रहे हैं। उनका कहना है कि अधिकारी सिर्फ कागजी कार्रवाई कर वास्तविक समस्या को नजरअंदाज कर रहे हैं। ग्राम पंचायत के सरपंच कैलाश सरिता मेश्राम ने बताया कि गांव में कुछ हैंडपंप खराब हैं, जबकि कई हैंडपंपों से खारा पानी निकल रहा है। उन्होंने कहा कि नल-जल योजना के तहत गांव में पानी की टंकी निर्माण का कार्य किया जा रहा है, लेकिन योजना अभी पूरी तरह शुरू नहीं हो सकी है। जब तक योजना शुरू नहीं होती, तब तक ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण कमलेश हरिनखेड़े ने बताया कि खारे पानी की समस्या के कारण स्थिति और गंभीर हो गई है। लोग मजबूरी में दूर-दूर से पानी लाने को विवश हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि खराब हैंडपंपों की तत्काल मरम्मत कराई जाए और नल-जल योजना को शीघ्र शुरू किया जाए, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके। गर्मी के इस मौसम में पानी की समस्या ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। यदि समय रहते प्रशासन ने इस ओर गंभीरता नहीं दिखाई, तो आने वाले दिनों में गांव में जल संकट और भी विकराल रूप ले सकता है।

सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गोंदिया रोड सरेखा रेलवे ब्रिज के नीचे बाईपास पर सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति घायल हो गया ।घायल व्यक्ति जितेंद्र पिता बापूराव गौतम 50 वर्ष ग्राम देवरी थाना हट्टा निवासी है। जिन्हें जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जितेंद्र गौतम खेती किसानी के अलावा दूध का धंधा करते हैं और प्रतिदिन दूध बेचने के लिए मोटरसाइकिल में बालाघाट आते हैं।24 अप्रैल को जितेंद्र गौतम मोटरसाइकिल में बालाघाट आए थे और बालाघाट से काम निपटने के बाद 1:00 बजे करीब वे मोटरसाइकिल में बालाघाट से अपने घर ग्राम देवरी जाने निकले थे ।तभी गोंदिया रोड सरेखा रेलवे ब्रिज के नीचे बाईपास पर सामने से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल ने जितेंद्र गौतम की मोटरसाइकिल को ठोस मार दी ।इस दुर्घटना में जितेंद्र गौतम मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। जिन्हें डायल 112 से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है ।जितेंद्र गौतम की मोटरसाइकिल को ठोस मारने वाली मोटरसाइकिल का नंबर एमपी 50 जेड ए 2417 बताया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने राजेश गौतम का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

पारिवारिक कार्यक्रम में बालाघाट पहुंचे जबलपुर विधायक अशोक रोहाणी, कांग्रेस पर साधा निशाना

महिला आरक्षण, समर्थन मूल्य और संगठनात्मक अनुशासन पर रखी बात

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जबलपुर के विधायक अशोक रोहाणी अपने पारिवारिक एवं वैवाहिक कार्यक्रम के सिलसिले में बालाघाट पहुंचे, जहां उन्होंने सामाजिक बंधुओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से चर्चा की और बाद में मीडिया से बातचीत करते हुए विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। विधायक अशोक रोहाणी ने कहा कि बालाघाट से उनका पुराना पारिवारिक और सामाजिक संबंध रहा है, इसलिए वह समय-समय पर यहां आते रहते हैं। उन्होंने बताया कि इस बार भी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के साथ सामाजिक लोगों से मुलाकात का अवसर मिला। मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होंने हाल ही में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले विधेयक को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं को राजनीतिक क्षेत्र में अधिक भागीदारी देना चाहती है, लेकिन कांग्रेस की नीतियों और विरोध के कारण इस विषय पर अनावश्यक राजनीति की जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है और महिला सशक्तिकरण सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके अलावा विधायक रोहाणी ने चुनाव के दौरान

किए गए वादों को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि सरकार अपने घोषणा पत्र में किए गए वादों को चरणबद्ध तरीके से पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि लाडली बहना योजना जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को लाभ दिया जा रहा है। वहीं किसानों के लिए भी सरकार लगातार काम कर रही है। गेहूं के समर्थन मूल्य को लेकर उन्होंने कहा कि सरकार धीरे-धीरे घोषणा पत्र में किए गए वादों के अनुरूप आगे बढ़ रही है और किसानों को राहत देने का प्रयास कर रही है। विधायक ने कहा कि कांग्रेस बिना वजह मुद्दों को लेकर हल्ला मचाने का काम करती है, जबकि सरकार जमीनी स्तर पर योजनाओं को लागू कर रही है। वहीं विधायक प्रीतम सिंह लोधी से जुड़े मामले पर पूछे गए सवाल के जवाब में अशोक रोहाणी ने कहा कि पार्टी हाईकमान ने इस विषय में अनुशासन को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि इस मामले में वह ज्यादा टिप्पणी नहीं करना चाहते, लेकिन पार्टी सर्वोपरि होती है और संगठन जो भी निर्णय लेता है, उसका पालन सभी को करना होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अनुशासन आधारित संगठन है और सभी कार्यकर्ता व जनप्रतिनिधि पार्टी की विचारधारा और निर्णयों का सम्मान करते हैं।

विधायक अनुभा मुंजारे के प्रयासों से बन रही सड़क पर राजनीति गरमाई

सरपंच अनीस खान ने जिला पंचायत अध्यक्ष पर साधा निशाना, विधायक मुंजारे के स्वीकृत कार्य की करवा रहे है जांच

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित लालबर्रा-समनापुर सड़क के अधुरे निर्माण कार्य को लेकर अब श्रेय और जांच की राजनीति शुरू हो गई है। ग्राम पंचायत सरपंच अनीस खान ने जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाते हुए उन पर व्यक्तिगत द्वेष और विकास कार्यों में बाधा डालने के आरोप लगाये है। साथ ही यह भी कहा कि मार्च माह में आयोजित सामान्य सभा की बैठक के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ उनकी किसी विषय एवं विकास के मुद्दे को लेकर नोकझोंक हुई थी। इसे व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय बनाते हुए अध्यक्ष श्री सरस्वार ने एक बैठक के लिए प्रतिबंधित करने का प्रयास किया है और जिला पंचायत सीईओ के माध्यम से पत्र भी जारी करवाये गये है। श्री खान ने इसे अध्यक्ष का व्यक्तिगत और मनमाना निर्णय करार देते हुए कहा कि ऐसी कार्यवाही से पार्टी और लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर होती है। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक से प्रतिबंधित करने के निर्णय की निंदा करते हुए पार्टी के उच्च पदाधिकारियों को इस मामले से अवगत करवाने की बात कही है।

6 वर्ष बाद अधुरे सड़क का हो रहा निर्माण कार्य

लालबर्रा नगर मुख्यालय स्थित बस स्टैंड से अमोली समनापुर सीमेंट सड़क निर्माण कार्य का विवाद रूकने का नाम नही ले रहा है। ज्ञात हो कि उक्त सड़क का निर्माण लगभग 6 वर्ष पूर्व बनकर तैयार हो चुका है किन्तु 600 मीटर सड़क का निर्माण विवाद के चलते नहीं हो पाया था। बालाघाट विधानसभा से श्रीमती अनुभा मुंजारे विधायक बनी तभी से स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्रामीणों व पत्रकारों के द्वारा उक्त मार्ग में शेष बची सीमेंट सड़क निर्माण पूरा करने के लिए मांग की गई थी। जिसे क्षेत्रीय विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा गंभीरता से लेते हुए भोपाल स्तर पर मुख्यमंत्री, प्रभारी मंत्री, लोक निर्माण विभाग मंत्री व सचिवालय में अधिकारियों के समक्ष अपनी यह बात रखी। जिस पर उक्त मार्ग के निर्माण कार्य हेतु 1 करोड़ 61 हजार रूपये स्वीकृत होकर कार्य प्रारंभ किया गया। जिसका दो बार विधायक अनुभा मुंजारे, अधिकारीगण व स्थानीय जनप्रतिनिधियो के साथ निरीक्षण भी किया गया है। वहीं पांढरवानी सरपंच अनीस खान के अनुसार कुछ भाजपा नेताओ द्वारा निर्माण कार्य को रूकवाया गया था और कार्यरत साइड इंचार्ज से मारपीट गली-गलौच इत्यादि मामला भी कार्य के दौरान सामने आया था। जिसके बाद विधायक अनुभा मुंजारे के प्रयास से स्वीकृत इस मार्ग का स्वयं विधायक मुंजारे ने अपने साथियों, प्रतिनिधि के साथ निरीक्षण कर कार्य प्रारंभ करवाया था। इस बात को लेकर भाजपा नेताओ व आपत्तिकर्ताओं ने जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार से भेंट कर सड़क निर्माण में सवालिया निशान लगाते हुए अपनी बात रखी। जिस पर सम्राटसिंह सरस्वार द्वारा तत्काल ही निर्माण कार्य रोकने व उच्चस्तरीय जांच करवाने मुख्यकार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक सर्राफ को पत्र लिखकर जांच रवाई जा रही है। अब देखना होगा की कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा स्वीकृत कार्य की जांच कांग्रेस के ही जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार करा पाने में सफल हो पाते है या नहीं। लेकिन कांग्रेस ही कांग्रेस की जॉच करवा रहे हैं जो समझ से परे है और गुटबाजी भी देखने मिल रही है। इस संबंध में जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरस्वार के शिकायती पत्र पर मुख्यकार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक सर्राफ द्वारा दो विभागों के कार्यपालन यंत्रियों की टीम गठित कर जांच करवाई जा रही है।

पूर्व मंत्री के कार्यकाल में अधूरा रहा कार्य, विधायक मुंजारे ने दिलवाई स्वीकृति

चर्चा में सरपंच अनीस खान ने बताया कि लालबर्रा से समनापुर मार्ग का निर्माण कार्य पिछले कई वर्षों से अधुरा पड़ा था। पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन के कार्यकाल के दौरान भी इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाये गये। जिसके कारण स्थानीय जनता धूल और कीचड़ के बीच आवागमन कर रहे थे। क्षेत्रीय जनता की इस पीड़ा को देखते हुए विधायक अनुभा मुंजारे ने इस मुद्दे को भोपाल स्तर पर पूरी मजबूती से उठाया। उनके सतत प्रयासों का ही परिणाम है कि इस मार्ग को स्वीकृति मिली और वर्तमान में इसका गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य जारी है। निर्माण होने से जहां एक ओर दुर्घटनाओं में कमी आयेगी, वहीं दूसरी ओर लोगों को उड़ती धूल से भी निजात मिलेगी। वहीं हाल ही में जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार द्वारा सड़क की गुणवत्ता की जांच के निर्देश दिए जाने पर सरपंच श्री खान ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और उन्होंने कहा कि हमें जांच से कोई आपत्ति नहीं है, जांच बिल्कुल होनी चाहिए। लेकिन सवाल यह है कि पिछले 6 वर्षों से जब जनता इस अधूरी सड़क के कारण परेशान थी। तब जिला पंचायत अध्यक्ष ने कोई सार्थक प्रयास क्यों नहीं किया? अब जब कांग्रेस विधायक के प्रयासों से कार्य हो रहा है, तो उसमें दखलअंदाजी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। साथ ही श्री खान ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा के कुछ लोगों द्वारा इस जनकल्याणकारी कार्य का विरोध किया जा रहा है, जो विकास विरोधी मानसिकता को दर्शाता है।

व्यक्तिगत द्वेष का आरोप, बैठक से प्रतिबंधित करने का मामला

चर्चा में सरपंच अनीस खान ने जिला पंचायत की कार्यप्रणाली और अध्यक्ष के व्यवहार पर भी खुलासा किया। उन्होंने बताया कि मार्च माह में आयोजित सामान्य सभा की बैठक के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ उनकी किसी विषय एवं विकास के मुद्दों को लेकर बहस हुई थी। इसे व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय बनाते हुए मुझे जिला पंचायत की सामान्य सभा की एक बैठक से प्रतिबंधित करने का प्रयास किया गया है और जिला पंचायत सीईओ के माध्यम से पत्र भी जारी करवाये गये है। श्री खान ने बताया कि 23 अप्रैल को आयोजित बैठक में शामिल होने का एजेंडा मुझे प्राप्त हुआ था। लेकिन स्वास्थ्य खराब होने के कारण बैठक में शामिल नही हो पाया। आगामी बैठकों में जनहित के मुद्दों को उठाने के लिए अनिवार्य रूप से शामिल होगें। साथ ही यह भी बताया कि क्षेत्र की जनता विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा करवाये जा रहे सड़क निर्माण से बेहद खुश है और किसी भी प्रकार की राजनीति इस विकास कार्य को नही रोक पायेगी।

संत भूरा भगत प्रतिमा अनावरण एवं जिला स्तरीय जयंती कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के हाई स्कूल मार्ग कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स परिसर के सामने कतिया समाज लालबर्रा के द्वारा 25 अप्रैल को प्रातः 10 बजे कतिया समाज के आराध्य संत भूरा भगत की प्रतिमा का अनावरण एवं जिला स्तरीय भूरा भगत सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में कतिया समाज लालबर्रा के पदाधिकारियों ने बताया कि 25 अप्रैल को संत भूरा भगत प्रतिमा अनावरण एवं जिला स्तरीय जयंती समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रातः

10 बजे मानपुर चौक से रैली निकालेगी, जिसके बाद यह रैली संत की प्रतिमा अनावरण स्थल पहुंचेगी जहां पूजा अर्चना कर प्रतिमा का अनावरण किया जायेगा। जिसके बाद मंचीय कार्यक्रम पंवार मंगल भवन में संपन्न होगा। जहां सांस्कृतिक, मेधावी छात्र-छात्राओं एवं बुजुर्गों का सम्मान सहित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। उक्त कार्यक्रम कतिया समाज जिला कमेटी अध्यक्ष दिनेश सोनेकर, जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता मनोज ग्वालवंशी, पांढरवानी सरपंच अनीस खान के मुख्य आतिथ्य, कतिया समाज ब्लाक कमेटी अध्यक्ष खिलेन्द्र सोनवंशी की अध्यक्षता में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक में पहुंचने की अपील कतिया समाज ब्लाक कमेटी अध्यक्ष खिलेन्द्र सोनवंशी, उपाध्यक्ष कृष्णकुमार सोनवाने, जया सोनी, सचिव तिलकचंद चंदेश्वर, कोषाध्यक्ष लखनलाल नागेश्वर, सहसचिव सूरजलाल शिव, सरोज सानेकर, प्रवक्ता दिलीप बेलवंशी, मीडिया प्रभारी तुलेश शिववंशी, आडिटर अनिरूध्द लांजेवार, सदस्य पुरूषोत्म सोनवंशी, रामेश्वर शिव, खेलन सोनवाने, त्रिवेणी सोनवंशी, ममता शिववंशी, मनोज ग्वालवंशी, रेखा लिंजीवार, उर्मिला नागेश्वर, सुलोचना सोनवंशी, विनीता गौतम, जयकृष्ण नीलवंशी, डीडी भारद्वाज, श्रीमती मधु सोनवंशी, उदेलाल ग्वालवंशी सहित अन्य पदाधिकारियों ने की है।

खमरिया चौक बना एक्सीडेंट पाइंट, प्रशासन की अनदेखी से मंडरा रहा जान का खतरा

सड़क विभाग की लापरवाही, समतल हुए ब्रेकर और बैरिकेड्स के अभाव में बेलगाम दौड़ रहे वाहन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा से वारासिवनी हाईवे मार्ग पर स्थित ग्राम खमरिया का मुख्य चौक इन दिनों दुर्घटनाओं का केंद्र बन गया है। चारों दिशाओं से आने वाले वाहनों की अनियंत्रित गति और सुरक्षा इंतजामों के अभाव ने ग्रामीणों का राह चलना दूभर कर दिया है। स्थिति यह है कि पूर्व में बनाये गये स्पीड ब्रेकर अब भारी वाहनों के दबाव से घिसकर सड़क के समतल हो चुके हैं। जिससे वाहन चालक धीमी गति के बजाय फर्राटा भरते हुए निकलते हैं। जिसके चलते कई बार दुर्घटनाएं घटित हो चुकी है और बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। जबकि खमरिया के इस चौराहा चौक के दोनों साइड में स्कूल है और चार दिशाओं से लोग इस चौक से आगे की ओर निकलते है। लेकिन स्पीड ब्रेकर या बैरिकेड्स नही होने के कारण भारी वाहनों के साथ ही दुपहिया, चौपहिया वाहन भी तेज गति से गुजरते है उन्हे पता नही रहता कि इस चौक से चार दिशाओं की ओर लोगों का आवागमन होता है। ऐसी स्थिति में आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वही इस चौक पर स्पीड ब्रेकर बनाने एवं चौराहा चौक है, धीरे चले जैसे कोई संकेतक बोर्ड भी नही लगाये गये है। जबकि लंबे समय से सड़क विभाग से स्पीड ब्रेकर व संकेतक बोर्ड लगाने की मांग ग्रामीण एवं राहगीरों के द्वारा की जा रही है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है।

चार प्रमुख मार्गों का मिलन स्थल है यह चौक

खमरिया पंचायत भवन के सामने वाला चौक केवल एक साधारण चौराहा नहीं है। बल्कि यह लालबर्रा, वारासिवनी, निलजी, कामथी, नैतरा और कटंगझरी की ओर जाने वाले मार्गों का मुख्य केन्द्र बिन्दु है। इस मार्गों से दर्जनों गांवों के ग्रामीण अपने दैनिक कार्यों के लिए इसी चौक का उपयोग करते हैं। ब्रेकर और बैरिकेड न होने के कारण चारों दिशाओं से आने वाले वाहन चौराहे पर एक-दूसरे को देख नहीं पाते और अनियंत्रित होकर टकरा जाते हैं। जिससे रोजाना छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं होते रहती है। साथ ही इस चौक की संवेदनशीलता इसलिए भी अधिक है क्योंकि यहां प्रमुख जन.सुविधाएं स्थित हैं। ग्राम पंचायत कार्यालय, सोसायटी, शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल स्थित है। जिसके कारण दिनभर ग्रामीणों का आना-जाना लगा रहता है। साथ ही स्कूल की छुट्टी और लगने के समय छोटे बच्चों की भारी भीड रहती है। साथ ही खमरिया से लालबर्रा, वारासिवनी सहित अन्य स्थानों पर जाने वाले यात्रीगण भी इसी चौक पर रूककर आगे जाने के लिए बस का इंतजार करते है। लेकिन वाहनों के तेज गति से गुजरने के कारण बस का इंतजार करने वाले यात्री और स्थानीय दुकानों पर आने वाले लोग हर वक्त हादसे के साये में रहते हैं। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शासन-प्रशासन को इस समस्या से अवगत करवाया गया है। लेकिन जिम्मेदार अधिकारी किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे है। न तो नये ब्रेकर बनाये जा रहे है और न ही पुलिस प्रशासन के द्वारा बैरिकेड्स लगाये गये है।

हादसों को दावत दे रहे समतल ब्रेकर

ग्रामीण एवं राहगीरों ने बताया कि लालबर्रा से वारासिवनी पहुंच मार्ग स्थित खमरिया के दो मुख्य चौराहा चौक में सड़क विभाग द्वारा पूर्व में ब्रेकर का निर्माण तो किया गया था। लेकिन निर्माण की गुणवत्ता और भारी वाहनों, डंपर व ट्रकों की आवाजाही के कारण वे अब पूरी तरह खत्म हो चुके हैं। संकेतक बोर्ड न होने से बाहरी वाहन चालक सीधे चौक में तेज रफ्तार से प्रवेश करते हैं, जिससे आने-जाने वाले लोगों को परेशानी होने के साथ ही दुर्घटना के शिकार हो रहे है। इसलिए प्रशासन से मांग है कि खमरिया के जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के सामने वाले चौक एवं पंचायत भवन के सामने स्थित चौराहा चौक के चारों ओर मजबूत कांक्रीट ब्रेकर का निर्माण होना चाहिए, यातायात पुलिस द्वारा स्थायी या अस्थायी बैरिकेड्स लगाये जाये, स्कूल और पंचायत के पास धीमे चले के संकेतक बोर्ड लगाये जाये।

प्रशासन को चाहिए कि जनहित और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तत्काल इस ओर ध्यान दे ताकि खमरिया चौक पर होने वाली रोजमर्रा की दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

वाहनों की तेज गति से होती है दुर्घटनाएं - अनुप

चर्चा में अनुपचंद पटले ने बताया कि लालबर्रा से वारासिवनी पहुंच मार्ग यह एक प्रमुख मार्ग है। इस मार्ग से बालाघाट, इंदौर, भोपाल नागपुर सहित अन्य महानगरों की ओर बड़े चौपहिया वाहनों का आवागमन होता है। जो तेजी से गुजरते हैं और इस मार्ग पर खमरिया के पास दो-तीन चौक है जहां से वाहन तेजी से गुजरते हैं और दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। श्री पटले ने बताया कि खमरिया पंचायत भवन कार्यालय के सामने स्थित चौराहा चौक है जहां से चारों ओर से व्यक्ति आवागमन करते है और लंबे समय से इस स्थान पर स्पीड ब्रेकर एवं बेरिकेड्स लगाने की मांग कर रहे है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। इसलिए प्रशासन से मांग है कि संकेतक बोर्ड के साथ ही स्पीड ब्रेकर बनाये।

स्पीड ब्रेकर बनाये एवं संकेतक बोर्ड लगाये प्रशासन - बालकृष्ण

रटेगांव पूर्व सरपंच बालकृष्ण बिसेन ने बताया कि खमरिया का कामथी की ओर जाने वाला यह चौक एक प्रमुख चौक है जहां पर चारों ओर के दर्जनों ग्राम के ग्रामीणजन आवागमन करते हैं। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि विभाग से अनेकों बार इस स्थान पर स्पीड ब्रेकर, बैरिकेड्स व संकेतक बोर्ड लगाने की मांग कर चुके है लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिसके कारण आये दिन दुर्घटनाएं घटित हो रही है। साथ ही यह भी बताया कि वर्तमान में वैवाहिक कार्यक्रमों का दौर चल रहा है, लोग रात्रि के समय आवागमन करते है लेकिन स्पीड ब्रेकर और बैरिकेडस न होने के कारण चारों दिशाओं से आने वाले वाहन चौराहे पर एक-दूसरे को देख नहीं पाते। जिसके कारण दुर्घटना घटित हो जाती है, प्रशासन से मांग है कि जनता के हित में बैरिकेड्स एवं स्पीड ब्रेकर का निर्माण करवाये।

रपटाटोला खुरपुड़ी से मोहगांव जाम पहुंच मार्ग खराब

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी दूर ग्राम पंचायत खुरपुड़ी के रपटाटोला से मोहगांव जाम पहुंच मार्ग खराब हो चुका है एवं कुछ स्थानों पर सड़क के बीच से डामर उखड़ जाने के साथ ही गड्ढे बन गये है। जिसके कारण आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस सड़क की समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आपको बता दे कि रपटाटोला खुरपुड़ी से मोहगांव जाम पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व सड़क विभाग के द्वारा डामरीकरण सड़क का निर्माण किया गया है किन्तु सड़क का गुणवत्तापूर्ण निर्माण नही होने से जगह-जगह से डामर उखड़ जाने एवं सड़क के बीच में गड्ढे बन जाने से आने-जाने वालों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही दुर से गड्ढे दिखाई नही देने से दुर्घटनाएं भी

घटित हो रही है। वहीं वर्तमान में शादी-विवाह का सीजन चल रहा है, क्षेत्रीयजन मोटरसाइकिल एवं अन्य वाहनों से कार्यक्रम में शामिल होने के बाद रात्रि में वापस होते है जिन्हे भी सड़क में बने गड्ढों के कारण काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही इस मार्ग से आधा दर्जन से अधिक ग्रामों के ग्रामीणजन एवं राहगीर आना-जाना करते है जिन्हे बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से रपटाटोला खुरपुडी से मोहगांव जाम पहुंच मार्ग में बने गड्ढों एवं सड़क का मरम्मत कार्य जल्द करवाने की मांग की है ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

मुरझड़ के कोसरीटोला में नल-जल योजना के पानी को तरस रहे ग्रामीण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना जिसका लक्ष्य हर घर नल हर घर जल पहुँचाना है। वारासिवनी जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत मुरझड़ के कोसरी टोला में दम तोड़ती नजर आ रही है। यहाँ योजना के क्रियान्वयन में बरती गई लापरवाही और पर्याप्त पानी की आपूर्ति ना होने से ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे गया है। आलम यह है कि आक्रोशित ग्रामीणों ने अब अपने नल कनेक्शन कटवाना शुरू कर दिए हैं।

योजना में मिल रहा चार बाल्टी पानी हैंडपंप पर लग रही लाइन

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत मुरझड़ के कोसरीटोला में भीषण पानी की किल्लत और ग्रामीणों को हो रही दिक्कत को देखते हुए शासन के द्वारा नल जल योजना स्वीकृत की गई थी। योजना अंतर्गत ग्रामीणों को लाभान्वित करने के लिए नल कनेक्शन दिए गए। प्रशासन ने पानी की टंकी तो बनवा दी और घर घर पाइपलाइन भी बिछा दी लेकिन पानी की आपूर्ति के नाम पर सिर्फ औपचारिकता निभाई जा रही है। पूरे २४ घंटे में मात्र एक बार सुबह के वक्त २० मिनट के लिए नल खोले जाते हैं जिससे बमुश्किल ४ बाल्टी पानी ही मिल पाता है। यह पानी एक छोटे परिवार के लिए पीने के उपयोग हेतु भी पर्याप्त नहीं है। विडंबना यह है कि इस नाम मात्र की आपूर्ति के बदले ग्रामीणों से प्रतिमाह नियमित शुल्क वसूला जा रहा है। वर्तमान में पारा बढ़ने के साथ ही जल स्तर नीचे चला गया है जिससे क्षेत्र में जल संकट और गहरा गया है। नल से पानी ना मिलने के कारण ग्रामीणजन सुबह से ही सार्वजनिक हैंडपंपों और कुओं पर लाइन लगाने को मजबूर हैं। हैंडपंपों पर भीड़ बढ़ने के कारण आए दिन ग्रामीणों के बीच विवाद और तीखी नोकझोंक की स्थिति निर्मित हो रही है। निस्तार नहाने.धोने के लिए पानी जुटाना अब ग्रामीणों की दिनचर्या की सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। कोसरी टोला के निवासियों ने तंग आकर अब कड़ा कदम उठाना शुरू कर दिया है। ग्रामीणों का तर्क है कि जब हमें अपनी जरूरत का पूरा पानी हैंडपंप और कुएं से ही लाना है तो महज ४ बाल्टी पानी के लिए हम पंचायत को शुल्क क्यों दें। इसी आक्रोश के चलते कई परिवारों ने अपने कनेक्शन खुद ही कटवा दिए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी शासन की योजना उन्हें राहत देने में असमर्थ साबित हुई है। ग्राम पंचायत और संबंधित विभाग के जिम्मेदारों को इस समस्या से कई बार अवगत कराया गया है। लेकिन अब तक समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों की मांग है कि नियमित और पर्याप्त समय तक पानी की सप्लाई सुनिश्चित की जाए।

नल जल योजना का पानी नही मिलने से ग्रामीणों में आक्रोश-सुनील मेश्राम

ग्रामीण सुनील मेश्राम ने बताया कि नल जल योजना की यह स्थिति है कि २० मिनट दिन में एक बार ना लाता है करीब ४० लीटर पानी उसमें मिल पाता है। यानी चार बाल्टी हमारे परिवार में दो से तीन लोग हैं तो पीने का गुजारा हो जाता है निस्तार के लिए बाहर से पानी लाते हैं। जब हमारे यहां यह स्थिति है तो बाकी घरों में भी ऐसा ही है पानी की दिक्कत है। हम तो यही चाहते हैं कि नल जल योजना से आधा घंटा प्रेशर से पानी दे ताकि सभी को पर्याप्त पानी हो। लोग जो हैंडपंप से पानी लाते हैं उन्हें नल से पर्याप्त पानी मिले परंतु ऐसा नहीं है कई बार तो पीने के लिए भी हैंडपंप से पानी लाते हैं।

नल जल योजना से ग्रामीणों को नही मिलता पर्याप्त पानी-ऐमू घोडेश्वर

ऐमू घोड़ेश्वर ने बताया कि नल जल योजना का नल कनेक्शन हमारे घर में लगा था जिससे पानी नहीं मिलता था तो हमने नल कटवा दिया। जब से कनेक्शन लगाए थे तब से यही हालत थी कि ३ गुंड पानी मिलता था तो हैंडपंप का पानी लाना पड़ता था। ऐसे में जब पानी हैंडपंप से ही लेना है तो दो तीन गुंड के लिए नल कनेक्शन की क्या जरूरत है तो हमने नल कनेक्शन कटवा दिया। कई लोगों के यहाँ यही स्थिति है यह जो हमारे घर वाली गली है यहां के पूरे लोग हैंडपंप पर पानी लेने आते हैं। नल का थोड़ा बहुत पानी आता है जब से यह पानी की टंकी बनी है तब से पानी की समस्या बनी हुई है पर्याप्त किसी को भी कभी नहीं मिला है।

शिकायत करने के बाद भी योजना में नही होता सुधार-लगेंद्र पारधी

लगेन्द्र पारधी ने बताया की हम कोसरीटोला रहते हैं यहां नल जल योजना चालू है। परंतु थोड़ा सा पानी मिलता है सुबह में एक टाइम पानी आता है पीने के लिए थोड़ा बहुत हो जाता है। बाकि पूरा पानी बाहर हैंडपंप और कुएं से लाना पड़ता है यह जो नल का पानी मिलता है ना वह सिर्फ पीने के लिए होता है। इस संबंध में किसको क्या कहे यह समझ नहीं आ रहा है अभी गर्मी समय की यह समस्या नहीं है हर समय ऐसा ही रहता है। कई बार तो योजना में सुधार हो सभी को पानी मिले इसके लिए शिकायत की गई है पर आज तक कुछ नहीं हुआ है दिक्कत बनी हुई है।

पुलिस की बड़ी कार्यवाही चेक बाउंस मामले में मुंबई, इंदौर तक चकमा देने वाला इनामी वारंटी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। चेक बाउंस के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे शातिर स्थाई वारंटी निखिल मिश्रा को आखिरकार वारासिवनी पुलिस ने धर दबोचा है। सिवनी जिला न्यायालय के द्वारा जारी वारंट के आधार पर की गई इस कार्यवाही में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पकड़े गए आरोपी पर इनाम भी घोषित था ।पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार अनुसार वार्ड नंबर १५ सिविल लाइन निवासी निखिल पिता अशोक मिश्रा उम्र ३५ वर्ष के विरुद्ध धारा १३८ एनआई एक्ट के तहत मामला विचाराधीन था। आरोपी पुलिस की पकड़ से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। इसे पकड़ने के लिए पुलिस की टीमें मुंबई और इंदौर तक खाक छान चुकी थी। लेकिन हर बार वह चकमा देने में कामयाब हो जाता था। २४ अप्रैल की शाम को वारासिवनी पुलिस को मुखबिर सूचना मिली कि आरोपी नगर के बस स्टैंड क्षेत्र में देखा गया है। पुलिस ने बिना वक्त गंवाए घेराबंदी की और उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी की सूचना तत्काल सिवनी कोतवाली को दी गई। जिसके बाद आरोपी को अग्रिम कार्यवाही के लिए सिवनी पुलिस के सुपुर्द किया जा रहा है। उसे जल्द ही न्यायालय में पेश किया जाएगा।

भीषण गर्मी में राहगीरों का सहारा बना सोसायटी शिव मंदिर

दीनदयाल चौक पर मटकों से बुझ रही प्यास

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। अप्रैल की तपती धूप और आसमान से बरसती आग ने जनजीवन को बेहाल कर दिया है। जैसे.जैसे पारा चढ़ रहा है राहगीरों के लिए सड़कों पर निकलना दूभर होता जा रहा है। ऐसे संकट के समय में दीनदयाल चौक स्थित सोसायटी शिव मंदिर समिति ने मानवता की मिसाल पेश की है। समिति के द्वारा चौक पर शीतल पेयजल के लिए प्याऊ की शुरुआत की गई है। जो राहगीरों के सूखे कंठों को तर कर उन्हें भीषण गर्मी में बड़ी राहत पहुँचा रहा है।

मटकों का शीतल जल के साथ मिल रही शीतल छाया

नगर का दीनदयाल चौक एक प्रमुख केंद्र है जहाँ से रामपायली रोड़, कॉलेज, अस्पताल और अन्य शासकीय कार्यालयों के लिए लोगों की भारी आवाजाही रहती है। इसे ध्यान में रखते हुए शिव मंदिर समिति के सदस्यों ने रामपायली रोड़ स्थित पीपल के वटवृक्ष की शीतल छाया के नीचे करीब एक दर्जन मटके देसी फ्रिज स्थापित किए हैं। पीपल की प्राकृतिक ठंडक और मटकों के शीतल जल का संगम यहाँ से गुजरने वाले बुजुर्गों, महिलाओं और स्कूली बच्चों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

१४ अप्रैल से प्याऊ किया गया प्रारभ

इस वर्ष सूर्य देवता की चमक काफी तेज नजर आ रही है ऐसे में सोसायटी शिव मंदिर समिति के द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी प्याऊ का प्रारंभ किया गया। यह प्याउ समिति के द्वारा १४ अप्रैल को डॉ बी आर आंबेडकर जयंती के अवसर पर शरबत वितरण कार्यक्रम के साथ प्रारंभ किया गया था जो प्रतिवर्ष की तरह पूरे गर्मी भर निरंतर संचालित रहेगा। जिसमें समिति सदस्यों के द्वारा व्यवस्था को नियमित संचालित करने का कार्य किया जा रहा है।

प्रशासनिक उदासीनता पर भारी जनसेवा

समिति के सदस्यो ने बताया कि दीनदयाल चौक नगर का अत्यंत महत्वपूर्ण जंक्शन है। बालाघाट से आने वाले यात्री यहीं उतरते हैं और यहीं से अन्य क्षेत्रों के लिए रवाना होते हैं। कुछ वर्षों पूर्व तक यहाँ प्रशासन के द्वारा प्याऊ की व्यवस्था की जाती थी। लेकिन इस बार भीषण गर्मी के बावजूद शासन प्रशासन की ओर से कोई इंतजाम नहीं किए गए। लोगों को पानी के लिए भटकता देख हमने स्वयं पहल करने का निर्णय लिया। प्याऊ खोलने का यह तीसरा वर्ष है मंदिर समिति के द्वारा प्याऊ की व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। हर सुबह और शाम मटकों को स्वच्छ और शीतल जल से भरा जाता है। ताकि दिनभर धूप में चलने वाले राहगीरों को ठंडा पानी मिल सके। स्थानीय नागरिकों ने मंदिर समिति के इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि जब नगर पालिका और प्रशासन अपनी जिम्मेदारी भूल गया है तब सामाजिक संस्थाओं का आगे आना सराहनीय है ㆍ

राष्ट्र निर्माण संकल्प के साथ प्रमुख जन संगोष्ठी कल,जुटेंगे नगर के प्रबुद्धजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला बालाघाट के द्वारा संघ के शताब्दी वर्ष के गौरवशाली अवसर पर २६ अप्रैल को वारासिवनी में एक विशेष प्रमुख जन संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। यह बौद्धिक समागम शाम ठीक ५ बजे स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित होगा। जिसमें विगत १०० वर्षों से समाज संगठन और राष्ट्र सेवा में निरंतर सक्रिय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष को समाज की सृजन शक्ति के साथ मिलकर मना रहा है। इसी कड़ी में आयोजित इस संगोष्ठी का मुख्य विषय राष्ट्र निर्माण में हमारी भूमिका रखा गया है। संघ का उद्देश्य समाज के उन प्रतिष्ठित महानुभावों से संवाद करना है जो अपने अपने क्षेत्रों में राष्ट्र सेवा के कार्य में संलग्न हैं। जिला संघचालक के द्वारा जारी सूचना के अनुसार इस गोष्ठी में नगर के बुद्धिजीवियों, पत्रकारों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम का मूल विचार यह है कि राष्ट्र के विकास और सामाजिक समरसता के लिए समाज के प्रबुद्ध वर्ग के अनुभवों का लाभ उठाया जाए और उनके बहुमूल्य सुझावों को क्रियान्वित किया जाए। इस कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र के प्रबुद्ध वर्ग में खासा उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति ने सभी सदस्यों से समय पर गरिमामयी उपस्थिति की अपील की है।

सीढ़ी से गिरकर वृद्ध घायल सिविल अस्पताल में उपचार जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कोस्ते में एक दुर्घटना सामने आई है। यहाँ एक ७५ वर्षीय वृद्ध अपने ही घर की सीढ़ी से अनियंत्रित होकर गिर पड़े जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। घायल वृद्ध को तत्काल परिजनों के द्वारा सिविल अस्पताल पहुँचाया गया जहाँ उनका उपचार किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कोस्ते निवासी आत्माराम टेंभरे पिता मोतीराम टेंभरे उम्र ७५ वर्ष गुरुवार दोपहर अपने घर के दैनिक कार्यों में व्यस्त थे। इसी दौरान वह किसी कार्यवश घर की छत पर गए हुए थे जब वे छत से वापस नीचे उतर रहे थे तभी अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वे सीढ़ी से सीधे नीचे आ गिरे। गिरते ही वृद्ध आत्माराम के सिर पर गंभीर चोट आई और वे दर्द से जोर जोर से चिल्लाने लगे। चीख सुनकर घर के अन्य सदस्य और आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। परिजनों ने देखा कि आत्माराम लहूलुहान अवस्था में जमीन पर पड़े हुए थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए परिजनों ने बिना समय गंवाए उन्हें निजी वाहन की सहायता से सिविल अस्पताल वारासिवनी में भर्ती कराया। अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने तत्काल घायल वृद्ध का उपचार मलहम पट्टी कर दी गई है।

पीजी कॉलेज में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा

प्रदर्शनी, प्रतियोगिताएं और जागरूकता कार्यक्रमों से गूंजा परिसर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में 10 से 25 अप्रैल 2026 तक 'नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा' के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों की श्रृंखला में 18 अप्रैल को कौशल विकास और उद्यमिता प्रदर्शनी के अंतर्गत हस्तशिल्प एवं कला प्रदर्शनी आयोजित की गई। इसमें विद्यार्थियों द्वारा तैयार पारंपरिक एवं आधुनिक सजावटी वस्तुएं, हस्तनिर्मित आभूषण, मोतियों व धागों के गहने, मिट्टी के बर्तनों पर चित्रकारी तथा टोकरियां आदि आकर्षण का केंद्र रहीं। इस प्रदर्शनी में लगभग 120 विद्यार्थियों ने भाग लिया। 21 अप्रैल को नारी शक्ति वंदन एवं शिक्षा से सशक्तिकरण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 46 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में ईशा बोपचे (एम.एससी. द्वितीय सेमेस्टर, भौतिकशास्त्र) ने प्रथम, मुस्कान ठाकरे ने द्वितीय तथा गंगोत्री चौधरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 22 अप्रैल को मानसिक स्वास्थ्य, कानूनी अधिकार, साइबर सुरक्षा एवं कार्यस्थल पर लैंगिक समानता जैसे विषयों पर व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के उद्बोधन से हुई। मुख्य वक्ता के रूप में फिरोजा खान (मानव अधिकार आयोग की आयोग मित्र एवं यूनेस्को से संबद्ध समाजसेविका) ने लैंगिक समानता पर अपने विचार रखे। इसके पश्चात अधिवक्ता माधुरी कटरे ने महिलाओं के कानूनी अधिकार एवं साइबर सुरक्षा पर जानकारी दी। वहीं मानसिक स्वास्थ्य काउंसलर कु. रोशनी टेम्भरे ने पोषण, मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। 23 अप्रैल को नारी शक्ति वंदन एवं कल की महिला नेतृत्व विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 27 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें रीमा गोदरे (बी.ए. प्रथम वर्ष) ने प्रथम, माधवी पंचेश्वर (बी.एससी. प्रथम वर्ष) ने द्वितीय तथा चंदा पांजरे (बी.एससी. प्रथम वर्ष) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

संपूर्ण कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे एवं नोडल अधिकारी डॉ. तारा सिंगराम के मार्गदर्शन में संपन्न हुए। आयोजन में डॉ. सरिता खोब्रागड़े, डॉ. नाजुली कुरैशी तथा श्रीमती सविता गेडाम का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रमों में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम- नाम, प्रक्रिया और राजनीति के बीच की सच्चाई

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर देश में इन दिनों व्यापक चर्चा और भ्रम की स्थिति बनी हुई है। सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम कोई अलग से पारित कानून नहीं है, बल्कि यह वह लोकप्रिय नाम है जो सरकार ने संविधान (128वां संशोधन) विधेयक, 2023 को दिया था। यह विधेयक संसद द्वारा सितंबर 2023 में पारित हुआ और 28 सितंबर 2023 को राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त करने के बाद इसे आधिकारिक रूप से संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम, 2023 के रूप में राजपत्र में प्रकाशित किया गया। संवैधानिक और कानूनी दस्तावेजों में इसी नाम का उपयोग होता है, जबकि नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक राजनीतिक या लोकप्रिय संज्ञा है, जिसका कोई संवैधानिक महत्व नहीं है। 16 अप्रैल 2026 को भारत सरकार के विधि और विधायी कार्य विभाग द्वारा इस अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने की अधिसूचना जारी की गई। यह एक सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से किसी कानून को प्रभावी बनाया जाता है। इस प्रक्रिया में कोई असामान्यता नहीं है और यह पूरी तरह कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। इसी बीच, 16 और 17 अप्रैल 2026 को लोकसभा में एक विशेष सत्र बुलाया गया, जिसमें सरकार ने संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 प्रस्तुत किया। इस संशोधन का उद्देश्य 2023 के अधिनियम के कुछ प्रावधानों, विशेष रूप से जनगणना और परिसीमन से जुड़े मुद्दों में बदलाव करना था। हालांकि, यह विधेयक लोकसभा में आवश्यक बहुमत प्राप्त नहीं कर सका और पारित नहीं हो पाया। यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि किसी अधिनियम के लागू होने से पहले या बाद में उसमें संशोधन लाने का प्रयास करना विधायी प्रक्रिया का हिस्सा है और इससे मूल कानून की वैधता या अस्तित्व पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। 2023 का अधिनियम आज भी पूरी तरह अस्तित्व में है और प्रभावी है। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर राजनीतिक विवाद भी तेज हो गया है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने आगामी चुनावों, विशेष रूप से तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए इस मुद्दे का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। वहीं, सरकार ने विपक्ष पर महिला आरक्षण का विरोध करने का आरोप लगाते हुए देशभर में जनमत तैयार करने का प्रयास किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र के नाम संबोधन में विपक्ष पर लगाए गए आरोपों ने इस बहस को और तीखा कर दिया है। इसके जवाब में कांग्रेस ने उनके खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष विशेषाधिकार प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। साथ ही, चुनाव आयोग में आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत भी दर्ज कराई गई है। मामला अब न्यायिक दायरे में भी पहुंच गया है, जहां सर्वोच्च न्यायालय में यह प्रश्न उठाया गया है कि क्या प्रधानमंत्री द्वारा सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग किया गया। निष्कर्षत:, नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर जो भ्रम फैलाया जा रहा है, उसका मुख्य कारण इसके नाम और प्रक्रिया को लेकर अपर्याप्त समझ है। यह आवश्यक है कि संवैधानिक तथ्यों और विधायी प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझा जाए, ताकि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से अलग हटकर वास्तविकता को पहचाना जा सके।

संसार में मृत्य अटल सत्य है-मानवीय मृत्यु का अनसुल्झा रहस्य बरकार

कुदरत द्वारा बनाई इस अनमोल खूबसूरत सृष्टि में कुदरत की अनमोल कलाकृति मानवीय जीव के रूप में सृजित हुई और जिस मानवीय कुनबे में शिशु का जन्म होता है वहां खुशियों की बहार छा जाती हैं ऐसा सदियों से हजारों वर्षों से होता आया है और वर्तमान काल में भी हो रहा है। इस संसार में मृत्य अटल सत्य है जिसने भी जन्म लिया है उसकी मृत्यु निश्चित है। लेकिन लोगों के मन हमेशा एक सवाल उठता है कि आखिर मौत के बाद क्या होता है। अगर आत्म होती है, तो कहां जाती है। मौत के बाद मनुष्य का शरीर शिथिल हो जाता है। इस पर पहले कई शोध हुए हैं जो अभी भी जारी है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि प्रकृति के कई अनसुलझे रहस्य हैं जिसे सुलझाना अभी भी बाकी है। उन्हीं में से एक है आत्मा और मौत। जब किसी मानवीय जीव की मृत्यु हो जाती है तो आदि अनादि काल से यह भी सच है कि उसी कुनबे में अति संवेदनशील दुखों का पल छा जाते हैं और उनका कुनबा यह सोचने पर मजबूर हो जाता है कि आखिर ऐसा क्या इस शरीर में से निकल गया जो यह शरीर निर्जीव हो गया जो आज के वर्तमान परिपेक्ष में भी एक अनसुलझा रहस्य बना हुआ है! जिसके विज्ञान, विशेषज्ञों, जानकारों के अलग अलग तर्क दिए गए हैं परंतु हमारे बड़े बुजुर्गों और आध्यात्मिकता में यह ईश्वर अल्लाह की देन है और कहा गया है कि हम मानवीय जीव उसके हाथ के बने खिलौने हैं जिनका वह जीवन फिक्स कर देता है और समय आने पर उसे तोड़ देता है याने मृत्यु!आदि अनादि कहां से बुजुर्गों आध्यात्मिकता व कहावतों द्वारा यह कहा जाता है कि मनुष्य जब जन्म लेता है तो उसके मस्तक पर उसके पूरे जीवन की भविष्य रेखा लिखी रहती है और वह रेखा समाप्त होते ही उसकी मृत्यु हो जाती है,परंतु आधुनिक प्रौद्योगिकी युग में मनुष्य या कोई भी जीव मृत देह में कैसे बदल जाता है विज्ञान इस सवाल से निरंतर जूझ रहा है।

साथियों बात अगर हम मृत्यु की करें तो यह नाम सुनते ही दिल दहल जाता है, कांप जाता है। जिस तरह हमने कोरोना महामारी कॉल की पीक़ स्थिति में मृत्यु का तांडव देखे, तो दिल पसीज़ गया था। हमनें फिल्म उद्योग की पुरानी फिल्म पुष्पांजलि का दर्द भरा

गीत, दुनिया से जाने वाले, जाने चले जाते हैं कहां, कैसे ढूंढे कोई उनको नहीं होते नामोनिशान और चिट्ठी न कोई संदेश, ना जाने कौन सा देश, जहां तुम चले गए सुनें होंगे जो दुखों के पलों में अक्सर याद आते हैं। हालांकि इन गीतों से भी वही प्रश्न गूंज रहा है कि आखिर मानवीय शरीर में से ऐसा क्या निकल जाता है और कहां चला जाता है जो शरीर निर्जीव हो जाता है! उसका रहस्य आज भी अनसुलझा है! और मेरा मानना है कि शायद कभी सुल्झेगा भी नहीं चाहे कितना भी प्रौद्योगिकी विज्ञान का उपयोग किया जाए? साथियों बात अगर हम मृत्यु की करें तो, मृत्यु शब्द नही बल्कि, मीडिया में जानकारी के अनुसार, मृत्यु एक परम पवित्र मंगलकारी देवी है। सामान्य भाषा मे किसी भी जीवात्मा अर्थात प्राणी के जीवन के अन्त को मृत्यु कहते हैं। मृत्यु सामान्यत: वृद्धावस्था, लालच, मोह,रोग कुपोषण के परिणामस्वरूप होती है।मुख्यतया मृत्युके 101 स्वरूप होते है, लेकिन मुख्य 8 प्रकार की होती है। जिसमे बुढ़ापा, रोग, दुर्घटना, अकस्मती आघात, शोक,चिंता, और लालच मृत्यु के मुख्य रूप हैं। साथियों बात अगर हम विज्ञान विशेषज्ञों, जानकारों की करें तो उनका अलग-अलग तर्क हैं, हालांकि विज्ञान के अनुसार, मृत्यु का अर्थ है जीवित प्राणी के शरीर की सभी जैविक प्रक्रियाओं का समाप्त हो जाना। जैविक प्रक्रिया को दिल के धड़कने, मस्तिष्क के निर्णय लेने की क्षमता, किडनी और लीवर जैसे अंगों के सुचारु ढंग से काम करने में समझा जा सकता है। ये प्रक्रियाएं समाप्त होते ही हमारी मृत्यु हो जाती है। विशेषज्ञों की जानकारी के अनुसार,शरीर की जैविक प्रकियाएं कई कारणों से रुक सकती हैं। उम्र का ढल जाना यानी बूढ़ा हो जाना, किसी दूसरे व्यक्ति का प्राणघातक हमला, कुपोषण, बीमारी, आत्महत्या, भूख, प्यास, दुर्घटना या आघात आदि से ये प्रक्रिया रुक सकती है। मृत्यु के बाद शरीर तेजी से विघटित होता है, और कई तत्वों में टूट जाता ? है। भारतीय दर्शन में ये संकल्पना है ही कि शरीर का निर्माण पंचतत्वों से हुआ है और अंतत- उन्हीं तत्वों में विलीन हो जाता है।

साथियों लेकिन जीवन और मृत्यु के बीच सटीक सीमा रेखा क्या है? किस क्षण में जीवन मृत्यु में बदल जाता है? शरीर का वह कौन अंतिम अंग या कण है, जिसके रुकते ही जीवन रुक जाता है और मनुष्य या कोई भी जीव मृत देह में बदल जाता है, विज्ञान इस सवाल से निरंतर जूझ रहा है? बहरहाल मनुष्य का शरीर एक अद्भुत मशीन है। जिसका हर पुर्जा एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। लेकिन यह सवाल अभी अनुत्तरित है कि वह कौन सा तत्व है जिसे जीवन का जनक माना जाए या जीवन के न होने की वजह माना जाए! साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्गों और आध्यात्मिकता के दृष्टिकोण की करें तो उनके अनुसार यह जन्म मृत्यु ईश्वर अल्लाह की देन है उनके अनुसार, आध्यात्मिक दृष्टिकोण से आत्मा शरीर में वास करती हैं। मगर मृत्यु के बाद ये शरीर को त्याग देती है और दूसरे शरीर को धारण कर लेती है। आत्मा ईश्वर का ही एक स्वरूप है। मगर इसे कोई देख नहीं सकता है। आत्मा को नश्वर माना जाता है। आध्यात्मिक दृष्टि से इसका न कोई आकारा होता है और न ही स्वरूप, मृत्यु एक जीव को बनाए रखने वाले सभी जैविक कार्यों की अपरिवर्तनीय समाप्ति है।

साथियों बात अगर हम मृत्यु के बाद दोबारा जीवन की करें तो मीडिया के अनुसार, मृत्यु के बाद क्या होता है, क्या दोबारा जीवन मिलता है, या फिर नहीं। इस बात पर चर्चा फिर से शुरू हो गई है। मीडिया के अनुसार एक प्रदेश में हाल ही में तीन ऐसी घटनाएं हुई, जिनमें मृत्यु के बाद जीवन मिला। विज्ञान की भाषा में कहें तो सब कुछ व्यर्थ की बातें हैं, लेकिन आज भी कुछ अनसुलझे रहस्य हैं, जिनके आगे विज्ञान भी नतमस्तक है। यह कहना गलत इस लोक के बाहर दुनिया नहीं है या जिस तरह पृथ्वी पर जिस तरह जीवन है, उस तरह अन्य गृहों पर जीवन नहीं है। विज्ञान भी ऐलियन जैसी बातों को मान रहा है। इसलिए यह भी सत्य है, कि हमारे शास्त्रों के अनुसार पूरे ब्रह्मांड को चलाने वाले शक्ति भी है और हमारी मृत्यु के बाद कर्मों का लेखा जोखा होता है। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि संसार में मृत्य अटल सत्य है-मानवीय मृत्यु का अनसुल्झा रहस्य बरकार आधुनिक प्रौद्योगिकी युग में भी मनुष्य या कोई भी जीव मृत देह में कैसे बदल जाता है!विज्ञान इस सवाल से निरंतर जूझ रहा है? मानवीय मृत्यु एक अनसुलझी पहेली बनी हुई है कि शरीर से आखिर ऐसा क्या निकल जाता है कि शरीर निर्जीव हो जाता है।

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

(विश्व मलेरिया दिवस (25 अप्रैल) पर विशेष)

मौत का मच्छर, लापरवाही का खतरा- मलेरिया पर निर्णायक वार का समय

- श्वेता गोयल

मलेरिया आज भी उन पुरानी और अत्यंत खतरनाक बीमारियों में से एक है, जो हर वर्ष लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करता है और असंख्य परिवारों को शोक में डुबो देता है। यह एक ऐसा रोग है, जो पूरी तरह रोके जाने योग्य होने के बावजूद आज भी वैश्विक स्वास्थ्य संकट के रूप में मौजूद है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि मलेरिया से होने वाली अधिकांश मौतें छोटे बच्चों में होती हैं, विशेष रूप से पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में, जो इस बीमारी के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील होते हैं। मलेरिया का संबंध एक सूक्ष्म लेकिन अत्यंत घातक परजीवी से है, जो संक्रमित मादा एनोफेलीज मच्छर के माध्यम से मानव शरीर में प्रवेश करता है। जब यह मच्छर किसी व्यक्ति को काटता है तो प्लाज्मोडियम नामक परजीवी रक्त में पहुंचकर पहले यकृत पर हमला करता है और फिर लाल रक्त कोशिकाओं को नष्ट करना शुरू कर देता है। यही कारण है कि मलेरिया केवल एक साधारण बुखार नहीं बल्कि शरीर की आंतरिक संरचना को गंभीर रूप से प्रभावित करने वाला रोग है। वैश्विक स्तर पर मलेरिया की स्थिति आज भी चिंताजनक बनी हुई है। हाल के वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि हर वर्ष करोड़ों लोग इस बीमारी की चपेट में आते हैं और लाखों लोग अपनी जान गंवा देते हैं। 2024 में मलेरिया से लगभग 6.1 लाख मौतें इस बात का प्रमाण हैं कि यह बीमारी अभी भी नियंत्रण से बाहर हो सकती है, यदि इसके प्रति जरा भी लापरवाही बरती जाए। यह केवल स्वास्थ्य का ही नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास का भी प्रश्न है क्योंकि मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में उत्पादकता घटाता है, स्वास्थ्य प्रणाली पर बोझ बढ़ाता है और गरीबी के चक्र को गहरा करता है। मलेरिया की सबसे खतरनाक विशेषता इसकी जटिलता और विविधता है। प्लाज्मोडियम के कई प्रकार होते हैं, जिनमें से फाल्सीपेरम सबसे घातक माना जाता है। यदि इसका समय पर उपचार न किया जाए तो यह गंभीर एनीमिया, किडनी फेल्योर, मस्तिष्क संबंधी जटिलताओं और अंतत: मृत्यु का कारण बन सकता है। यही कारण है कि मलेरिया के उपचार में देरी या लापरवाही सीधे जीवन के लिए खतरा बन जाती है। कई बार लोग शुरुआती लक्षणों को सामान्य बुखार समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जो आगे चलकर गंभीर परिणामों का कारण बनता है। हालांकि आशा की किरण भी उतनी ही मजबूत है। विज्ञान ने मलेरिया के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। नए टीकों का विकास, उन्नत दवाएं, कीटनाशक युक्त मच्छरदानियां और डिजिटल निगरानी प्रणाली इस दिशा में बड़ी प्रगति का संकेत हैं। मलेरिया के लिए विकसित कुछ टीकों ने यह साबित किया है कि मलेरिया को नियंत्रित करना अब केवल कल्पना नहीं बल्कि वास्तविकता बन सकता है। कई देशों में इन टीकों का सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है और लाखों बच्चों को इससे सुरक्षा भी मिल रही है। इसके अतिरिक्त, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग मलेरिया संभावित क्षेत्रों की पहचान करने में किया जा रहा है। इससे समय रहते रोकथाम के उपाय किए जा सकते हैं। आनुवंशिक रूप से संशोधित मच्छरों पर भी शोध जारी है, जिनके माध्यम से मलेरिया के प्रसार को नियंत्रित करने की संभावना तलाश की जा रही है। ये सभी प्रयास इस बात के संकेत हैं कि यदि वैश्विक समुदाय एकजुट होकर कार्य करे तो मलेरिया को जड़ से समाप्त करना संभव है। इसके बावजूद, चुनौतियां कम नहीं हैं। जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण और कीटनाशकों के प्रति मच्छरों की बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता इस लड़ाई को और कठिन बना रही है। तापमान और वर्षा के पैटर्न में बदलाव के कारण मच्छरों का फैलाव नए क्षेत्रों तक पहुंच रहा है, जिससे मलेरिया का खतरा भी बढ़ रहा है। इसके अलावा, कई विकासशील देशों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, जागरूकता का अभाव और आर्थिक संसाधनों की सीमाएं इस बीमारी के नियंत्रण में बाधा बनती हैं। यही कारण है कि विश्व मलेरिया दिवस 2026 की थीम 'मलेरिया को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध- अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा' अत्यंत प्रासंगिक है। यह थीम केवल एक नारा नहीं बल्कि एक चेतावनी है कि अब और देरी की गुंजाइश नहीं है। हमारे पास संसाधन हैं, तकनीक है और अनुभव भी है, आवश्यकता केवल दृढ़ इच्छाशक्ति और समन्वित प्रयास की है। मलेरिया के लक्षणों में तेज बुखार, कंपकंपी, अत्यधिक पसीना, सिरदर्द, उल्टी और कमजोरी शामिल हैं। कई मामलों में यह रोग इतनी तेजी से गंभीर रूप ले लेता है कि मरीज को संभलने का अवसर तक नहीं मिलता। मलेरिया से बचाव के उपाय अत्यंत सरल लेकिन प्रभावी हैं। साफ-सफाई का ध्यान रखना, घर और आसपास पानी जमा न होने देना, मच्छरदानी का उपयोग करना, पूरी आस्तीन के कपड़े पहनना और समय-समय पर कीटनाशकों का छिड़काव करना इस बीमारी को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशेष रूप से बरसात और गर्मी के मौसम में अतिरिक्त सावधानी बरतना आवश्यक है,त्र क्योंकि यही वह समय होता है, जब मच्छरों की संख्या तेजी से बढ़ती है। किसी भी प्रकार के बुखार को हल्के में नहीं लेना चाहिए। यदि तेज बुखार, ठंड लगना या अन्य लक्षण दिखाई दें तो तुरंत जांच करानी चाहिए और डॉक्टर की सलाह के अनुसार उपचार शुरू करना चाहिए। शुरुआती चरण में ही सही उपचार मिलने से मलेरिया को पूरी तरह नियंत्रित किया जा सकता है और गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है। सरकारों और स्वास्थ्य संस्थाओं की भूमिका भी इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्राथमिक

आचार्य महाश्रमण की निर्गुण-चेतना से विश्व-शांति की नई दिशा

मानव इतिहास के इस अशांत और संक्रमणकालीन दौर में जब विश्व का परिदृश्य युद्ध, हिंसा, आतंकवाद और वैचारिक टकरावों से आच्छादित है, तब शांति, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों की पुकार पहले से कहीं अधिक तीव्र हो उठी है। ऐसे समय में आचार्य महाश्रमण एक ऐसे आध्यात्मिक प्रकाशस्तंभ के रूप में उभरते हैं, जिनका चिंतन केवल किसी एक पंथ, सम्प्रदाय या राष्ट्र तक सीमित नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का व्यापक दृष्टिकोण अपने भीतर समेटे हुए है। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व 'निर्गुण रंगी चदरिया' की उस अनुभूति को मूर्त करता है, जो गुणों के पार जाकर आत्मा की शुद्ध चेतना में स्थित होने का संदेश देती है। भगवद्गीता में अर्जुन को दिए गए श्रीकृष्ण के उपदेश 'त्रिगुणातीत बन जा' के अनुरूप आचार्य महाश्रमण का

तनाव, असंतोष और हिंसा का जन्म होता है। आचार्य महाश्रमण का चिंतन इस अंतर्विरोध को समाप्त करने का प्रयास करता है। वे सिखाते हैं कि यदि भीतर शांति और संतुलन है, तो बाहर का जीवन स्वत: ही सुव्यवस्थित हो जाता है। यही कारण है कि उनकी साधना केवल आत्मिक उन्नति तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी आधार बनती है। उनकी 'अहिंसा यात्रा' आज के समय की एक ऐतिहासिक और युगान्तरकारी पहल है, जो हमें दांडी यात्रा और भूदान आंदोलन की याद दिलाती है। यह यात्रा केवल एक पदयात्रा नहीं, बल्कि विचारों की क्रांति है-एक ऐसी क्रांति, जो हथियारों से नहीं, बल्कि संवाद, संवेदना और संस्कारों से संचालित होती है। देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पैदल चलकर उन्होंने लाखों लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया, उन्हें

दृष्टिकोण अत्यंत प्रासंगिक हो उठता है।

आचार्य महाश्रमण की सादगी, विनम्रता और अनुशासन उनके व्यक्तित्व की विशिष्ट पहचान हैं। आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ जैसे महान आचार्यों के सान्निध्य में विकसित उनका जीवन एक ऐसी परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है, जो आत्मानुशासन और सेवा को सर्वोच्च मूल्य मानती है। बाल्यावस्था में ही दीक्षा लेकर उन्होंने जिस तप, त्याग और समर्पण का मार्ग अपनाया, वह आज के भौतिकतावादी युग में एक प्रेरणास्रोत है। उनकी जीवन यात्रा मोहनलाल से मुनि मुदितकुमार, फिर महाश्रमण और अंतत: आचार्य बनने तक एक ऐसी साधना गाथा है, जो यह सिद्ध करती है कि आत्मबल और संकल्प से किसी भी ऊँचाई को प्राप्त किया जा सकता है। आचार्य महाश्रमण की बौद्धिक प्रतिभा भी उतनी ही प्रभावशाली है, जितनी उनकी

नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है', हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या वास्तव में हिंसा के माध्यम से स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है? उनका उत्तर स्पष्ट है-नहीं। शांति का मार्ग केवल संवाद, सहिष्णुता और करुणा से होकर गुजरता है। उनके प्रयासों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे केवल उपदेश नहीं देते, बल्कि स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। प्रतिदिन नई ऊर्जा और संकल्प के साथ वे मानव उत्थान के कार्यों में जुटे रहते हैं। उनकी दिनचर्या, उनका अनुशासन और उनका समर्पण यह दर्शाता है कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो अपने आचरण से दूसरों को प्रेरित करे। उनके नेतृत्व में तेरापंथ धर्मसंघ न केवल संगठित और सशक्त हुआ है, बल्कि उसने समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और नैतिक जागरण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

और समाज को आध्यात्मिक दिशा देने का उनका प्रयास वास्तव में अद्वितीय है। उन्होंने धर्म को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जीवन और समाज से जोड़ा। समय को बांधने की अद्भुत खूबी है उनमें। कम समय में अधिक काम। वह भी इतनी सहजता और निर्भरता से सम्पादित कर लेने की सामर्थ्य, उनकी कार्य व्यस्तता कभी व्यग्रता में नहीं बदलती। यह सब इसीलिए हो सकता है कि उनकी प्रत्येक प्रवृत्ति निवृत्ति से निथर कर आती है। उनकी क्रियाशीलता आंतरिक स्थिरता स्थितप्रज्ञता से अभिनि:सृत होती है।

आचार्य महाश्रमण का चिंतन एक नए युग का उद्घोष है-एक ऐसा युग, जहाँ विज्ञान और आध्यात्म, भौतिकता और नैतिकता, व्यक्ति और समाज के बीच संतुलन स्थापित हो सके। वे हमें यह सिखाते हैं कि वास्तविक प्रगति केवल

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली के चलते शुक्रवार को दलहनों में चना बाजार सुधार पर रहे। उड़द व मूंग में मजबूती रही। खाद्य तेलों में बाजार सुर्ख रहे। तिलहनों में सोयाबीन बढ़त पर रहा। किराना बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में लेवाली के चलते भावों में सुधार दर्ज हुआ। चना बढ़िया मालों में 5650-5725 रू. प्रति क्विंटल बोला गया। उड़द व मूंग में मजबूती रही। खाद्य तेलों में कारोबारी सुस्ती बनी। तिलहनों में सोयाबीन 5800-5900 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। उधर, किराना बाजार में ग्राहकी सामान्य रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शकर 4080-4170, खोपरा गोला 360-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, बाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2350-2400, (160) 2700-2750, (200) 2550-2600, (250) 2650-2700

तेल- सींगदाना 1650-1670, मुम्बई 1670, राजकोट तेलिया 2550-2600, सोया साल्वेंट 1410-1415, सोया रिफाइंड 1480-1490, कपास्या 1430, धूलिया 1420, कड़ी 1420,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1600, मुम्बई पाम 1420, मुम्बई सोया 1520,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7200, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 5800-5900, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5650-5725, एवरेज 5450-5575, विशाल 5600-5650, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5900-5950, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-7100, एवरेज 6800-6900, हल्की 6600-6700, महाराष्ट्र सफेद 7100-7200, महाराष्ट्र लाल 7200-7400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2350-2450, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 390 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुस्ती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 241000, चाँदी (99) 240900, टंच 240700, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 153000,

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 16 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.17

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट मध्य पूर्व में तनाव को देखते हुए दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के कारण आई है। इसके अलावा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से भी बाजार पर दबाव पड़ा है जिससे वह नीचे आया है। आज कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 999.79 अंक टूटकर 76,664.21 पर करोबार करता दिखा जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 275.10 अंक नीचे आकर 23,897.95 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप में 0.96 फीसदी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.87 फीसदी की गिरावट रही। आज सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए, जिनमें निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 5.29 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा, निफ्टी मीडिया में 1.87 फीसदी, निफ्टी फार्मा में 1.77 फीसदी, निफ्टी रियल्टी में 1.35 फीसदी, निफ्टी हेल्थकेयर में 1.49 फीसदी निफ्टी ऑयल एंड गैस में 0.72 फीसदी और निफ्टी एफएमसीजी में 0.73 फीसदी गिरावट रही। वहीं निफ्टी के ट्रेंट, हिंडाल्को, नेस्ले इंडिया, श्रीराम फाइनेंस, एसबीआई के शेयरों में तेजी देखने को मिली, जबकि टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, सन फार्मा के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। इससे पहले आज सुबह बाजार भारी गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 150 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 77,483.80 पर खुला। इसी तरह निफ्टी-50 भी 24,100 के स्तर पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 153.90 अंकों की गिरावट के साथ 24,019.15 पर ट्रेड कर रहा था।

डिजिटल तिजोरी पर एआई सेंध का डर, वित्त मंत्री ने बैंकों को किया अलर्ट

नई दिल्ली। एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय बैंकों को एक नए, बेहद शक्तिशाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मॉडल क्लॉड माइथोस से उत्पन्न होने वाले गंभीर साइबर खतरों के प्रति आगाह किया है। यह एआई इतनी क्षमता रखता है कि वह बैंक प्रणालियों में छिपी हुई उन कमजोरियों को भी पहचान सकता है, जिन्हें मानवीय आंखें नहीं देख पातीं, जिससे हैकर्स के लिए मास्टर चाबी बनने का खतरा पैदा हो गया है। सरकार ने इस संभावित खतरे को देखते हुए बैंकों को तत्काल अपने सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने और सूचनाओं का आदान-प्रदान बढ़ाने का निर्देश दिया है, ताकि आम जनता के पैसे और डेटा को सुरक्षित रखा जा सके। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ बैंकों के शीर्ष अधिकारियों की एक उच्च-स्तरीय बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य एंथ्रोपिक द्वारा विकसित क्लॉड माइथोस नामक इस अत्यधिक उन्नत एआई मॉडल से उत्पन्न होने वाले साइबर खतरों को समझना था। यह एआई अपनी अनूठी क्षमताओं के लिए जाना जाता है, जो ऑपरेटिंग सिस्टम और इंटरनेट ब्राउज़रों में उन गुप्त कमजोरियों को भी उजागर कर सकता है जो दशकों से अनछुई थीं। क्लॉड माइथोस को अभी तक आम जनता के लिए जारी नहीं किया गया है और इसका एक्सेस केवल अमेज़न, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी 40 चुनिंदा कंपनियों तक सीमित है। हालांकि, कुछ अनधिकृत लोगों द्वारा इसके एक्सेस की रिपोर्टों ने वैश्विक स्तर पर, खासकर बैंकिंग क्षेत्र में, चिंता बढ़ा दी है। सिर्फ भारत ही नहीं, अमेरिका की सरकार भी वॉल स्ट्रीट के बैंकों के साथ इस खतरे पर चर्चा कर रही है। वित्त मंत्रालय ने सभी बैंकों और वित्तीय संस्थानों को पहले से कहीं अधिक सतर्क रहने, अपनी तैयारी पुख्ता करने और आपस में मिलकर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया है। सीतारमण ने बैंकों को अपने आईटी प्रणालियों को तत्काल मजबूत करने और ग्राहकों के डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आदेश दिया। सरकार एआई जनित हमलों को पहचानने और रोकने के लिए एक विशेष ढांचा तैयार करने की योजना बना रही है।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच सप्लाई में बाधा से मांग होगी प्रभावित-आरबीआई

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी ताजा अर्थव्यवस्था की स्थिति रिपोर्ट में पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष के कारण उत्पन्न होने वाली आपूर्ति बाधाओं से मांग में भारी गिरावट आने की आशंका जताई है। केंद्रीय बैंक ने आगाह किया है कि इस स्थिति का बेहद सावधानी से आकलन करने की आवश्यकता है, क्योंकि इससे मुद्रास्फीति बढ़ने का भी जोखिम है, जबकि घरेलू अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों में सुस्ती के संकेत मिले हैं। आरबीआई ने अपनी रिपोर्ट में आगाह किया है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से उत्पन्न आपूर्ति बाधाएं आगे चलकर मांग में भारी गिरावट का रूप ले सकती हैं, जिसका सावधानीपूर्वक आकलन जरूरी है। इसमें कहा गया है कि आपूर्ति संबंधी झटके और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा 2026 में सामान्य से कम मानसूनी बारिश (का अनुमान मुद्रास्फीति के बढ़ने का जोखिम पैदा करते हैं, हालांकि यह अभी भी निर्धारित दायरे में है। रिपोर्ट वैश्विक अर्थव्यवस्था को अमेरिका-ईरान युद्ध विराम से मिली कुछ राहत का उल्लेख करती है, और मजबूत आर्थिक बुनियाद को चुनौतियों का सामना करने में सहायक मानती है। हालांकि, चेतावनी दी गई है कि संघर्ष जारी रहने पर घरेलू अर्थव्यवस्था को चुनौतियां झेलनी पड़ सकती हैं। घरेलू आर्थिक गतिविधियों में मिश्रित रुझान दिखे हैं, जहां बंदरगाह कार्गो, हवाई यातायात और परचेजिंग मैनेजरों के दृष्टिकोणजैसे कुछ संकेतक धीमी गति के शुरुआती संकेत दे रहे हैं। यह रिपोर्ट आरबीआई कर्मचारियों द्वारा डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता के मार्गदर्शन में तैयार की गई है और केंद्रीय बैंक के आधिकारिक विचारों को नहीं दर्शाती है। आर्थिक संकेतकों पर गौर करें तो, विनिर्माण पीएमआई चार साल के निचले स्तर पर है, जिससे लागत दबाव और अनिश्चितता के कारण नए ऑर्डर और उत्पादन प्रभावित हुए हैं। सेवा पीएमआई लचीला होने के बावजूद 14 महीने के निचले स्तर पर है, जो नए व्यवसाय में नरमी को दर्शाता है। उर्वरक, कच्चा तेल, कोयला और बिजली सहित आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन भी 19 महीने के निचले स्तर पर आ गया है।

मेष- आज का दिन थोड़ा भागदौड़ और दबाव भरा रह सकता है। एक साथ कई काम आने से मन उलझा रहेगा और बाहर किसी से कहासुनी होने के भी संकेत हैं। लेकिन याद रखें आपकी मीठी वाणी ही हर समस्या का समाधान बनेगी। स्वादिष्ट खान-पान का आनंद जरूर मिलेगा, पर सेहत को नजरअंदाज न करें। मां की नाराजगी आपको भावनात्मक रूप से परेशान कर सकती है, इसलिए घर में संयम और समझदारी से बात करें।

वृषभ- आज आप कुछ खास करके दिखाने वाले हैं। प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी और आपकी कार्यकुशलता सभी को प्रभावित करेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और धन-धान्य में वृद्धि से मन प्रसन्न रहेगा। लेकिन सेहत को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। माता-पिता के आशीर्वाद से रुका हुआ काम पूरा होगा। आज का दिन सफलता की ओर बढ़ने का है।

मिथुन- आज का दिन मस्ती और हल्के-फुल्के पलों से भरा रहेगा। काम के लिए सही मार्गदर्शन मिलेगा और मेहनत का फल भी मिलेगा। राजनीति या नए क्षेत्र में कदम रखने का विचार है तो थोड़ा सतर्क रहें। परिवार के सामने कोई पुरानी बात या राज उजागर हो सकता है। प्रॉपर्टी को लेकर हल्का विवाद भी संभव है। शांत रहकर स्थिति संभालें।

कर्क- आज आपका आत्मविश्वास ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगा। बिजनेस में कोई बड़ी डील अटक सकती है, लेकिन हिम्मत न हारें। मामा पक्ष से धन लाभ के योग हैं। परिवार के साथ घूमने का प्लान बन सकता है, जिससे मन हल्का होगा। पड़ोस में किसी से विवाद हो सकता है, इसलिए संयम रखें। सरकारी कामों में लापरवाही बिल्कुल न करें।

सिंह- आज आपको हर मोर्चे पर संतुलन बनाना होगा। घर और बाहर दोनों जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। विदेश से जुड़े काम करने वालों को खुशखबरी मिल सकती है। प्रेम जीवन में मधुर पल आएंगे, लेकिन पारिवारिक जीवन में तालमेल बनाए रखना जरूरी है। जल्दबाजी में लिया गया फैसला पछतावा दे सकता है। प्रॉपर्टी खरीदने का सोच रहे हैं तो लोन की योजना बन सकती है।

कन्या- आज आपका मान-सम्मान बढ़ने वाला है। आपकी रचनात्मकता निखरेगी और लोग आपकी तारीफ करेंगे। आय-व्यय का संतुलन बनाकर चलना जरूरी है। किसी मनोरंजन कार्यक्रम में शामिल होकर आप खुद को रिलैक्स करेंगे। संतान की सेहत पर ध्यान दें। ऑफिस में मिली जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाएं। आपकी वाणी की मिठास ही आपको आगे बढ़ाएगी।

तुला- आज बदलाव का दिन है। नौकरी में बदलाव के अच्छे अवसर मिल सकते हैं। आप खुद के लिए कुछ नया खरीदेंगे-जैसे कपड़े, मोबाइल या लैपटॉप। जीवनसाथी के लिए सरप्राइज प्लान करेंगे, जिससे रिश्ते में मिठास बढ़ेगी। आसपास के लोगों को पहचानकर चलें। कोई अटकी हुई डील आज फाइनल हो सकती है और मन की इच्छा पूरी होने से खुशी दोगुनी हो जाएगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। रुके हुए काम पूरे होंगे और जीवनसाथी का पूरा साथ मिलेगा। मां की सेहत में सुधार होगा, जिससे मन को राहत मिलेगी। यात्रा के दौरान कोई खास जानकारी मिल सकती है। परिवार में चल रहे विवाद बातचीत से खत्म होंगे। घर में शांति और खुशी का माहौल बनेगा।

धनु- आज का दिन संतुलित लेकिन फलदायक रहेगा। काम की व्यस्तता ज्यादा रहेगी, लेकिन आप हर काम समय पर पूरा करने की कोशिश करेंगे। जीवनसाथी की ओर से सरप्राइज गिफ्ट आपका दिन बना देगा। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। संतान की ओर से खुशखबरी मिलने के संकेत हैं। दिल खुश हो जाएगा।

मकर- आज तकनीकी और ज्ञान से जुड़े क्षेत्रों में सफलता मिलेगी। आप सीखने के हर मौके को पकड़ेंगे। विद्यार्थियों को शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलेगा। लेकिन सरकारी कामों में थोड़ी रुकावट आ सकती है, जिससे भागदौड़ बढ़ेगी। आसपास के लोगों पर आंख बंद करके भरोसा न करें। वैवाहिक जीवन में तालमेल बनाए रखना जरूरी है।

शब्दजाल - 8239

शब्दजाल में शाहरुख खान की १० फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

डॉन, वीर जारा, देवदास, यश बॉस, परदेस, बाजीगर, कोयला, बादशाह, अशोका, मोहब्बतें.

अ	म	मा	वी	र	जा	रा	न	ह	क	र
हा	शो	सू	ह	का	ल	जी	स	ल	ग	ज
य	वी	का	द	ड़ॉ	ल	त	र	जी	ल	ठै
श	र	दा	ज	ल	न	न	बा	र	सु	को
बॉ	दे	न	ष	ल	म	मी	छ	बा	नो	य
स	मी	व	स	जि	खा	क	प	द	स	ला
के	ह	बु	दा	वै	म	मी	टे	शा	रू	प
न	पू	सु	पा	स	प.	सौ	ल	ह	र	स
प	र	दे	स	ह	प	ने	ने	व	जी	त
म	व	म	ब	फा	दी	र	ह	री	क	थ
म	ह	न	मो	ह	ब्ब	ते	न	ज	ल	वा

शब्दजाल - 8238 का हल

[illegible]

फिल्म वर्ग पहेली- 7183

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, ममता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाते है रूलाती' गीत वाली तुषार, ईशा, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रमेश्री की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा नहीं' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाया' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, पंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाबूंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बानी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'साइंला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7182

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

25 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.42 बजे से
चंद्र	कर्क में	मिथुन	08.40 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.53 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	13.09 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	15.21 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	17.32 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.47 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	22.03 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	00.08 बजे से
		कुंभ	01.54 बजे से
		मीन	03.27 बजे से
		मेष	04.58 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 115 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास वैशाख पक्ष शुक्ल
तिथि नवमी 18.29 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 20.05 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 23.43 बजे को समाप्त।
करण बालव 06.51 बजे तदनन्तर कौलव 18.29 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 7.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 13° 07'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872690
जूलियन दिन 2461155.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद
तारीख 07
विशेष सीता नवमी, जानकी जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	06.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभस्थ श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः अवसर ही नहीं, जरूरी है योग्यता भी

[illegible]

सूडोकु नवताल- 7492

★☆☆☆☆ सरल

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7491 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8707

बाएँ से दाएँ

1. पाबंदी, संयम, पाश-3
3. मनुष्य, इंसान-3
5. शारीरिक ऊंचाई-2

ऊपर से नीचे

1. हड़ताल, स्थिर, रुका हुआ-2
2. लवण -3
3. विश्राम, राहत-3

ग्राम परसोडी में पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ, कलश शोभायात्रा निकालकर किया ग्राम का भ्रमण

पद्मेश न्यूज। लांजी।

परम पूज्य गुरुदेव एवं परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा जी की सूक्ष्म संरक्षण में तथा गायत्री शक्तिपीठ लांजी के मार्गदर्शन में गायत्री प्रज्ञा मण्डल एवं समस्त ग्रामवासियों के द्वारा ग्राम-परसोडी की पावन भूमि पर परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा जी के जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं विभिन्न संस्कारों का भव्य आयोजन शुरू हो गया है।

यह महायज्ञ वर्तमान युग परिवर्तन की इस घड़ी में आस्था के संकट को दूर करने और ईश्वरीय चेतना से जुड़ने के लिए यह महायज्ञ विशेष महत्व रखता है।

आज सुबह कार्यक्रम की शुरुआत मंगल कलश शोभायात्रा के साथ हुई। शोभायात्रा में भारी संख्या में बालिकाओं व माताओं ने सिर पर कलश धारण कर उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा ने पूरे ग्राम का भ्रमण किया और गायत्री मंत्र के जयघोष से वातावरण पावन हो गया।

कार्यक्रम के तहत शुक्रवार प्रात: 8 बजे मंगल कलश शोभा यात्रा निकाली गई। दोपहर 12 बजे भोजन प्रसादी उपरांत शाम 3 बजे से 6 बजे तक सत्संग एवं प्रवचन सम्पन्न हुआ। आज 25 अप्रैल शनिवार को प्रात: 7 बजे से 11 बजे तक देवपूजन, गायत्री महायज्ञ एवं विभिन्न संस्कार किए जाएंगे तथा दोपहर 2 बजे से कार्यकर्ता गोष्ठी व शाम 4 बजे संगीत कार्यक्रम, नारी जागरण एवं शाम 6 से दीप महायज्ञ सम्पन्न होगा।

26 अप्रैल रविवार को प्रात: 7 बजे से 11 बजे तक गायत्री महायज्ञ, विभिन्न संस्कार व पूर्णाहुति उपरांत भोजन प्रसादी एवं दोपहर 2 बजे टोली विदाई होगी।

इस गायत्री महायज्ञ के अवसर पर पुंसवन, नामकरण, अन्नप्राशन, मुण्डन, विद्यारम्भ, दीक्षा एवं यज्ञोपवीत संस्कार सहित सभी संस्कार नि:शुल्क कराए जाएंगे।

आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं, गायत्री उपासकों एवं ग्रामवासियों से सादर अपील की है कि वे इस महायज्ञ में सहभागी होकर मानव जीवन को धन्य बनाएं और युग परिवर्तन की इस बेला में सामूहिक प्रार्थना के माध्यम से सकारात्मक ऊर्जा का संचार करें।

मोटरसाइकिल गाय से टकराई, दो युवक घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र में लगातार बढ़ती सड़क दुघर्टनाओं ने यातायात व्यवस्था व जनसुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आए दिन तेज रफ्तार व नशें धूत वाहन चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाकर अपने साथ ही दुसरो को भी नुकसान पहुंचा रहे, जिस पर प्रशासन ने अंकुश लगाना अति आवश्यक है। वहीं दूसरी ओर सड़कों पर घूम रहे आवारा पशु भी दुर्घटनाओं का कारण बन रहें हैं।

इसी तरह की एक घटना 23 अप्रैल की रात करीब 9 बजे प्रकाश में आई, जिसमें मोटरसाइकिल के सामने आवारा पशु के आ जाने के कारण मोटर साइकिल सवार दो युवक गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी अनुसार अक्षय पिता युवराज अविनाशी 29 वर्ष निवासी इटोरा एवं राजेश पिता मीताराम डोंगरे 28 वर्ष अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 50 एमएल 6861 से लांजी से अपने ग्राम इटोरा जा रहे थे। रात्रि लगभग 9 बजे बालाघाट रोड़ अग्रवाल पेट्रोल पंप के पास अचानक एक गाय मोटरसाइकिल के सामने आ गई, जिससे टकराकर दोनों युवक दुर्घटना का शिकार हो गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को तत्काल दोपहिया वाहन से सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार किया गया। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल चला रहे अक्षय को चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। चिकित्सकों ने उसकी आंख के ऊपर एवं चेहरे पर चार टांके लगाए। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। घटना के बाद नगरवासियों में रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि नगर में बड़ी संख्या में आवारा मवेशी सड़कों पर घूमते रहते हैं और विभिन्न चौक-चौराहों पर उनका जमावड़ा लगा रहता है। इसके बावजूद नगर परिषद इस समस्या की ओर गंभीरता नहीं दिखा रही है, जिसके चलते लगातार हादसे हो रहे हैं और लोगों के साथ-साथ मवेशी भी घायल हो रहे हैं। वहीं, वर्तमान में नगर में डिवाइडर निर्माण कार्य भी किया जा रहा है जो कि लम्बे समय से बंद पड़ा हुआ है। जिसमें ठेकेदार द्वारा बीच रोड़ पर सलाखों का पिंजरा बनाकर खुला छोड़ दिया गया है, जो कभी भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकता है। रात्रि में घटित दुर्घटना यदि 50 मीटर पूर्व घटित होती तो एक बड़ी दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता था।

सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव में छात्र छात्राओं को वितरित की गई नि:शुल्क साइकिलें

पद्मेश न्यूज। लांजी। सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव (लांजी) में 24 अप्रैल को नि:शुल्क साइकिल वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य बी आर गुरदे सर एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन , मां सरस्वती पूजन एवं मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों द्वारा 46 छात्र एवं 44 छात्राओं को तिलक लगाकर नि:शुल्क साइकिल भेंटकर शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य बी आर गुरदे सर द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि मध्य प्रदेश शासन इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ छात्र छात्राओं को निश्चित ही मिलेगा और वे समय पर विद्यालय पहुंच सकेंगे। चुंकि विद्यालय ग्रामीण अंचल में स्थित है और छात्र छात्राएं दूरदराज के क्षेत्रों से विद्यालय में आते हैं, जिससे उन्हें विद्यालय पहुंचने में अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। इस साइकिल की सहायता से छात्र छात्राएं समय पर विद्यालय पहुंच पायेंगे जिससे विद्यालय में छात्र उपस्थित में वृद्धि होगी और छात्र छात्राएं भी अधिक से अधिक ज्ञानार्जन कर अपने परीक्षा परिणाम में उत्तरोत्तर वृद्धि करेंगे। इस अवसर पर विषेष अतिथि के रूप में बी आर बापूरे सेवा निवृत्त अभियंता, अशोक बापूरे पूर्व जनपद सदस्य, चित्रलेखा कालबेले उपसरपंच ग्राम पंचायत बोलेगांव, युवराज भटेरे, पीटीए अध्यक्ष अनिल नागवंशी, प्रभुराम तिडके एवं अन्य गणमान्य अतिथि एवं संस्था के उपप्राचार्य प्रवीण साहु व समस्त शिक्षक - शिक्षिकाओं की गरिमामई उपस्थिति रही।

शैक्षणिक कार्यक्रम के तहत छात्र छात्राओं को सिविल अस्पताल का भ्रमण कराकर स्वस्थ सेवाओं से कराया रूबरू

पद्मेश न्यूज। लांजी। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित समाज कार्य में स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रम के छात्र छात्राओं को जिला समन्वयक श्री सुशील बर्मन के निर्देशन एवं विकासखंड समन्वयक संतोष नगपुरे के नेतृत्व में 24 अप्रैल को मध्यप्रदेश शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा संचालित सिविल अस्पताल में स्वास्थ्य नीति, परिवार नियोजन और स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारू संचालन के साथ साथ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (ह्र।रू) जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से किफायती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं समाज को कैसे उपलब्ध होती है की जानकारी के लिए विकासखंड स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर अक्षय उपराडे की उपस्थित में नर्सिंग ऑफिसर राजेश्वरी नारनौरे की उपस्थिति में सिविल अस्पताल लांजी का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया जिसमे रोगी कल्याण समिति की भूमिका, सेंट्रल लेब, उमंग स्वास्थ केंद्र, सोनोग्राफी सेंटर, एक्सरे विभाग, दवाई वितरण केन्द्र, रक्त कोष, एचआईवी संबंधित परामर्श केंद्र, रिकॉर्ड रूम, नेत्र विभाग, छय रोग विभाग , मलेरिया विभाग , फिजियोथैरेपी केंद्र , आयुष्मान केंद्र, पोषण पुनर्वास केंद्र से रूबरू कराते हुए उपस्थित छात्र छात्राओं को स्वास्थ्य विभाग से संबंधित संपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। उक्त भ्रमण कार्यक्रम में समस्त छात्र छात्रा एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता कार्यक्रम के परामर्शदाता संदीप कुमार रामटेककर,अशोक घरते, विजय हटीले, श्रीमती ज्योति शकरपुडे, नीलेश्वर ठाकरे उपस्थित रहे उक्त शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम में सिविल अस्पताल लांजी के संपूर्ण स्वास्थ्य अमले का सहयोग महत्वपूर्ण रहा।

भीषण गर्मी में वाहन चेकिंग के दौरान पानी की व्यवस्था नहीं होने से जनता और पुलिस दोनों परेशान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के वारासिवनी-बैहर-गोंदिया मार्ग पर यातायात पुलिस द्वारा हेलमेट अभियान के तहत सघन वाहन चेकिंग की जा रही है। सड़क सुरक्षा को लेकर चलाया जा रहा यह अभियान सराहनीय है। लेकिन भीषण गर्मी के बीच एक अहम समस्या सामने आ रही है।पीने के पानी की व्यवस्था का अभाव। दोपहर 12 बजे तक चलने वाली इस चेकिंग के दौरान तेज धूप और बढ़ते तापमान से न केवल वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।बल्कि ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी भी गर्मी और प्यास से जूझ रहे हैं। लंबे समय तक सड़क पर

खड़े रहकर जांच करने वाले जवानों के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती है। जिन स्थानों पर नियमित रूप से वाहन चेकिंग की जाती है, वहां पीने के पानी की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। इससे चेकिंग के दौरान रुकने वाले वाहन चालकों को राहत मिलेगी, वहीं पुलिसकर्मियों को भी ड्यूटी के दौरान आवश्यक सुविधा प्राप्त होगी। नागरिकों का यह भी कहना है कि करीब दो साल पहले यातायात पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान पानी की व्यवस्था की जाती थी। जिससे आम लोगों और पुलिस दोनों को सहूलियत मिलती थी। अब उस व्यवस्था के बंद हो जाने से गर्मी के मौसम में दिक्कतें बढ़ गई हैं।लोगों का मानना है कि यदि फिर से पीने के पानी की व्यवस्था की जाती है।तो यह न केवल जनहित में एक सराहनीय कदम होगा, बल्कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय और विश्वास को भी मजबूत करेगा।

बिना अनुमति बोरिंग कराने पर कार्रवाई, मशीन जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में भू-जल स्तर को सुरक्षित रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की गई है। बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी के निर्देशन में तहसील क्षेत्र के ग्राम तिलपेवाा में बिना अनुमति बोरिंग कराए जाने पर संबंधित बोरिंग मशीन को जब्त कर लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम तिलपेवाा निवासी वल्लभ पिता नारुलाल दमाहे द्वारा बिना प्रशासनिक अनुमति के बोरिंग कराई जा रही थी। सूचना मिलने पर राजस्व अमले ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करते हुए बोरिंग मशीन को जब्त किया और उसे हट्टा थाने में खा कराया गया है। उल्लेखनीय है कि ग्रीष्मकाल में भू-जल स्तर में लगातार गिरावट को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा बिना अनुमति ट्यूबवेल एवं बोर खनन पर प्रतिबंध लगाया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कुएं के पानी में डूबने से मृत व्यक्ति की पत्नी को 04 लाख रुपये की सहायता राशि मंजूर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट तहसील के ग्राम कोसमी निवासी विकास उपवंशी की 11 दिसंबर 2025 को कुएं के पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बालाघाट गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रावधानों के तहत मृतक की वारिस पत्नी निशा उपवंशी को 04 लाख रुपये की सहायता राशि मंजूर की है। बालाघाट तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि कोषालय में देयक प्रस्तुत कर निशा उपवंशी के बैंक खाते में 04 लाख रुपये की राशि ई-पेमेंट से शीघ्र जमा करायें।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

पुराने परिसीमन पर ही होंगे निकाय और पंचायत चुनाव!

नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव की तैयारी शुरू...फोटोयुक्त मतदाता सूची का हो रहा पुनरीक्षण

पंचायत चुनाव

भोपाल । मप्र में 2027 में होने वाले नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। मप्र राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकायों और त्रिस्तरीय पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है। एक जनवरी 2026 को संदर्भ तारीख मानकर यह पुनरीक्षण किया जाएगा। यह इस बात का संकेत है कि राज्य निर्वाचन आयोग इन चुनावों के लिए परिसीमन नहीं कराएगा। यानी आगामी नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव पुराने परिसीमन (वर्ष 2022) पर ही होंगे। मप्र राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की नियुक्ति तथा जिला स्तरीय प्रशिक्षण 27 अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा। फोटो युक्त प्रारूप मतदाता सूची का नियत स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 15 मई को किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची पर आम नागरिकों के दावे और आपत्तियां 25 मई तक स्वीकार की जाएंगी। प्राप्त सभी दावे आपत्तियों का निराकरण 30 मई तक कर दिया जाएगा। अंत में फोटो युक्त अंतिम मतदाता सूची का नियत स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 18 जून को होगा।

यह पुनरीक्षण कार्यक्रम मतदाता सूची को अपडेट और शुद्ध रखने के लिए महत्वपूर्ण है। इसमें नए मतदाताओं के नाम जुड़ना, पुराने नाम हटना, नाम, पते, फोटो में सुधार जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने सभी संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

पंचायत चुनाव के कारण प्रशासनिक सीमाएं फ्रीज

प्रदेश में नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव जून 2027 में प्रस्तावित हैं। मप्र राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव की प्रारंभिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक प्रदेश में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव पुराने परिसीमन के आधार पर कराए जाएंगे। इसकी वजह यह है कि देश में जनगणना के चलते गत 31 दिसंबर की मध्य रात्रि से प्रशासनिक सीमाएं फ्रीज कर दी गई हैं। अब जनगणना पूरी होने तक नए जिले, तहसील का गठन और किसी तरह का सीमा परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा। जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में घरों की लिस्टिंग और आवास गणना अप्रैल से सितंबर के बीच होगी। दूसरे चरण में जनसंख्या गणना फरवरी 2027 में की जाएगी।

नए आयोग का गठन ठंडे बस्ते में

राज्य निर्वाचन आयोग ने आगामी माह होने वाले चुनाव से पहले नगरीय निकायों और पंचायतों की सीमाओं का नए सिरे से परिसीमन करने का निर्णय लिया था। राज्य निर्वाचन आयोग ने जुलाई, 2025 में राज्य शासन को एक प्रस्ताव भेजा था। प्रस्ताव में नगरीय निकायों एवं पंचायतों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण के लिए नए परिसीमन आयोग के गठन की सिफारिश की गई थी। राज्य निर्वाचन आयोग को उम्मीद थी कि सरकार जल्द आयोग का गठन कर देगी, जिससे प्रशासनिक इकाइयां फ्रीज होने से पूर्व नगरीय निकायों और पंचायतों के परिसीमन का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। सरकार को प्रस्ताव भेजने के नौ महीने बीतने के बाद भी परिसीमन आयोग के गठन के संबंध में कोई कार्यवाही नहीं की गई है। नए परिसीमन आयोग के गठन संबंधी प्रस्ताव मंत्रालय में धूल खा रहा है। इस बीच गत 31 दिसंबर की मध्य रात्रि से प्रशासनिक इकाइयां फ्रीज हो चुकी हैं। इस कारण जनगणना का कार्य पूरा होने तक नगरीय निकायों और पंचायतों के परिसीमन का कार्य नहीं किया जा सकेगा। बता दें कि इससे पूर्व प्रदेश में जुलाई-अगस्त, 2022 में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव कराए गए थे।

परिसीमन इसलिए जरूरी, यह होता असर

राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों का कहना है कि पंचायतों और नगरीय निकायों में हर पांच वर्ष में चुनाव होना अनिवार्य है। राज्य निर्वाचन आयोग को चुनाव कराने से पहले परिसीमन पूरा करना होता है, ताकि प्रत्येक इकाई, संविधान द्वारा निर्धारित मानकों जैसे आबादी, मतदान अधिकार आदि को पूरा करे। साथ ही ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में संतुलित विकास सुनिश्चित हो सके। नए परिसीमन के बाद कई वार्डों की संख्या, आकार और सीमाएं बदल सकती थीं। आगामी पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों में उम्मीदवारों की स्थिति, मतदाता सूची और राजनीतिक समीकरणों पर भी इसका असर पड़ता।

18 जून को अंतिम प्रकाशन

राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की फोटोयुक्त मतदाता सूची का वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी कर दिया है। एक जनवरी 2026 की संदर्भ तारीख के आधार पर मतदाता सूची का पुनरीक्षण होगा। फोटो युक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 18 जून को किया जाएगा। आयुक्त राज्य निर्वाचन आयोग मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि आयोग ने चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। रजिस्ट्रीकरण, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की नियुक्ति और जिला स्तरीय प्रशिक्षण 27 अप्रैल तक किया जाएगा। फोटो युक्त प्रारूप मतदाता सूची का नियत स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 15 मई को किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची पर दावे-आपत्तियां 25 मई तक ली जाएंगी। प्राप्त दावे आपत्तियों का निराकरण 30 मई तक किया जाएगा। फोटो युक्त अंतिम मतदाता सूची का नियत स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 18 जून, 2026 को किया जाएगा।

परमाली वालेस में तिलक-बिंदी प्रतिबंध का विरोध

हिंदू उत्सव समिति ने किया प्रदर्शन, कर्मचारियों को बांधा कलावा

भोपाल। [illegible] कंपनी [illegible] के बाद मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में परमाली वालेस कंपनी में कर्मचारियों के धार्मिक प्रतीकों पर प्रतिबंध को लेकर विवाद गहरा गया है। शहर के [illegible] स्थित परमाली वालेस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के [illegible] हिंदू उत्सव समिति ने विरोध प्रदर्शन किया और प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है। समिति के अध्यक्ष चन्द्रशेखर तिवारी ने आरोप लगाया कि कंपनी ने नोटिस जारी कर कर्मचारियों को तिलक, अंगूठी, कड़ा, कलावा, मंगलसूत्र और बिंदी जैसे धार्मिक प्रतीक पहनकर आने से मना किया है। उन्होंने इसे धार्मिक आस्था और परंपराओं पर आघात बताते हुए कहा कि इसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

हिंदू उत्सव समिति ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। साथ ही कंपनी के उत्पादों के बहिष्कार की अपील भी की गई है। शुक्रवार को समिति के कार्यकर्ता [illegible] कार्यालय पर एकत्रित हुए और प्रदर्शन के बाद फैक्ट्री पहुंचे। वहां उन्होंने कर्मचारियों के समर्थन में तिलक लगाया और कलावा बांधा। फिलहाल, मामले को लेकर दोनों पक्ष आमने सामने हैं और प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार किया जा रहा है। एक कर्मचारी ने दावा किया कि जब वह कलावा और तिलक लगाकर फैक्ट्री पहुंचा, तो उसे बाहर कर दिया गया। इससे कर्मचारियों में नाराजगी का माहौल है। फैक्ट्री के मैनेजर [illegible] राजपूत ने बताया कि यह सर्कुलर कंपनी की ओर से जारी किया गया था। उनका कहना है कि इन वस्तुओं के उत्पादन में प्रोडक्ट रिजेक्ट होने की संभावना रहती है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि समिति की मांग पर विचार किया जाएगा और नोटिस वापस लेने की कोशिश की जाएगी। परमाली वालेस प्राइवेट लिमिटेड एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है, जो कंपनी अधिनियम के तहत [illegible] कंपनी के रूप में शामिल है। यह कंपनी [illegible] और [illegible] आधारित वस्तुओं के निर्माण में लगी हुई है। परमाली वालेस प्राइवेट लिमिटेड एक गैर सूचीबद्ध निजी कंपनी है, जिसकी स्थापना 17 अगस्त, 1961 को हुई थी। इसे प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के रूप में वर्गीकृत किया गया है और यह मध्यप्रदेश में स्थित है।

सीएम सचिवालय में अफसरों के काम का नया बंटवारा

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मुख्यमंत्री सचिवालय में अधिकारियों के बीच कामकाज का नया बंटवारा किया। नई व्यवस्था के तहत अलग-अलग अधिकारियों को महत्वपूर्ण विभागों और कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि सचिवालय का काम अधिक सुचारू [illegible] सचिव नीरज मंडलोई को समन्वय से जुड़े [illegible] मामले, [illegible] विदेशी फंडिंग से जुड़ी ए-प्लस मॉनिटरिंग और मुख्यमंत्री सचिवालय के अधिकारियों के बीच समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही इंदौर और उज्जैन संभाग से जुड़े मामलों की निगरानी भी वे करेंगे। सचिव आलोक कुमार सिंह को सरकारी और गैर-सरकारी नियुक्तियों, सांसदों और विधायकों से जुड़े कार्यों के साथ कृषि विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भोपाल, नर्मदापुरम और सागर संभाग से जुड़े मामलों को भी वे देखेंगे। सचिव [illegible] को [illegible] सरकार और दिल्ली से जुड़े मामलों के समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है। वे केंद्र के साथ [illegible] और [illegible] विषयों पर काम करेंगे। साथ ही वे मुख्यमंत्री सचिवालय में पदस्थ किए गए [illegible] सिंह को विभिन्न विभागों से जुड़ी संवेदनशील जानकारियों की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा वे सीएम कार्यालय की [illegible], सरकार के संकल्प पत्र की मॉनिटरिंग, मुख्यमंत्री डैशबोर्ड, विधायक डैशबोर्ड और आईटी सेल की देखरेख करेंगे।

महिलाओं को संगठन में मिलेगी महत्वपूर्ण पदों की कमान

नितिन नवीन की टीम में बढ़ेंगी महिलाएं...मप्र से कविता पाटीदार, हिमाद्री सिंह और भारती पारधी दौड़ में

भोपाल। भाजपा महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत का आरक्षण [illegible] कर रही है। विपक्ष ने [illegible] लोकसभा में [illegible] विरोध में [illegible] किया, लेकिन भाजपा [illegible] की तैयारी में जुट गई है। वो अब संगठन में महिलाओं की भूमिका बढ़ाने जा रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम में महिलाओं की भूमिका और संख्या बढ़ाने की कवायद तेज की जा रही है। भाजपा सूत्रों के अनुसार, मप्र से राज्यसभा कविता पाटीदार, शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह और बालाघाट सांसद भारती पारधी के नाम चर्चा में हैं।

सूत्रों के मुताबिक भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष की टीम में राष्ट्रीय पदाधिकारियों की सूची में महिलाओं को पहले से बड़ी भूमिका मिल जाएगी। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव खत्म होने के साथ ही (लगभग 15 मई तक) भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की नई टीम घोषित होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन की टीम में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाई जाएगी।

महासचिव-उपाध्यक्ष जैसे पदों पर मिलेगी कमान

नितिन नबीन की टीम में तीन महिला नेताओं को राष्ट्रीय महासचिव बनाया जा सकता है। उनकी टीम में 4 से 5 महिलाओं को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया जा सकता है। [illegible] राष्ट्रीय सचिव पद महिलाओं को दिया जा सकता है। इसके अलावा राष्ट्रीय पदाधिकारियों की सूची में अन्य महत्वपूर्ण पदों पर भी महिलाओं को अहम भूमिका रहेगी। नितिन नबीन की नई टीम में शामिल किए जाने वाली महिला राष्ट्रीय पदाधिकारियों में सभी क्षेत्रों का मिश्रण होगा। इसमें ग्रामीण, शहरी, महानगर, [illegible] आदिवासी क्षेत्र और उत्तरपूर्वी भारत के महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित किया जाएगा। नितिन नबीन की टीम में शामिल किए जाने के लिए देशभर से दो दर्जन से ज्यादा महिलाओं का नाम शार्ट लिस्ट किया गया है। राष्ट्रीय टीम में महिलाओं की भूमिका बढ़ाने के बाद विभिन्न प्रदेशों की टीम [illegible] प्रदेश पदाधिकारियों में महिलाओं की भूमिका बढ़ाई जाएगी।

तीनों अपने-अपने क्षेत्र में प्रभावी

मप्र भाजपा की तीनों नेताएं अपने-अपने क्षेत्र में काफी लोकप्रिय और प्रभावी हैं। राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार को मालवा में ओबीसी का बड़ा चेहरा माना जाता है। कविता सुंदरलाल पटवा की सरकार में मंत्री रहे भेरूलाल पाटीदार की बेटी हैं। इंदौर जिला पंचायत की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। वहीं शहडोल से लोकसभा सांसद हिमाद्री सिंह का बचपन ही राजनीतिक पृष्ठभूमि के इर्द गिर्द गुजरा है। हिमाद्री सिंह के माता पिता दलवीर सिंह और राजेश नंदिनी दोनों ही कट्टर कांग्रेसी रहे हैं। दोनों सांसद रह चुके हैं। 2017 में हिमाद्री सिंह भाजपा में शामिल हो गईं। जिसके बाद ही उनके राजनीतिक करियर ने भी एक नई उड़ान भरी, जो अब लगातार ऊंचाइयों पर पहुंची ही जा रही है। वे लगातार दो बार से सांसद हैं। वहीं भारती पारधी पहली बार 2024 में सांसद बनी हैं। भारती पार्षद से सांसद बनी हैं। सूत्रों का कहना है कि मप्र से इन तीन महिला सांसदों के नाम पर चर्चा चल रही है।

वित्त संचालनालय ने सभी विभागों को लिखा पत्र

मप्र के कर्मचारियों को मिल सकती है केंद्र की तरह सुविधाएं

भोपाल। मप्र के कर्मचारियों को जल्द ही एक बड़ी सौगात मिल सकती है। राज्य के सात 7 लाख कर्मचारियों को जल्द ही केन्द्र के कर्मचारियों के समान डेढ़ करोड़ रुपए का बीमा और रियायती दरों पर आवास, शिक्षा और पर्सनल लोन की सुविधा देने की तैयारी की जा रही है। मध्य प्रदेश के संस्थागत वित्त संचालनालय ने राज्य के कर्मचारियों को ये सुविधाएं दिए जाने के लिए सभी विभागों को पत्र लिखा है। पत्र में केन्द्र सरकार द्वारा अपने कर्मचारियों को दी जा रही सुविधाओं का हवाला दिया गया है।

संस्थागत वित्त आयुक्त ने सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, नगरीय निकायों, विश्वविद्यालय, बोर्ड, सभी कलेक्टरों को इस संबंध में पत्र जारी किया है। दरअसल सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा केन्द्र सरकार के कर्मचारियों को कई तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं इसमें कर्मचारियों को डेढ़ करोड़ रुपए तक का बीमा भी उपलब्ध कराया जाता है ताकि किसी कर्मचारी की असमय दुर्घटना में मौत या इसमें स्थायी या आंशिक विकलांगता पर डेढ़ करोड़ [illegible] इसके अलावा भी कई तरह की सुविधाएं दी जाती हैं। इस तरह की सुविधाएं राज्य के कर्मचारियों को मिल सके, इसके लिए विभाग को निर्देश दिए गए हैं।

कर्मचारियों को यह मिलेंगी सुविधाएं

प्रदेश के कर्मचारियों को भी केन्द्र के समान इस तरह की सुविधाएं जल्द मिल सकती हैं। कर्मचारियों का अभी जीरो बैलेंस पर सैलरी अकाउंट तो खुलता है लेकिन इसके साथ यह सुविधाएं प्राप्त नहीं होती, जो केन्द्र के कर्मचारियों को मिलती हैं। हालांकि पत्र के बाद यह सुविधाएं प्रदेश के कर्मचारियों को भी जल्द मिलने की उम्मीद जागी है। इसमें यदि कोई कर्मचारी [illegible] लोन [illegible] [illegible] के लिए लोन या फिर पर्सनल लोन लेता है तो उसे कम ब्याज पर यह लोन मिल सकेगा। बैंक इस पर कर्मचारियों को रियायत देगा। इसके अलावा लॉकर खोलने पर भी कर्मचारियों को कम राशि देनी होगी, इसमें लगने वाले आम प्रसंस्करण शुल्क में उन्हें छूट मिलेगी। बैंक अकाउंट होल्डर कर्मचारी को डेढ़ करोड़ रुपए तक का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा का लाभ दिया [illegible] सकता है। इसके अलावा [illegible] करोड़ रुपए का हवाई दुर्घटना बीमा और स्थायी या आंशिक विकलांगता के रूप में [illegible] करोड़ का बीमा लाभ [illegible] जाएगा। एकाउंट होल्डर टर्म लाइफ इंश्योरेंस [illegible] टॉपअप सुविधा [illegible] 20 लाख रुपए तक [illegible] अधिक लाभ [illegible] प्लान एवं [illegible] टॉपअप सुविधा के साथ [illegible] और परिवार के लिए [illegible] स्वास्थ्य बीमा कवर [illegible] डेबिट और क्रेडिट कार्ड [illegible] बेहतर लाभ मिल सकता [illegible] विभाग 26 जनवरी 2026 [illegible] भी इस तरह का एक पत्र [illegible] कर चुका है।

भाजपा पार्षद के लापता होने के बंटे पम्पलेट

जो बताएगा उसे 5000 देंगे; परिजन बोले-थाने में शिकायत करेंगे

भोपाल। भोपाल में एक भाजपा की महिला पार्षद के लापता होने के पम्पलेट्स बंटे हैं। वार्ड-61 की पार्षद मधु शिवनानी की तस्वीर लगे पम्पलेट्स में लिखा है कि जो भी पार्षद की जानकारी देगा, उसे 5 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा। ये पम्पलेट्स किसने बंटवाए, इसका खुलासा नहीं हो सका है। मधु शिवनानी पहली बार की पार्षद हैं और उनके पति संजय शिवनानी संगठन में मंडल पदाधिकारी हैं। वार्ड 61 में [illegible] जैसा बड़ा इलाका शामिल है। शुक्रवार सुबह पार्षद की तस्वीर लगे पम्पलेट्स वार्ड में अखबारों के अंदर रखे मिले। जिसमें पार्षद के 3 महीने से लापता होने की बात लिखी गई थी। इनाम की घोषणा के साथ पार्षद की अनुपस्थिति में मूल्य [illegible] एवं अन्य कई [illegible] की बात भी लिखी गई। बेटा [illegible] में [illegible] है। वह पत्नी के साथ वहीं रहता है। कुछ दिन पहले ही पोते का जन्म हुआ है। इसलिए पत्नी फरवरी में बेटा-बहू के पास [illegible] गई थीं। मार्च में ही वापस आना था, लेकिन ईरान-अमेरिका युद्ध की वजह से फ्लाइट्स में दिक्कत आई। दूसरी ओर, पत्नी का स्वास्थ्य भी ठीक नहीं था। इसलिए डॉ. सुशील कुमार गुप्ता का इलाज था। डॉ. गुप्ता ने एक दो महीने आराम करने की सलाह दी थी। इसलिए पत्नी बेटे के पास गई थीं, ताकि पोते की देखभाल और आराम दोनों हो जाए। परिजनों ने बताया कि पार्षद शिवनानी जल्द ही भोपाल आ जाएंगी।

निगम-मंडल की सूची का खत्म हुआ इंतजार!

दिल्ली से भोपाल आई सूची, दो दर्जन नेताओं के नाम फाइनल

भोपाल। मप्र में चार आयोगों में राजनीतिक नियुक्ति के बाद अब निगम-मंडल की सूची जल्द आ सकती है। जानकारी के मुताबिक कई दौर की बैठकों के बाद इस सूची पर राष्ट्रीय नेतृत्व की मुहर लग चुकी है। निगम-मंडलों को लेकर लंबे समय से इंतजार कर रहे नेताओं की आस पूरी हो सकती है। पिछले दिनों सीएम ने भाजपा के पदाधिकारियों की बैठक में जल्द नियुक्तियां होने के संकेत देते हुए कहा था कि निगम मंडलों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित सदस्यों की नियुक्ति एक साथ की जाएगी। आज जारी दो आदेशों में अध्यक्ष के साथ सदस्यों की भी नियुक्ति की गई है। महिला और बाल संरक्षण आयोग में एक दो दिन में नियुक्ति के आसार हैं। वहीं जिन नेताओं के नाम चर्चा में हैं उनमें चेतन सिंह, विनोद गोटिया, संजय नगायच शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार सत्ता और संगठन के बीच चले लंबे मंथन और फिर उसके बाद कोर ग्रुप की बैठक में दो दर्जन नामों पर सहमति बन चुकी है। इन नेताओं के नामों की सूची केंद्रीय नेतृत्व को भेजी गई थी। वहां से हरी झंडी मिल चुकी है। बताया जाता है कि केन्द्रीय नेतृत्व ने सत्ता और संगठन से अपने हिसाब से निर्णय लेने को कहा है। निगम मंडल, प्राधिकरणों और आयोगों में नियुक्ति को लेकर लंबे समय से बैठकों का दौर चल रहा है। भाजपा के कोर ग्रुप की बैठक में भी यह मामला उठा था। तब राष्ट्रीय सहसंगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कहा था कि इस मसले पर अध्यक्ष से बात करें। प्रदेश के दो दर्जन से अधिक निगम-मंडलों और विकास प्राधिकरणों में राजनीतिक नियुक्तियां होनी हैं। इनमें अध्यक्ष से लेकर उपाध्यक्ष और सदस्य शामिल हैं।

आयोगों में हुई नियुक्ति

मप्र अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के नामों की घोषणा हो गई है। पूर्व विधायक कैलाश जाटव को अनुसूचित जाति आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है, वहीं सदस्यों के तौर पर रामलाल मालवीय और चारेलाल अहिरवार के नाम हैं। जाटव अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे। वहीं अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष के तौर पर पूर्व विधायक रामलाल रौतेल की नियुक्ति की गई है। रौतेल दूसरी बार से यह जिम्मेदारी [illegible] रहे हैं। इससे पहले 2010 में उन्हें आयोग का अध्यक्ष बनाया गया था। वे दो बार अनूपपुर सीट से विधायक रहे और कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। आयोग के सदस्य के तौर पर भगत नेताम और मंगल सिंह धुर्वे के नामों का ऐलान हुआ है। इसके अलावा राज्य महिला आयोग और बाल संरक्षण आयोग में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति का रास्ता भी साफ हो गया है। एक या दो दिन में ऐलान होने की संभावना है। इसके अलावा बाल संरक्षण आयोग के लिए भी अध्यक्ष और सदस्यों के नाम पर सहमति बन चुकी है। डॉ. निवेदिता शर्मा को अध्यक्ष बनाया जाएगा। वो पहले से ही बाल संरक्षण आयोग की सदस्य हैं। उनके अलावा मानस [illegible], [illegible] पुरा, [illegible] और सोमा सिंह को सदस्य बनाने पर सहमति बनी है।

नामों को लेकर सीएम-अध्यक्ष में चर्चा

निगम मंडल की जो सूची फाइनल हुई है, उसमें 32 नाम होने की चर्चा प्रदेश भाजपा कार्यालय में सरगर्म है। कई दावेदार प्रदेश कार्यालय के सम्पर्क में रहे। संगठन के एक नेता ने बताया कि दो दर्जन निगम मंडल और प्राधिकरणों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों के नाम तय हो चुके हैं। सूची जल्द ही जारी कर दी जाएगी। इसे लेकर सीएम हाउस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बीच एकांत में लंबी चर्चा का दौर चला। दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक से दावेदारों की उम्मीदें जग गई हैं।

राजस्थान की गर्म हवा ने मप्र में बढ़ाई तपिश

भोपाल, जबलपुर-उज्जैन समेत 11 जिलों में लू का अलर्ट

भोपाल। राजस्थान से आ रही गर्म हवा से मध्य प्रदेश में तपिश बढ़ गई है। भोपाल, जबलपुर, उज्जैन, नर्मदापुरम और सागर संभाग के शहरों में हीट वेव यानी लू जैसे हालात हैं। शनिवार को भी 11 जिलों में लू का अलर्ट है। नर्मदापुरम में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार, जिन शहरों में लू चलने का अलर्ट है, उनमें निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, रायसेन, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, सिवनी, रतलाम, झाबुआ, धार और अलीराजपुर शामिल हैं। भोपाल समेत कई शहरों में रात में तापमान 25 से 27 डिग्री के आसपास ही चल रहा है। नर्मदापुरम में न्यूनतम तापमान 27 डिग्री तक है। यहां आने वाले दिनों में वॉर्म नाइट की स्थिति भी बन सकती है। वॉर्म नाइट मौसम की एक ऐसी स्थिति है, जब रात का न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा होता है। यानी न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री तक अधिक हो। वहीं, दिन का अधिकतम तापमान 40 डिग्री या इससे अधिक रहा हो। यदि रात का तापमान सामान्य से 6.4 डिग्री से अधिक बढ़ जाए, तो इसे सीवियर वॉर्म नाइट कहा जाता है। प्रदेश में फिलहाल सीवियर वॉर्म नाइट की स्थिति नहीं है।

अप्रैल के आखिरी में बारिश के आसार

मौसम विभाग की मानें तो अप्रैल के आखिरी में बारिश के भी आसार हैं। मौसम विभाग ने 27 अप्रैल को ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, शिवपुरी, [illegible], मंडला, डिंडौरी और अनूपपुर में गरज चमक के साथ बारिश होने की संभावना जताई है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से ऐसा होगा। उधर, गर्मी का असर बढ़ते ही मौसम विभाग ने बचाव की एडवायजरी भी जारी की है।

गेहूं खरीदी क्षमता 2250 क्विंटल प्रतिदि[illegible] प्रति केंद्र बढ़ी

भोपाल। मध्य प्रदेश [illegible] समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी [illegible] जारी है। किसानों की सुविधा [illegible] ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार [illegible] बड़ा फैसला लेते हुए प्रति [illegible] कड़ प्रतिदिन स्लॉट बुकिंग [illegible] क्षमता बढ़ा दी है। अब किसान [illegible] दिन में पहले से अधिक मात्रा [illegible] अपनी फसल बेच सकेंगे। [illegible] नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत [illegible] ने शुक्रवार को बताया कि प्रदेश में [illegible] तक 3 लाख 5 हजार 422 कि[illegible] से 12 लाख 94 हजार 397 [illegible] टन गेहूं खरीदा जा चुका है। [illegible] पहले एक लाख से अधिक कि[illegible] के बैंक खातों में 1333 करो[illegible] लाख रुपए का भुगतान भी कि[illegible] चुका है। मंत्री ने बताया कि इ[illegible] बड़ी संख्या में किसान गेहूं बेच[illegible] लिए पंजीयन करा रहे हैं। [illegible] 7 लाख 35 हजार किसानों ने [illegible] 30 लाख 52 हजार मीट्रिक [illegible] बेचने के लिए स्लॉट बुक कि[illegible] किसानों की बढ़ती संख्या को [illegible] हुए सरकार ने प्रति उपार्जन [illegible] स्लॉट बुकिंग क्षमता पहले [illegible] क्विंटल से बढ़ाकर 1500 क्विं[illegible] थी। अब इसे फिर बढ़ाकर [illegible] क्विंटल प्रतिदिन प्रति केंद्र कर [illegible] गया है, ताकि ज्यादा से [illegible] किसानों की उपज समय पर [illegible] जा सके। प्रदेश में गेहूं खरी[illegible] लिए कुल 3171 उपार्जन केंद्र [illegible] गए हैं। किसानों को किसी [illegible] परेशानी न हो, इसके लिए [illegible] बैठने के लिए छायादार स्था[illegible] का पानी और अन्य जरूरी [illegible] उपलब्ध कराई गई हैं। इसके [illegible] केंद्रों पर बारदाना, तौल [illegible] सिलाई मशीन, कंप्यूटर [illegible] और गुणवत्ता जांच उपक[illegible] उपलब्ध कराए गए हैं।

आज होगा पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स की टीम शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने घरेलू मैदान पर पंजाब किंग्स का मुकाबला करेगी। इस मैच में दिल्ली का प्रयास जहां जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना होगा। वहीं दूसरी ओर अंक तालिका में नंबर एक पर रही पंजाब किंग्स अपनी जीत के अभियान को जारी रख प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ाने उतरेगी। पंजाब ने अब तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह 11 अंक लेकर तालिका में नंबर एक स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर दिल्ली केवल तीन मैच जीतने के साथ ही छठे स्थान पर है। ऐसे में इस मैच में भी पंजाब जीत की प्रबल दावेदार होगी। उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दिल्ली से काफी अच्छी रही है। करना होगा। वहीं पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से हार के कारण दिल्ली का मनोबल भी गिरा हुआ है। अगर उसे जीत के साथ वापसी करनी है तो उसके सभी लिए खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

इस सत्र में दिल्ली की सबसे बड़ी कमजोर उसकी बल्लेबाजी रही है। उसकी ओर से केवल केएल राहुल, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और समीर रिजवी ही अब तक रन बना पाये हैं। पूरी टीम एकजुट होकर प्रदर्शन करने में विफल रही है। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका भी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में असफल रहे हैं जिससे मध्यक्रम पर दबाव बढ़ गया है। कप्तान अक्षर पटेल भी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं उनकी रणनीति भी असफल रही है। उनके कुछ फैसले भी गलत साबित हुए हैं जो टीम की हार का कारण बने हैं। दिल्ली का क्षेत्ररक्षण भी भी खराब रहा है। जिससे भी उसे नुकसान हुआ है। उसके लिए राहत की बात गेंदबाजी ठीक रहना है हालांकि पिछले कुछ समय से जिस प्रकार से पंजाब के बल्लेबाजों ने खेला है उसको देखते हुए उसके गेंदबाजों को और अधिक बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स टीम ने पिछले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ छह विकेट पर 254 रनों का इस सत्र का सबसे अधिक स्कोर बनाया था। ऐसे में उसे रोकना आसान नहीं लगता। श्रेयस सहित उसके उसके बल्लेबाजों ने इस सत्र में काफी रन बनाने है। इस मैच में हालांकि टीम को कूपर कोनोली की कमी खलेगी। कूपर फिट नहीं होने के कारण इस मैच से बाहर रहेंगे। टीम के पास अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, मार्को यानसन, विजयकुमार विशाक जैसे बेहतरीन गेंदबाज हैं।

वहीं आंकड़ों पर जायें तो दोनों के बीच 35 मुकाबले हुए है जिसमें से दोनों ने ही 17-17 मुकाबले जीते हैं वहीं एक मैच का परिणाम नहीं निकला।

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं-

दिल्ली कैपिटल्स- अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी शाह, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब नबी डार, नीतीश राणा, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगिसानी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।

पंजाब किंग्स- श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, प्यला अविनाश, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), विष्णु विनोद (विकेटकीपर), नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, मिचेल ओवेन, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, प्रवीण दुबे, बेन द्वारशुइस, लॉकी फर्ग्युसन, हरप्रीत बराड़, विशाल निषाद, विजयकुमार वैशाख, यश ठाकुर।

जडेजा जैसा प्रदर्शन कर उत्साहित है अकील

मुम्बई। आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे वेस्टइंडीज के अकील हुसैन आजकल बेहद खुश है। इसका कारण है कि वह अपने आदर्श रवींद्र जडेजा की जगह लेने में सफल होते जा रहे हैं। आज से 15 साल पहले अकील ने इच्छा जताई थी कि एक दिन वे भी अपने आदर्श की जडेजा जैसे खिलाड़ी बनना चाहते हैं। उनका ये सपना इस बार साकार होता दिख रहा है। आईपीएल नीलामी में उन्हें सीएसके ने जडेजा के राजस्थान रॉयल्स जाने के कारण शामिल किया था। जडेजा के रॉयल्स में जाने के बाद टीम को एक बड़े ऑलराउंडर और बाएं हाथ के स्पिनर की जरूरत महसूस हो रही थी। इसी कारण अकील को जडेजा की जगह शामिल किया गया। अकील ने भी अपने प्रदर्शन से इस फैसले को सही साबित किया। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 4 ओवर में केवल 17 रन देकर 4 विकेट लिए। सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या और तिलक वर्मा जैसे दिग्गज बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर उन्होंने मुंबई की मजबूत बल्लेबाजी क्रम को हिला दिया। सिर्फ आंकड़े ही नहीं, बल्कि उनकी गेंदबाजी का अंदाज भी प्रभावशाली है। अपनी आर्म गेंद को हवा में फ्लाइट कराना और पिच से पड़कर हल्का सा टर्न कराकर वह बल्लेबाजों के लिए मुश्किल खड़ी कर रहे हैं। ... ने हवा में स्वर्ग हुईं और पिच से पड़ने के बाद थोड़ा घूमीं, जिससे बल्लेबाज उनके जाल में फंस गए। अकील ने जिस सही समय पर अपना ... दिखाया है, वह आने वाले मैचों में बाकी टीमों के लिए भी बड़ा खतरा साबित हो सकते हैं।

बेथेल को लेकर कुक के बयान से सहमत नहीं पीटरसन

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट के दो दिग्गज, पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक और केविन पीटरसन युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल के आईपीएल खेलने को लेकर आमने-सामने आ गये हैं। जहां कुक का मानना है कि बेथेल को आईपीएल छोड़कर काउंटी क्रिकेट खेलना चाहिये। वहीं पीटरसन इससे सहमत नहीं हैं उनका कहना है कि बेथेल को काउंटी से ज्यादा अनुभव और एक्सपोजर इस लीग में खेलने से अनुभव मिलेगा। ऐसे में उसे आईपीएल में ही बने रहना चाहिये। वहीं इससे पहले कुक ने कहा था कि

आरसीबी टीम में शामिल बेथेल को आईपीएल में अबतक अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल रही। ऐसे में उनका बैंच पर बैठे रहना अच्छा नहीं है। इससे बेहतर ये होगा कि वह इंग्लैंड लौटकर काउंटी में खेलें। कुक ने कहा, बेथेल आईपीएल में बैठा हुआ है और कुछ कर नहीं रहा, ऐसे में उसे काउंटी क्रिकेट खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर बेथेल इंग्लैंड के लिए सलामी बल्लेबाज के रूप में जगह बनाना चाहते हैं, तो उन्हें लगातार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना होगा और काउंटी क्रिकेट के लिए रन बनाकर अपनी क्षमता साबित करनी होगी। कुक के अनुसार, किसी भी क्रिकेटर के लिए मैच अभ्यास जरूरी है और इसे बिना खेले हासिल नहीं किया जा सकता है। बेथेल को इस सत्र में अब तक आरसीबी की अंतिम ग्यारह में मौका नहीं मिला है। टीम अपने विदेशी खिलाड़ियों के संयोजन में फिल साल्ट, जोश हेजलवुड, टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ही उतर रही है। ऐसे में बेथेल लगातार बेंच पर बैठे हैं और उन्हें मैदान पर बल्लेबाजी करने का अवसर नहीं मिल पा रहा है। यही वजह है कि उनके बाहर बैठने पर सवाल उठाये जा रहे हैं। वहीं पीटरसन ने कहा कि कुक की बात गलत है। पीटरसन के अनुसार कुक को आईपीएल का कोई अनुभव नहीं है और उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं है कि यहां क्या होता है। साथ ही कहा कि आईपीएल में विश्व के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना, उनसे सीखना और बड़े टूर्नामेंट के माहौल का अनुभव मिलता है जो किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कुक की बातों को खारिज करते हुए कहा है कि बेथेल आईपीएल में ही बने रहें। पीटरसन ने अपने बयान में जैकब बेथेल को सीधा संदेश दिया, 'जैकब, भारत में ही रहो। भले ही तुम खेल नहीं रहे हो पर तुम सीख रहे हो और इससे तुम बेहतर खिलाड़ी बनोगे।' साथ ही कहा कि इस अनुभव का लाभ उन्हें भविष्य में मिलेगा।

कंबोज, प्रिंस तैसे गेंदबाज राउंड द विकेट गेंदबाजी कर बल्लेबाजों पर बना रहे दबाव

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में युवा क्रिकेटरों ने कई प्रचलित धारणाओं को पीछे छोड़ दिया है। अंशुल कंबोज, प्रिंस यादव और विजयकुमार युवा गेंदबाजों ने दिखाया है कि कैसे राउंड द विकेट गेंदबाजी कर बल्लेबाजों पर कैसे दबाव बनाया जा सकता है। वहीं आम तौर पर माना जाता है कि दायें हाथ के बल्लेबाज को ओवर द विकेट गेंदबाजी की जाती है। इस सत्र में डेथ ओवर्स के दौरान 'राउंड द विकेट' आना एक बड़ी रणनीति बनकर उभरा है। राउंड द विकेट के दौरान गेंदबाज एक ऐसा कोण बनाता है जिससे कि बल्लेबाज के पास शॉट खेलने के लिए पूरी जगह नहीं बचती है। अगर बल्लेबाज ऑफ-स्टंप की तरफ बढ़ता भी है तो भी गेंदबाज के पास गेंद को और बाहर की तरफ स्विंग कराने या 'कटर' कराकर उसे आउट करने का अवसर रहता है। इसी कौशल का कंबोज, प्रिंस और विजयकुमार ने काफी अच्छा इस्तेमाल किया है। इन गेंदबाजों ने राउंड द विकेट से फेंकी गई सटीक यॉर्कर से बल्लेबाज को खुलने का कोई अवसर नहीं दिया है।

इस सत्र के आंकड़े बताते हैं कि डेथ ओवर्स में राउंड द विकेट गेंदबाजी करते समय दाएं हाथ के तेज गेंदबाजों का इकोनॉमी रेट 8.4 रहा है, जबकि ओवर द विकेट पर 10.2 तक जा रहा है। इसका कारण बल्लेबाज को पहुंच की सीमित करना है। जब गेंदबाज राउंड द विकेट आता है तो वह 'वाइड यॉर्कर' और भी सटीक फेंकता है जिससे बल्लेबाज के लिए उस कोण से आती गेंद को डीप मिड-विकेट या लॉन्ग-ऑन पर खेलना मुश्किल हो जाता है। इसका कारण है कि गेंद बल्लेबाज के शरीर से दूर जा रही होती है।

वहीं नियमों के अनुसार ऑफ-साइड की वाइड लाइन से बल्लेबाजों के लिए आसानी होती है पर राउंड द विकेट गेंदबाजी करते समय गेंदबाज इस लाइन का बेहतर इस्तेमाल कर बल्लेबाज को घेर लेते हैं। इस सीजन में करीब 35 फीसदी विकेट डेथ ओवर्स में 'वाइड ऑफ द स्टंप' जाकर राउंड द विकेट पर मिले हैं यह दर्शाता है कि गेंदबाज अब बल्लेबाजों को गेंद खेलने के लिए बाहर आने पर मजबूर कर रहे हैं। इससे साफ है कि अब गेंदबाज जान गये हैं कि विकेट केवल रफ्तार से नहीं सही कोण पर गेंद फेंकने से मिलेंगे।

तिलक और ओवरटन में हुई बहसबाजी, विडियो हुआ वायरल

मुंबई। मुम्बई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच मैच के दौरान एक विवाद सामने आया है। इसमें मुम्बई के बल्लेबाज तिलक वर्मा और सीएसके टीम के तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन के बीच बहस हो गयी। इस इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है। मुम्बई इंडियंस की टीम को इस मैच में हार का सामना करना पड़ा। मैच में सीएसके के सामने मुम्बई के बल्लेबाज असफल रहे। मुम्बई को इस सत्र में अपने सात में से पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इससे टीम के प्लेऑफ पहुंचने की भी संभावनाएं बेहद कम हो गयी हैं। मैच में मुम्बई की टीम जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करने में विफल रही। मैच के दौरान ये तनातनी तब हुई जब तिलक ओवरटन की गेंद पर रन लेने का प्रयास कर रहे थे पर फील्डिंग के कारण उसमें विफल रहे।

कोच जयवर्धने बोले, मुम्बई इंडियंस के पास अभी भी प्लेऑफ का अवसर

मुंबई। मुंबई इंडियंस क्रिकेट टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा है कि उनकी टीम के पास अभी भी प्लेऑफ में जाने का अवसर है, इसलिए टीम अगले सात मैचों के लिए पूरी योजना के साथ उतरेगी। मुम्बई की टीम को आईपीएल में सात में से पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। कोच ने सूर्यकुमार यादव और कप्तान हार्दिक पंड्या जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के अलावा टीम के कई सदस्यों के टी20 विश्व कप में खेलने को लेकर हुई थकान की आशंकाओं को खराब प्रदर्शन का कारण नहीं माना है। मुंबई इंडियंस की टीम में सूर्यकुमार और हार्दिक के अलावा जसप्रीत बुमराह और तिलक वर्मा भी आईसीसी टी20 विश्व कप खिताब विजेता टीम में शामिल थे। मुंबई इंडियंस को गुरुवार को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 103 रन की करारी हार का सामना करना पड़ा था।

कप्तान हार्दिक पांड्या ने छह मैचों में केवल तीन विकेट लिए हैं और 97 रन बनाए हैं, जबकि सूर्यकुमार ने यादव सात मैचों में 156 रन ही बनाये हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट और तिलक वर्मा ने 181 रन रन बनाये हैं। जयवर्धने ने मैच के बाद कहा, मौजूदा टीम में सभी खिलाड़ी पेशेवर हैं। विश्व कप खेलने वाले कई खिलाड़ी ब्रेक के बाद आईपीएल में लौटे हैं। मुझे नहीं लगता कि खिलाड़ी स्वयं भी थकान को कारण मानेंगे। साथ ही कहा कि हमें जीत के लिए लय और निरंतरता हासिल करनी है। यही हमारी सबसे बड़ी कमी रही है। गेंदबाजी में सुधार की जरूरत है लेकिन बल्लेबाजी भी लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा, हमें वह संतुलन ढूंढना होगा जहां हम मुकाबला कर सकें। हम अगर अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलें तो हमारे पास अच्छा मौका है, लेकिन अगले सात मैचों के लिए आत्मविश्वास, एकाग्रता और अनुशासन जरूरी है।

बांग्लादेश बोर्ड ने मुस्तफिजुर का एनओसी वापस लिया, पीएसएल नहीं खेल पायेंगे

ढाका। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान अब पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में नहीं खेल पायेंगे। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने उन्हें पीएसएल में खेलने के लिए दिया हुआ नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) वापस ले लिया है। मुस्तफिजुर ने आईपीएल से बाहर किये जाने के बाद पीएसएल लीग में लाहौर कलंदर्स के साथ करार किया था पर अब वह पीएसएल 2026 के बचे हुए सत्र में नहीं खेल पायेंगे। बीसीबी ने मुस्तफिजुर के मेडिकल ग्राउंड पर पीएसएल में खेलने के लिए जारी किए गए एनओसी को वापस ले लिया है। यह फैसला न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय के बाद उनकी चिकित्सकीय समीक्षा के आधार पर लिया गया। बीसीबी ने अपने एक बयान में कहा, न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय के समापन के बाद टीम के चिकित्सा स्टाफ ने राष्ट्रीय टीम के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान की स्थिति की समीक्षा की है। आगे की जांच के लिए उनका तत्काल स्कैन कराया जाएगा, जिसके बाद वे बीसीबी मेडिकल टीम की देखरेख में पुनर्वास कार्यक्रम शुरू करेंगे। बोर्ड ने कहा, मुस्तफिजुर को पूर्व में जारी एनओसी वापस ले लिया गया है। इसलिए वे पीएसएल 2026 के शेष मुकाबलों में भाग नहीं ले पाएंगे।

इस बीच बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 27 अप्रैल से शुरू हो रही टी20 सीरीज में शुरुआती दो मैचों के लिए दल की घोषणा कर दी है। सीरीज के लिए मुस्तफिजुर रहमान, तस्किन अहमद और नाहिद राणा जैसे सीनियर तेज गेंदबाजों को आराम दिया गया है और उनकी जगह नए खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। ऑलराउंडर अब्दुल गफ्फार सकलैन को पहली बार राष्ट्रीय टी20 टीम में शामिल किया गया है। सकलैन के अलावा युवा तेज गेंदबाज रिपोन मंडल को भी स्क्वाड में शामिल किया गया है।

आईपीएल में आज होगा रॉयल्स और सनराइजर्स के बीच मुकाबला

शाम 7.30 से शुरु होगा मैच

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स की टीम शनिवार को अपने घरेलू मैदान पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करेगी। इस मैच में दोनों ही टीमें जीत के लिए पूरा जोर लगा देंगी। राजस्थान को हालांकि घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा।

राजस्थान रॉयल्स की टीम में कप्तान रियान पराग के अलावा यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं। टीम के पास रविंद्र जडेजा जैसा ऑलराउंडर है। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद टीम के पास कप्तान ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी की बात करें तो रॉयल्स के पास जोफ्रा आर्चर और रवि बिश्नोई जैसे गेंदबाज वहीं सनराइजर्स के पास हर्ष दुबे, साकिब हुसैन जैसे गेंदबाज हैं।

सनराइजर्स की बल्लेबाजी की ताकत इसके शीर्ष क्रम में है, जहां ईशान और क्लासेन पहले ही कई मौकों पर आक्रामक प्रदर्शन कर चुके हैं। हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाने वाले अभिषेक और हेड भी तेज शुरुआत देने की कोशिश करेंगे। प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन दोनों ने रॉयल्स के खिलाफ अपने आईपीएल पदार्पण में चार-चार विकेट लिए, लेकिन सनराइजर्स की गेंदबाजी अपेक्षाकृत अनुभवहीन है। टीम कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में संघर्ष कर रही है, हालांकि हाल के मैचों में कुछ सुधार देखने को मिला है।

जयपुर के इस मैदान पर अधिकतर मैच लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमें जीतती रही हैं ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना चाहेगी। अब तक दोनों बीच 22 मुकाबले हुए जिनमें से राजस्थान रॉयल्स ने ... जबकि सनराइजर्स हैदराबाद 13 मैच जीते हैं।

दोनों ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

राजस्थान रॉयल्स : यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रियान पराग, शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, डोनोवन फरेरा, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, बृजेश शर्मा, रवि बिश्नोई। इम्पैक्ट प्लेयर- ... दुबे।

सनराइजर्स हैदराबाद : ईशान किशन (कप्तान), ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन, सलिल अरोड़ा (विकेटकीपर), अनिकेत वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवांग कुमार, हर्ष दुबे, साकिब हुसैन, प्रफुल्ल हिंगे। इम्पैक्ट प्लेयर ईशान मलिंगा।

दिल्ली कैपिटल्स की ओर से एक मई के मैच में खेल सकते हैं स्टार्क

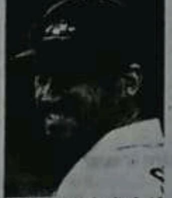

अब मेडिकल टीम ने उन्हें हरी झंडी दे दी है।

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अब अपनी चोट से उबर गये हैं और सब कुछ ठीक रहा तो एक मई को होने वाले मैच में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से उतरेंगे। स्टार्क को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आईपीएल में खेलने की अनुमति मिल गयी है। स्टार्क की वापसी से दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी बेहतर होगी। टीम का इस सत्र में मिला-जुला प्रदर्शन रहा है। ऐसे में उसके लिए स्टार्क का आना लाभदायक रहेगा। स्टार्क को बिग बैश लीग के दौरान कंधे और कोहनी में चोट लगी थी, जिससे उन्हें लंबे समय तक खेल से दूर रहना पड़ा। हालांकि, अब वह पूरी तरह से फिट हो चुके हैं और सिडनी में कड़ी ट्रेनिंग के जरिए अपने वर्कलोड को धीरे-धीरे बढ़ा रहे हैं। उनकी फिटनेस पर लगातार नजर रखी जा रही थी और

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिचेल स्टार्क 25 अप्रैल तक दिल्ली पहुंच सकते हैं। इसके बाद वह भारतीय हालातों के अनुरूप अपने को ढालने और टीम के साथ तालमेल बिठाने में कुछ समय लेंगे। ऐसे में वह 1 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले में चयन के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। यह मुकाबला टीम के लिए बेहद अहम होगा और स्टार्क की मौजूदगी निश्चित रूप से विरोधियों पर दबाव डालेगी। वह 25 अप्रैल को पंजाब किंग्स और 27 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ होने वाले मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे। उनकी वापसी के बाद टीम प्रबंधन को एक विदेशी खिलाड़ी को बाहर करना पड़ेगा। संभावना है कि टीम ओपनर पथुम निसांका को बाहर होना पड़े। जिससे ताकि स्टार्क को अंतिम एकादश में जगह मिल सके। हालांकि, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर और लुंगी एनगिडी में से किसी को बाहर किये जाने की संभावना नहीं है। पिछले सीजन में मिचेल स्टार्क ने 11 मैचों में 14 विकेट हासिल किए थे, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उनका 5 विकेट का शानदार प्रदर्शन भी शामिल था। हालांकि, उस सीजन में उनका इकॉनमी रेट 10 से ज्यादा रहा था, जो कि टी20 प्रारूप में थोड़ा चिंताजनक माना जाता है। इस सीजन दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन अब तक मिला-जुला रहा है। टीम ने 6 मैचों में 3 जीत और 3 हार के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर है और उसका नेट रन रेट -0.821 है, जो उनकी प्लेऑफ की राह को मुश्किल बना सकता है।

ऑस्ट्रेलिया पहुंचकर इलाज कर रहे कॉनोली

चंडीगढ़। आईपीएल अंक तालिका में नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स को बड़ा झटका लगा है। उसके बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के कूपर कॉनोली चोटिल हो गये हैं। कूपर कॉनोली पीठ की चोट के कारण टूर्नामेंट बीच में ही छोड़कर स्वदेश लौट गए हैं। कॉनोली ने खुद सोशल मीडिया के माध्यम से अपने प्रशंसकों को इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि वह ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुके हैं और अपनी चोट का प्रबंधन कर रहे हैं पर साथ ही कहा कि जैसे ही वह फिट होंगे पंजाब की टीम से जुड़ जाएंगे। कॉनोली ने इस सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। जिससे उनकी कमी टीम को खलेगी। कॉनोली ने अपनी आक्रामक शैली और मैच जिताने की क्षमता का प्रदर्शन किया। पंजाब किंग्स के लिए, कॉनोली इस सीजन के सबसे बड़े मैच विजेताओं में से एक बनकर उभरे थे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, जिसमें गुजरात टाइटन्स के खिलाफ नाबाद 72 रन की पारी रही है, जिसने टीम को एक कठिन लक्ष्य का पीछा करने में मदद की। इसके अतिरिक्त, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ उनकी 87 रन की तेज पारी ने भी टीम को दबाव की स्थिति से निकालकर जीत दिलायी। पंजाब किंग्स ने मौजूदा सीजन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 6 में से 5 मुकाबले जीते हैं और आत्मविश्वास से लबरेज होकर अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज हैं। कॉनोली जैसे प्रभावशाली ऑलराउंडर की अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम के संतुलन और रणनीति पर असर डालेगी। उनकी धमाकेदार बल्लेबाजी की कमी टीम को मध्य क्रम में महसूस हो सकती है, और उनकी जगह भरना कप्तान और टीम प्रबंधन के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। टीम को अब ऐसे खिलाड़ी की तलाश होगी जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और जरूरत पड़ने पर गेंदबाजी की भूमिका को कुछ हद तक पूरा कर सके।

गेल का आईपीएल में सबसे बड़ी पारी का रिकार्ड इस सत्र में भी शायद ही टूटे

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल का एक ऐसा रिकार्ड है जो पिछले 13 साल में नहीं टूटा है और उसके इस सत्र में भी टूटने की संभावना नहीं है। साल 2013 में आरसीबी की ओर से खेलते हुए गेल ने पुणे वॉरियर्स के खिलाफ 175 रनों की आक्रामक पारी खेली थी। इस मैच में गेल ने केवल 30 गेंद में शतक पूरा कर 175 रनों की पारी खेली थी। ये आज भी किसी भी बल्लेबाज की आईपीएल में सबसे खेली गई सबसे बड़ी पारी है। अपनी इस पारी में गेल ने 66 गेंद खेलकर 17 छक्के और 13 चौके लगाए थे।

गेल की पारी से पुणे वारियर्स के खिलाफ उस मैच में आरसीबी ने तय 20 ओवर में 5 विकेट पर 263 रन बनाये थे। वहीं आरसीबी के 263 के जवाब में पुणे वारियर्स ने 20 ओवर में 9 विकेट गंवाकर 133 रन ही बना पाई थी।

जैसे ही तलाक की कार्यवाही शुरू होती है, हर कोई बेरोजगार बन जाता है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में एक तलाक से जुड़ा मामला शुक्रवार को आया, जिसमें जज ने अहम टिप्पणी की। इस मामले में पत्नी ने तलाक के लिए अर्जी दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान पति ने कहा कि उसे तलाक नहीं चाहिए। बाद में कोर्ट ने पति को 50 लाख रुपए की एलिमनी देने का आदेश दिया। पति का कहना था कि उसकी पत्नी ने इतना एलिमनी तो मांगा भी नहीं है। सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने पति पर बड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि जैसे ही तलाक की कार्यवाही शुरू होती है, हर कोई बेरोजगार बन जाता है।

बार एंड बेंच के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट में तलाक से जुड़े मामले की सुनवाई चल रही थी। इस पर पति ने कहा कि मुझे तलाक नहीं चाहिए। कोर्ट ने पूछा कि तलाक के लिए अर्जी पत्नी ने दी है? किस आधार पर दी है, जिस पर पति ने जवाब दिया कि क्रूरता और परित्याग के आधार पर। कोर्ट ने कहा कि व्यभिचार का झूठा आरोप, जिसे आप साबित नहीं कर पाए, यही अपने आप में तलाक का एक आधार है। क्या पत्नी गुजारा भत्ता (एलिमनी) नहीं मांग रही है? इस पर पति ने जवाब दिया नहीं। वह इसकी डिमांड नहीं कर रही। तब कोर्ट ने कहा कि इस पर तो आपको खुश होना चाहिए।

कोर्ट ने कहा कि क्या आप एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं? पति ने कहा कि अब मैं एक फ्रीलांसर हूं। कोर्ट ने इस पर कहा कि तलाक की कार्यवाही शुरू होने के बाद हर कोई बेरोजगार बन जाता है। पत्नी कहती है कि उसने इस्तीफा दे दिया है, पति कहेगा कि उसने अपनी नौकरी छोड़ दी है, या उसे पत्नी की शिकायत पर नौकरी से निकाल दिया गया है। कुछ न कुछ ऐसा ही होता है। अब आप फ्रीलांसर बन गए हैं। कोर्ट ने फिर पति से पूछा, क्या आप उस पर व्यभिचार का आरोप साबित कर पाए? इस पर पति ने जवाब दिया नहीं।

पत्नी ने कहा कि ट्रायल कोर्ट द्वारा तलाक मंजूर किए जाने और हाई कोर्ट द्वारा उसे सही ठहराए जाने के बाद मैंने दूसरी शादी कर ली है। पति ने फिर कहा कि कृपया मेरी बात एक पल के लिए सुन लें। इस पर कोर्ट ने आदेश दिया कि 50 लाख रुपए गुजरा भत्ता के तौर पर पत्नी को दें। पति ने फिर कहा कि यह तो उसकी मांग भी नहीं है। इस पर कोर्ट ने कहा कि नहीं, यह हम कह रहे हैं। पति ने फिर से कहा कि क्या मैं एक और बात कह सकता हूं? हम मध्यस्थता के जरिए बच्चे की कस्टडी के मामले पर विचार कर सकते हैं। इस पर कोर्ट ने खारिज कर दिया।

जब तक कैमरा नहीं उतारे जाते, तब तक मतदान दल का सदस्य केंद्र नहीं छोड़ सकता

-चुनाव आयोग ने निगरानी कैमरों और वीडियो डेटा प्रबंधन के लिए दिए दिशा-निर्देश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान संपन्न होने के बाद चुनाव आयोग ने निगरानी कैमरों और वीडियो डेटा के प्रबंधन के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आयोग का उद्देश्य मतदान प्रक्रिया की रिकॉर्डिंग को सुरक्षित रखना और किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ की गुंजाइश को खत्म करना है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मतदान केंद्रों पर लगे कैमरों में इस्तेमाल किए गए एसडी कार्ड मतदान समाप्त होते ही तुरंत नहीं निकाले जा सकेंगे। संबंधित अधिकारियों को केवल कैमरे उतारने की अनुमति होगी, जिसके बाद कैमरे सेक्टर अधिकारी की निगरानी में रहेंगे।

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नए प्रोटोकॉल के मुताबिक अब मतदान खत्म होते ही बूथ पर लगे कैमरों से मेमोरी कार्ड नहीं निकाले जा सकेंगे। इसके लिए निम्नलिखित प्रक्रिया तय की गई है। मतदान खत्म होने के बाद अधिकारी केवल कैमरे को उनके स्टैंड से उतार सकेंगे। उतारे गए कैमरे सीधे सेक्टर अधिकारी की निगरानी में रहेंगे। एसडी कार्ड केवल रिसीविंग सेंटर पर ही निकाले जा सकेंगे। यह प्रक्रिया सहायक निर्वाचन अधिकारी की प्रत्यक्ष उपस्थिति में पूरी की जाएगी। उन्होंने कहा कि एसडी कार्ड केवल निर्धारित डेटा संग्रहण और 'रिसीविंग सेंटर' पर सहायक निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में ही निकाले जा सकेंगे। चुनाव अधिकारी ने कहा कि मतदान के दौरान रिकॉर्ड की गई सभी वीडियो फुटेज को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संरक्षित किया जाना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि जब तक कैमरा उपकरण पूरी तरह नहीं उतार लिया जाता, तब तक मतदान दल का कोई सदस्य या बीएलओ मतदान केंद्र नहीं छोड़ सकता है। बता दें पश्चिम बंगाल की 294 विधानसभा सीटों के लिए पहले चरण का मतदान गुरुवार को संपन्न हुआ, जबकि दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। मतगणना 4 मई को की जाएगी।

सगी बेटी से दुष्कर्म के दोषी की फांसी की सजा उम्रकैद में तब्दील, अदालत ने कहा-तिल-तिल मरेगा

चेन्नई,। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै खंडपीठ ने एक अत्यंत संवेदनशील और विचारोत्तेजक फैसला सुनाते हुए अपनी ही नाबालिग बेटी के साथ बार-बार दुष्कर्म करने वाले पिता की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया है। जस्टिस एन. आनंद वेंकटेश और जस्टिस के.के. रामकृष्णन की खंडपीठ ने इस मामले में एक गहरी दार्शनिक टिप्पणी करते हुए कहा कि मृत्युदंड की तुलना में दोषी को उसके किए गए अपराध के बोध और आत्मग्लानि के साथ जीवित रखना अधिक प्रभावी सजा है। अदालत ने अपने फैसले में तर्क दिया कि फांसी की सजा तात्कालिक और अपरिवर्तनीय होती है, जो न केवल जीवन समाप्त करती है बल्कि अपराधी के भीतर पश्चाताप या नैतिक सुधार की हर संभावना को भी खत्म कर देती है। हाईकोर्ट के अनुसार, जहां मृत्युदंड अपराधी की जीवन रूपी किताब को हमेशा के लिए बंद कर देता है, वहीं उम्रकैद उसे अपने प्राकृतिक जीवन के अंत तक किए गए अपराध के हर पन्ने को बार-बार पढ़ने और अपनी अंतरात्मा से संवाद करने के लिए मजबूर करती है। अदालत ने यह भी गौर किया कि दोषी मुर्गन को उसके परिवार और समाज ने पूरी तरह त्याग दिया है, जिससे वह पहले ही एक जीवित निर्वासन जैसी कठोर स्थिति का सामना कर रहा है। यह मामला 5 फरवरी, 2025 को सामने आया था, जब 14 वर्षीय पीड़िता की मां ने अपनी बेटी के शरीर में बदलाव देख उसे डॉक्टर को दिखाया। जांच में नाबालिग पांच महीने की गर्भवती पाई गई और डीएनए परीक्षण से पुष्टि हुई कि भ्रूण का जैविक पिता मुर्गन ही था। पीड़िता ने खुलासा किया कि उसके पिता ने उसकी मां की अनुपस्थिति का फायदा उठाकर 20 से अधिक बार उसका यौन उत्पीड़न किया। निचली पोक्सो अदालत ने 5 जनवरी, 2026 को इसे भयानक विश्वासघात मानते हुए फांसी की सजा सुनाई थी। हालांकि, हाईकोर्ट ने फांसी की सजा को पलटते हुए स्पष्ट किया कि हालांकि अपराध अत्यंत घृणित है, लेकिन यह दुर्लभ से दुर्लभ श्रेणी की उन शर्तों को पूरी तरह पूरा नहीं करता जहां पीड़िता के साथ अलग से कोई शारीरिक क्रूरता या यातना के साक्ष्य मिले हों। अदालत ने यह भी कहा कि राज्य सरकार यह साबित करने में विफल रही कि दोषी में सुधार की कोई गुंजाइश नहीं बची है। अदालत ने मुर्गन की दोषसिद्धि बरकरार रखी है, लेकिन निर्देश दिया है कि उसे अपने प्राकृतिक जीवन के अंत तक जेल में ही रहना होगा और उसे किसी भी प्रकार की रिहाई, माफी या सजा में छूट का अधिकार नहीं होगा।

मुगल-ए-आजम के गीत के लिए मिली 25 हजार फीस

उस्ताद बड़े गुलाम अली खां के रोचक किस्से : 'राधेश्याम बोल' भजन गाया, तब गांधी जी भी उनसे अत्यंत प्रभावित हुए

नई दिल्ली। उस्ताद बड़े गुलाम अली खां भारतीय शास्त्रीय संगीत के इतिहास में एक महान और अमर नाम हैं, जिन्होंने अपनी अद्वितीय गायकी से संगीत प्रेमियों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी। उनका जन्म 2 अप्रैल 1902 को वर्तमान पाकिस्तान के कसूर (पंजाब) में हुआ था। वे पटियाला घराने के प्रमुख प्रतिनिधि थे और उनके परिवार का संगीत से गहरा संबंध था। उनके पिता अली बख्श खां और चाचा काले खां प्रसिद्ध संगीतज्ञ थे, जिनसे उन्हें बचपन से ही संगीत की शिक्षा मिली। बड़े गुलाम अली खां ने अपने करियर की शुरुआत सारंगी वादक के रूप में की, लेकिन बाद में वे खयाल और ठुमरी गायन के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध हुए। उनकी आवाज बेहद सुरीली, लचीली और भावपूर्ण थी। उन्होंने ठुमरी को एक नया रूप दिया, जिसमें लोक संगीत की मिठास और ताजगी का अनूठा संगम दिखाई देता है। बचपन से ही उन्हें संगीत की शिक्षा घर पर ही मिलनी शुरू हो गई थी, जिससे उनकी नींव अत्यंत मजबूत बनी। उस्ताद बड़े गुलाम अली खां ने अपना जीवन लाहौर, बम्बई, कोलकाता और हैदराबाद में व्यतीत किया। प्रसिद्ध गजल गायक गुलाम अली इनके शिष्य थे। इनका परिवार संगीतज्ञों का परिवार था। बड़े गुलाम अली खां की संगीत की दुनिया का प्रारंभ सारंगी वादक के रूप में हुआ था। बाद में उन्होंने अपने पिता अली बख्श खां, चाचा काले खां और बाबा शिंदे खां से संगीत के गुर सीखे। अली बख्श खां महाराजा कश्मीर के दरबारी गायक थे और वह घराना कश्मीरी घराना कहलाता था। जब ये लोग पटियाला जाकर रहने लगे तो यह घराना पटियाला घराना के नाम से जाना जाने लगा। अपने सधे हुए कंठ के कारण बड़े गुलाम अली खां ने बहुत प्रसिद्धि पाई। 1919 के लाहौर संगीत सम्मेलन में उन्होंने पहली बार सार्वजनिक प्रस्तुति दी, जिसके बाद कोलकाता और इलाहाबाद के सम्मेलनों ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। उनकी गायकी में ध्रुपद, ग्वालियर और जयपुर घरानों की शैलियों का सुंदर मिश्रण देखने को मिलता था। एक बार जब उन्होंने ऋराधेश्याम बोलऋ भजन गाया, तब महात्मा गांधी भी उनसे अत्यंत प्रभावित हुए थे। उनकी लोकप्रियता केवल शास्त्रीय संगीत तक सीमित नहीं रही, बल्कि आम श्रोताओं के बीच भी उनका विशेष स्थान बन गया। फिल्मों में गाने के वे विरोधी थे, लेकिन जब निर्देशक के. आसिफ ने उन्हें मुगल-ए-आजम के लिए आमंत्रित किया, तब उन्होंने मना करने के उद्देश्य से 25,000 रुपये प्रति गीत की भारी फीस मांगी। उस समय लता मंगेशकर और मोहम्मद रफी जैसे बड़े गायक करीब 500 रुपये लेते थे। बावजूद इसके, उनकी शर्त मान ली गई और उन्होंने ऋप्रेम जोगन बन केऋ तथा ऋशुभ दिन आयोऋ जैसे गीत गाए। भारत-पाक विभाजन के बाद वे कुछ समय पाकिस्तान गए, लेकिन बाद में भारत लौटकर यहीं बस गए। 1962 में उन्हें पद्म भूषण और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। लंबी बीमारी के बाद 25 अप्रैल 1968 को हैदराबाद में उनका निधन हो गया। उनकी संगीत विरासत आज भी उतनी ही जीवंत और प्रेरणादायक है।

महाराष्ट्र में मराठी साहित्य संघ ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों को मराठी भाषा सिखाएगा

मुंबई,। मुंबई और महाराष्ट्र में ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा को लेकर राज्य की महायुति सरकार ने नई पहल की घोषणा की है। महायुति सरकार के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने बताया कि सरकार का उद्देश्य राज्य में मराठी भाषा को बढ़ावा देना और दैनिक जीवन तथा सार्वजनिक सेवाओं में अधिक प्रभावी बनाना है।

इस योजना के तहत मुंबई मराठी साहित्य संघ राज्य भर में ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों को मराठी भाषा सिखाने की जिम्मेदारी लेगा। इसतरह कोंकण क्षेत्र में कोंकण मराठी साहित्य परिषद भी चालकों को मराठी भाषा का प्रशिक्षण देगी। महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार का मानना है कि इससे न केवल भाषा का प्रचार होगा बल्कि यात्रियों और चालकों के बीच बेहतर संवाद भी स्थापित होगा।

परिवहन मंत्री सरनाइक ने बताया कि इस मुद्दे पर 28 अप्रैल को ट्रेड यूनियन नेताओं के साथ बैठक होगी। इस बैठक में ऑटो और टैक्सी यूनियन के प्रमुख प्रतिनिधियों, जिसमें शशांक राव भी शामिल हैं, से सुझाव लिए जाएंगे। एनडीए सरकार का कहना है कि सभी पक्षों की राय सुनने के बाद ही आगे की नीति को अंतिम रूप दिया जाएगा।

इसके साथ ही महायुति सरकार ने 1 मई से एक विशेष अभियान शुरू करने की घोषणा की है, इसके तहत ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के दस्तावेजों की जांच होगी। इस अभियान में देखा जाएगा कि चालक मराठी भाषा को बोल और समझ सकते हैं या नहीं। हालांकि यह स्पष्ट किया गया है कि लिखित मराठी अनिवार्य नहीं होगी, बल्कि मुख्य रूप से बोलचाल की मराठी की समझ पर जोर दिया जाएगा। बीजेपी सरकार ने कहा है कि यदि कोई चालक निर्धारित मानकों का पालन नहीं

राहुल गांधी के ध्रुवीकरण वाले आरोप पर रिजिजू का पलटवार, कांग्रेस का स्टैंड ही साफ नहीं

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने 24 अप्रैल को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना की, जब राहुल गांधी ने तृणमूल कांग्रेस की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर बंगाल का ध्रुवीकरण करने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को लाभ देने में सक्षम बनाने का आरोप लगाया था। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने राहुल गांधी के बयान में विरोधाभासों की ओर इशारा कर कहा कि जहां राहुल गांधी बंगाल में कांग्रेस की जीत की भविष्यवाणी कर रहे हैं, वहीं ये टीएमसी की इस बात को लेकर आलोचना कर रहे हैं कि ममता ने भाजपा को अपनी पकड़ मजबूत करने दी।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि उनका यह बयान हैरान करने वाला है। एक ओर राहुल गांधी कह रहे हैं कि पश्चिम बंगाल में सिर्फ कांग्रेस ही भाजपा को हरा सकती है, वहीं दूसरी ओर कह रहे हैं कि टीएमसी की ध्रुवीकरण की राजनीति के कारण भाजपा पश्चिम बंगाल का चुनाव जीतेगी! बीते दिन, राहुल गांधी ने कांग्रेस के लिए वोट मांगते हुए कहा था कि अगर ममता ने स्वच्छ सरकार चलाई भाजपा के लिए बंगाल में पैठ बनाना नामुमकिन होता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी भाजपा के खिलाफ लड़ेगी और हरा सकती है।

इसके पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा की महत्वपूर्ण जीत की भविष्यवाणी की थी, जिसमें उन्होंने आंतरिक आकलन का हवाला दिया था जिसमें संकेत दिया गया था कि पार्टी पहले चरण में लड़ी गई 152 सीटों में से 110 सीटें हासिल कर सकती है। शाह ने कहा कि 90 प्रतिशत से अधिक की रिकॉर्ड मतदान दर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ऋविकासऋ के लिए जनता के समर्थन को दर्शाती है, जो पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के प्रभाव के अंत का संकेत है। उन्होंने कहा कि भाजपा की बंगाल टीम ने अपना आकलन कर लिया है। इसके आधार पर मैं कह सकता हूं कि 152 सीटों में से भाजपा 110 से अधिक सीटें जीत सकती है। दूसरे चरण के मतदान को भी ध्यान में रखते हुए, भाजपा बंगाल में सरकार बनाने के

महिला विरोधी बयान पर घिरे पप्पू यादव ने मांगी माफी

पटना। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने राजनीति में महिलाओं के मुद्दे पर दिए गए अपने हालिया विवादास्पद बयान के लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा था, 90 प्रतिशत महिलाएं किसी नेता के कमरे में जाए बिना राजनीति नहीं कर सकतीं। पूर्णिया सांसद के बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। कांग्रेस समर्थित निर्दलीय सांसद के बयान की एनडीए नेताओं और बिहार राज्य महिला आयोग ने निंदा की है। इसके बाद बिहार राज्य के कई हिस्सों में सांसद यादव से माफी मांगने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन और रैलियां भी आयोजित की गईं। उन्होंने कहा कि अगर मेरे बयान से राजनीति में शामिल महिलाओं को ठेस पहुंची है, तब मैं उनसे माफी मांगता हूं। लेकिन यह माफी बहनों और बेटियों

भारत के थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी को अमेरिका में विशेष सम्मान से नवाजा गया

नई दिल्ली। भारत के थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी को अमेरिका में एक विशेष सम्मान से नवाजा गया है। उन्हें यूएस के आर्मी वॉर कॉलेज के इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। यह सम्मान चुनिंदा विदेशी सैन्य अधिकारियों को दिया जाता है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी यह सम्मान पाने वाले तीसरे भारतीय बने हैं। उनसे पहले जनरल वीके सिंह और जनरल बिक्रम सिंह को यह सम्मान मिल चुका है। उन्होंने अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में स्थित आर्मी वॉर कॉलेज का दौरा किया। यहीं उन्हें इंटरनेशनल फेलोज हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है। यहां दोबारा आकर उन्हें खुशी महसूस हो रही है। पुरानी यादें ताजा हो रही हैं। इस मौके पर उन्होंने अधिकारियों और छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने नेतृत्व और

बदलते सुरक्षा हालात पर भी अपने विचार रखे। जनरल द्विवेदी खुद भी इस कॉलेज के छात्र रह चुके हैं। उन्होंने 2014-15 में यहां पढ़ाई की थी। अमेरिका का यह कॉलेज भारत के नेशनल डिफेंस कॉलेज के बराबर का माना जाता है। यह ब्रिगेडियर लेवल के अधिकारी कोर्स करने आते हैं। यहां अधिकारियों को सामरिक रणनीति के गुर सिखाये जाते हैं। यहां उन्होंने स्ट्रैटेजिक स्टडीज का कोर्स किया था। उन्हें डिस्टिंग्विश्ड फेलो का सम्मान भी मिला था। अपने अमेरिका दौरे के दौरान ,सेना प्रमुख ने पैनल चर्चा में हिस्सा लिया और वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत की। यह हॉल ऑफ फेम 1988 में शुरू हुआ था।

सेना प्रमुख के अमेरिका दौरे में दोनों देशों की सेनाओं के बीच सहयोग पर चर्चा हुई। संयुक्त ट्रेनिंग और नए ऑपरेशन पर बात हुई। मल्टी-डोमेन ऑपरेशन पर भी चर्चा हुई। तकनीक पर भी बातचीत हुई। साथ में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग और को-प्रोडक्शन पर चर्चा हुई। भारत और अमेरिका के बीच सैन्य संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। हाल के महीनों में सेना के तीनों अंगों के प्रमुख भी अमेरिका जा चुके हैं। नवंबर 2025 में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी गए थे। इसके बाद वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह गए। अब सेना प्रमुख का दौरा हुआ है। इन दौरों से दोनों देशों के बीच तालमेल बढ़ रहा है। सेना, नौसेना और वायुसेना अलग-अलग

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

प्रदेश से आई सूची, जिले में अटकी घोषणा, कांग्रेस में गुटबाजी की चर्चा तेज

24 घंटे बाद भी जिला कार्यकारिणी के नाम सार्वजनिक नहीं, कार्यकर्ताओं में बढ़ी बेचैनी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले की कांग्रेस राजनीति इन दिनों नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा को लेकर चर्चाओं का विषय बनी हुई है। लंबे समय से संगठन में नई जिम्मेदारियों के बंटवारे का इंतजार कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उत्सुकता उस समय और बढ़ गई, जब मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश के कई जिलों की नई कार्यकारिणी को मंजूरी प्रदान कर दी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की सहमति के बाद संगठन स्तर पर करीब 14 जिलों की जिला कार्यकारिणी की सूची को अंतिम रूप दिया गया और प्रदेश संगठन महासचिव संजय कामले द्वारा संबंधित जिलों की सूची जारी भी कर दी गई।

बालाघाट जिले की जिला कार्यकारिणी की सूची भी 23 अप्रैल को तैयार होकर स्वीकृत के बाद जिला अध्यक्ष को जारी कर दी गयी , लेकिन सूची जारी होने के बावजूद अब तक इसे सार्वजनिक नहीं किया गया है। लगभग 24 घंटे से अधिक समय गुजर जाने के बाद भी नामों की घोषणा नहीं होने से जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। पार्टी कार्यालय से लेकर राजनीतिक गलियारों तक इस मुद्दे को लेकर लगातार चर्चाएं हो रही हैं। कई कार्यकर्ताओं का कहना है कि लंबे समय से संगठन में नई नियुक्तियों की प्रतीक्षा की जा रही थी। बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक कार्यकर्ता नई जिम्मेदारियों

ई-मेल : "कांग्रेस"
E-mail : orgmpcc1@gmail.com
www.mpcongress.org

कार्यालय - 0755-255151
0755-255545
फैक्स - 0755-257798

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी
इंदिरा भवन, शिवाजी नगर, भोपाल-462 016 (म.प्र.)

क्रमांक 434/26

दिनांक 23-04-2026

प्रिय साथी,

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष माननीय श्री जीतू पटवारी जी की स्वीकृति उपरांत निम्नलिखित जिला कांग्रेस की जिला कार्यकारिणियों को अनुमोदित किया जाता है:-

1. सागर ग्रामीण
2. सतना शहर
3. सतना ग्रामीण
4. मउगंज
5. बालाघाट
6. पाढुर्णा
7. छिंदवाड़ा
8. बैतूल
9. राजगढ़
10. शाजापुर
11. बुरहानपुर ग्रामीण
12. उज्जैन शहर
13. रतलाम शहर
14. रतलाम ग्रामीण

शुभकामनाओं सहित

आपका,
(डॉ. संजय कामले)
संगठन महासचिव

प्रति

की उम्मीद लगाए बैठे हैं, लेकिन सूची सार्वजनिक नहीं होने से उनमें निराशा भी देखने को मिल रही है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि यदि सूची तैयार हो कर आ गयी है तो उसे सार्वजनिक करने में देरी क्यों की जा रही है, यह समझ से परे है।राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सूची को सार्वजनिक करने में हो रही देरी के पीछे संगठन के भीतर चल रही गुटबाजी, आपसी समन्वय की कमी और पदों को लेकर असंतोष भी एक बड़ा कारण हो सकता है। चर्चा यह भी है कि कुछ नेता अपने समर्थकों को महत्वपूर्ण पद दिलाने के प्रयास में जुटे हुए हैं, जिसके चलते अंतिम सूची को रोककर रखा गया है। हालांकि इस विषय में पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। कुछ वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का कहना है कि सूची आ गयी है और जल्द ही इसे सार्वजनिक कर दिया जाएगा। उनका दावा है कि संगठन सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए संतुलित कार्यकारिणी बनाने की दिशा में काम कर रहा है, ताकि किसी भी वर्ग या क्षेत्र की उपेक्षा न हो। इस पूरे मामले में जब जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय उइके से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उनसे बातचीत नहीं हो सकी। उनके जवाब नहीं देने से कार्यकर्ताओं के बीच अटकलों का दौर और तेज हो गया है। जिले में कांग्रेस संगठन पहले ही आगामी राजनीतिक गतिविधियों और चुनावी रणनीतियों को लेकर सक्रिय होने की तैयारी कर रहा है। ऐसे समय में जिला कार्यकारिणी की घोषणा में हो रही देरी संगठन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि आखिरकार नई जिला कार्यकारिणी की सूची कब सार्वजनिक होगी और संगठन में किन चेहरों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गयी हैं ।

न्यूज़ गैलरी

कुएं में गिरने से एक व्यक्ति की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम नयाटोला बोरखेड़ा में इसी ग्राम के एक व्यक्ति अमर सिंह पिता अंकल सिह नेताम 38 वर्ष की कुएं में गिरने से मौत हो गई। यह घटना 23 अप्रैल की रात्रि 8ः00 बजे करीब हुई। बिरसा पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अमर सिंह नेताम मजदूरी करता था जिसके परिवार में पत्नी संतोषी और दो बच्चे हैं। 23 अप्रैल की रात्रि 8ः00 बजे अमर सिंह अपने गांव के कमलसिह मेरावी के घर बैठने के लिए गया था और वह कमल सिंह के घर के पास कुएं की जगत में बैठा हुआ था तभी अचानक अमर सिंह कुएं में गिर गया। खबर मिलते ही अमर सिंह की पत्नी संतोषी सहित गांव के अन्य लोग भी पहुंचे और कुएं में देखे पानी ज्यादा होने के कारण कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। 24 अप्रैल को सुबह गांव के लोगों ने कुएं के अंदर गर्ल डालें और अमर सिंह का शव बाहर निकाले। बताया गया है कि 2 साल पहले से अमर सिंह को फिट की बीमारी आती थी। किंतु जड़ी बूटी का इलाज करवाने के बाद उसे फिट का दौरा नहीं आया था। सम्भावना व्यक्त की गई है कि कुएं के जगत में बैठने के दौरान अचानक अमर सिंह को फिट का दौरा आने से वह कुएं के अंदर गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही बिरसा थाने से उप निरीक्षक शिवलाल परते अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और अमर सिंह का शव बरामद किए, पंचनामा कार्यवाही पश्चात बिरसा के अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया गया है।आगे मर्ग जांच की जा रही है।

चरित्र शंका में पति ने पत्नी से की बेरहमी पूर्वक मारपीट-दी जान से मारने की धमकी

गोरखपुर में घरेलू हिंसा का मामला, बिरसा पुलिस ने पति के खिलाफ किया अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा थाना क्षेत्र के ग्राम गोरखपुर में घरेलू हिंसा का गंभीर मामला सामने आया है। पति ने अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करते हुए उसे बेरहमी से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। बिरसा पुलिस ने महिला के पति नोहर सिंह कुसरे 40 वर्ष के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 35 वर्षीय सोन कुमारी कुसरे खेती-किसानी के साथ घर का काम संभालती हैं। उनके तीन बच्चे हैं। 7 साल पहले नोहर सिंह कुसरे 40 वर्ष ने सोनकुमारी से दूसरी शादी की थी। नोहर सिंह की पहली पत्नी तारान कुसरे हैं। जिनसे कोई संतान नहीं हुई। शादी के बाद सोनकुमारी ससुराल में पति नोहर सिंह, सास फुलकुमारी और सौतन तारान के साथ रह रही थीं। शादी के कुछ समय बाद से ही नोहर सिंह घरेलू बातों और चरित्र पर संदेह को लेकर सोनकुमारी से मारपीट करने लगा। किंतु वह बच्चों के लिए पति के साथ ही जिंदगी निभानी है,यह सोचकर सोनकुमारी चुप रहती थी। वह मायके में बताती तो परिजन समझा-बुझाकर वापस भेज देते। 23 अप्रैल को दोपहर करीब 2 बजे सोनकुमारी घर में काम कर रही थी। तभी नोहर सिंह शराब के नशे में घर आया। उसने चरित्र पर शक करते हुए गालियां दीं और हाथ-मुक्के व डंडे से बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। सोनकुमारी के चिल्लाने पर सास फुलकुमारी और सौतन तारान कुसरे ने बीच-बचाव किया। इसके बाद भी नोहर सिंह ने उसे जान से मार डालने की धमकी दी। मारपीट में सोनकुमारी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद सोनकुमारी अपने भाई, पिता व अन्य परिजनों के साथ बिरसा थाने पहुंची। पुलिस ने तुरंत घायल सोनकुमारी का स्थानीय अस्पताल में इलाज करवाया। बिरसा पुलिस ने पीड़िता सोन कुमारी की शिकायत पर पति नोहर सिंह कुसरे के खिलाफ शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दो लोगों ने एक व्यक्ति से की मारपीट

घायल जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम धापेवाड़ा में दो लोगों ने एक व्यक्ति को मारपीट कर घायल कर दिये घायल व्यक्ति राजेश पिता प्रेमचंद दाने 36 वार्ड नंबर 2 भटेरा चौकी बालाघाट निवासी है।जिन्हे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेश की बालाघाट नगर की गौलीमोहल्ला स्थित बैंक ऑफ इंडिया के बाजू सेलून की दुकान है। 23 अप्रैल को राजेश ग्राम धापेवाडा संगीत मानेश्वर के घर गए थे और खाना खाने के बाद रात्रि 9ः00 बजे करीब राजेश मोटरसाइकिल में संगीत मानेश्वर के घर ग्राम धापेवाड़ा से अपने घर भटेरा चौकी आने निकले थे। तभी ग्राम धापेवाडा के ही दो व्यक्ति रामचरण लिल्हारे और जितेंद्र नगपुरे राजेश को बेवजह हाथबुक्के से मारपीट कर दिए और उसकी मोटरसाइकिल भी गिरा दिए। हल्ला होने पर संगीत मानेश्वर पहुंचे और बीच बचाव किये। जिसके बाद डायल 112 से राजेश को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल पुलिस ने राजेश का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

बोलेरो कार की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बस स्टैंड समीप भटेरा रोड भटेरा चौकी स्थित बिंदेश्वरी मंदिर के पास बोलेरो कार मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई।। इस सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार चमन लिल्हारे पिता अंतलाल लिल्हारे 50 वर्षभटेरा बालाघाट निवासी घायल हो गए जिन्हें जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार चमन लिल्हारे जिला अस्पताल बालाघाट में सफाई के सुपरवाइजर है। बुधवार की रात्रि 8ः00 बजे करीब चमन लिल्हारे मोटरसाइकिल में जिला अस्पताल बालाघाट से अपने घर भटेरा जा रहे थे। तभी भटेरा रोड भटेरा चौकी बिंदेश्वरी मंदिर के पास पीछे से तेज रफ्तार से जा रही बोलेरो कार मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। बोलेरो कार की ठोकर से चमन लिल्हारे मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। खबर मिलते ही उनके परिजन पहुंचे और उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

शिक्षिका पदमावती सड़क दुर्घटना में घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गोंदिया रोड नवेगांव स्टेट बैंक के पास मोटरसाइकिल कर से टकरा गई दुर्घटना में शिक्षिका का पदमावती पति राजकुमार पारडी 45 वर्ष ग्राम कोसमी थाना नवेगांव निवासी घायल हो गई।जिन्हें जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। एक व्यक्ति को मामूली चोटे आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पदमावती पारधी प्राथमिक शाला खारा में शिक्षिका के पद पर पदस्थ है। 23 अप्रैल को सुबह 8ः30 बजे करीब पदमावती पारधी कीर्तिसिह ठाकुर के साथ मोटरसाइकिल में अपने स्कूल खारा जा रही थी। गोंदिया रोड ग्राम नवेगांव स्टेट बैंक के पास एक सफेद कार रोड तरफ मूड़ रही थी तभी सिग्नल नहीं देने के कारण मोटरसाइकिल कार से टकरा गई। जिससे पदमावती पारधी ,कीर्ति सिंह ठाकुर दोनों मोटरसाइकिल सहित गिर गए। इस दुर्घटना में पदमावती पारधी हो गई वहीं कीर्ति सिंह ठाकुर को मामूली चोटे आई घायल। शिक्षिका पारधी को मोटरसाइकिल से ही जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है।

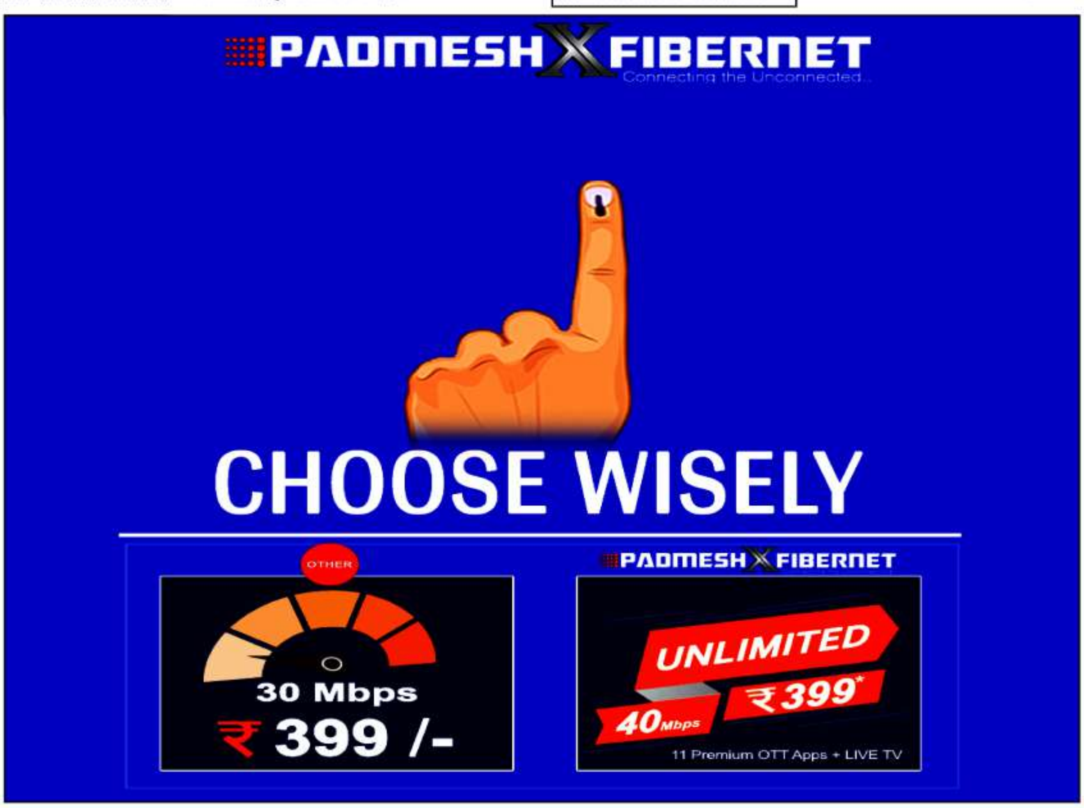

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट